सूर्योदय 6:50 सूर्यास्त 5:23

आज का तापमान

शिमला	9.0 न्यू	19.0 अधि
धर्मशाला	11.0 न्यू	20.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	82,105
निफ्टी	25,291
सोना 1,34, 000	चांदी 1,69,000

अनंत ज्ञान

www.anantgyaan.in

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | मंगलवार, 17 नवंबर 2026 | 2 मार्गशीर्ष, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 320, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

एयरफोर्स चीफ बोले सेना को अंदरूनी लोगों से है ज्यादा खतरा

एजेंसी, नई दिल्ली। एयरफोर्स चीफ आशुतोष दीक्षित ने कहा है कि विदेशी जासूसी नेटवर्क अब सिर्फ हनी ट्रैप तक सीमित नहीं हैं। वे साइबर जासूसी और दूसरे तरीकों से भारतीय रक्षा क्षेत्र से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें सोशल मीडिया पर प्यार में फंसाना, मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में फंसाना जैसे तरीके शामिल हैं। हालांकि, अंदरूनी लोगों के जरिए जानकारी लीक होने का खतरा भी ज्यादा है। आशुतोष दीक्षित ने बताया कि इस तरह के खतरों से निपटने के लिए तकनीकी और संस्थागत स्तर पर कई उपाय किए गए हैं। सरकारी क्षेत्र, डीआरडीओ की लैब और निजी रक्षा कंपनियों के लिए भी सुरक्षा व्यवस्था पर काम हो रहा है।

फिलीपींस पहुंचे पीएम मोदी, हुआ भव्य स्वागत



एजेंसी, मनीला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंचे। मनीला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फिलीपींस के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव रॉबर्ट जोसेफ 'जय' मोंटेस डी क्लारो ने उनकी अगवानी की। इस दौरान भारतीय समुदाय के लोगों ने वंदे मातरम् के नारे लगाकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। बच्चों ने संस्कृत मंत्रों का उच्चारण किया और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। प्रधानमंत्री को हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

बच्चन परिवार को धमकी गैंगस्टर का मुंबई में 200 साथी सक्रिय होने का दावा

एजेंसी, लुधियाना। गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन और उनके बेटे अभिषेक बच्चन को जान से मारने की धमकी दी है। सोशल मीडिया पर डाली पोस्ट में उसने लिखा कि वे चाहे कितने भी बुलेटप्रूफ केबिन बना लें, उन्हें गोली मार दी जाएगी। उसने दावा किया कि दिल्ली पुलिस के उसके दो साथियों की गिरफ्तारी के बावजूद अमिताभ बच्चन को निशाना बनाने की साजिश पर कोई असर नहीं पड़ा है। उसने मुंबई में अपने करीब 200 साथियों के सक्रिय होने का दावा भी किया है। अमिताभ बच्चन के घर फायरिंग करने की प्लानिंग के आरोप में दिल्ली पुलिस ने 2 दिन पहले दो शॉर्पशूटर्स को अरेस्ट किया है। इनमें जालंधर का रहने वाला विकास ठाकुर और तरनतारन का निवासी दीपक सिंह शामिल हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है।

भाजपा सरकार के कार्यकाल पर लाएंगे श्वेत पत्र : सीएम

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के नेतृत्व में आठ मंत्रियों की कमेटी गठित

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार से धर्मशाला के तपोवन में शुरू हो गया। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले सत्तापक्ष कांग्रेस ने विधायक दल की बैठक की। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विधानसभा सत्र के दौरान विपक्ष के सवालों का जवाब देने और सदन में सरकार का पक्ष मजबूती से रखने को लेकर रणनीति तैयार की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बैठक में दो-तीन महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इनमें पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में हुई कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को लेकर सरकार की ओर से तैयार किए जा रहे श्वेत पत्र (व्हाइट पेपर) का मुद्दा प्रमुख रहा। उन्होंने कहा कि श्वेत पत्र तैयार करने के लिए उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के नेतृत्व में आठ मंत्रियों की कमेटी गठित की गई है। इसमें मुकेश अग्निहोत्री, हर्षवर्धन चौहान, राजेश धर्माणी और विक्रमादित्य सिंह सहित आठ मंत्री शामिल हैं। कमेटी भाजपा सरकार के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से जुड़े मामलों की समीक्षा कर रही है। बैठक में कांग्रेस की प्रभारी रजनी पाटिल ने भी विशेष रूप से भाग लिया। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बताया कि विधायक दल की बैठक की शुरुआत पूर्व कांग्रेस विधायक एवं वरिष्ठ नेता नंदलाल को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। सभी विधायकों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें याद किया।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू ने कहा कि नंदलाल का राजनीतिक जीवन स्वच्छ, ईमानदारी और सादगी से भरा रहा। कांग्रेस पार्टी और विधायक दल उनके योगदान को कभी नहीं भुला सकते।



कांग्रेस विधायक दल की बैठक में मौजूद सीएम सुखविंद्र सुक्खू व अन्य।

5000 बीघा जमीन मात्र एक करोड़ लीज पर दी

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के समय कस्टमाइज्ड पैकेज के नाम पर नालागढ़-बद्दी क्षेत्र में करीब 5000 बीघा जमीन 99 साल की लीज पर मात्र एक करोड़ रुपए में दी गई। उन्होंने कहा कि ऐसे कई मामले हैं, जिनका उल्लेख भाजपा की ओर से पूर्व में जारी चार्जशीट और अन्य दस्तावेजों में भी किया गया है।

जल्द तैयार होंगी कमेटी की रिपोर्ट

सीएम सुक्खू ने कहा कि श्वेत पत्र को लेकर विधायक दल की बैठक में विस्तार से चर्चा हुई है। कमेटी जल्द ही अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी और सरकार तथ्यों को जनता के सामने रखेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में हुई कथित गड़बड़ियों को लेकर सरकार जनता की अदालत में अपना पक्ष रखेगी।

लगातार तीसरे महीने बढ़ी थोक महंगाई

सितंबर में 11.39% थी, अक्तूबर में बढ़कर 12.29% हुई

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की थोक महंगाई दर अक्तूबर में बढ़कर 12.29% हो गई। सितंबर में यह 11.39% थी। यानी एक महीने में इसमें 0.90 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी हुई। इसका मतलब है कि पिछले साल अक्तूबर में थोक बाजार में जो सामान 100 रुपए का मिल रहा था, उसकी कीमत इस साल बढ़कर करीब 112.29 रुपए हो गई। थोक महंगाई में यह लगातार तीसरे महीने बढ़ोतरी है। इसकी बड़ी वजह ईंधन और बिजली के दाम बढ़ना है। इनकी महंगाई दर सितंबर में 25.85% थी, जो अक्टूबर में बढ़कर 32.84% हो गई। खाने-पीने की चीजों के दाम में थोड़ी राहत मिली है। इनकी महंगाई दर सितंबर के 8.66% से घटकर अक्टूबर में 8.58% रह गई। वहीं, रोजमर्रा की जरूरत की दूसरी चीजों की महंगाई 8.67% से बढ़कर 9.24% हो गई।

गौर रहे कि अक्तूबर में देश की रिटेल महंगाई दर बढ़कर 6.09% पर पहुंच गई है। सितंबर में यह 5.54% थी। यानी, एक महीने में महंगाई दर में 0.55% की बढ़ोतरी हुई। अक्तूबर में रिटेल महंगाई दर आरबीआई की तय 6% की ऊपरी सीमा भी पार कर गई है। आरबीआई ने देश में महंगाई दर की सीमा 4% से 6% तय की थी।



थोक महंगाई का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से प्रोडक्टिव सेक्टर पर बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए होलसेल प्राइस इंडेक्स को कंट्रोल कर सकती है, जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। डब्ल्यूपीआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

दो तरह की होती है महंगाई

भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है।

सीआरपीएफ पोस्ट पर हमला करने वाले दो आतंकियों का एनकाउंटर

5 दिन पहले कुलगाम में जवानों पर फायर किए थे 30 राउंड

एजेंसी, श्रीनगर

सीआरपीएफ पोस्ट पर तैनात जवानों पर 5 दिन पहले 30 राउंड फायर करने वाले दोनों आतंकियों को सेना ने कुलगाम जिले के लारू मार गिराया। इस हमले में 3 जवान घायल हो गए थे। कश्मीर जोन पुलिस ने एक्स पर बताया कि मरने वाला आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का घाटी में एकमात्र बचा कमांडर लतीफ भट और उसका साथी उमर है। मारा गया आतंकी लतीफ भट इस साल कुलगाम और अनंतनाग में हुए सिलसिलेवार हमलों में शामिल था। इनमें अनंतनाग के लाल चौक में पुलिसकर्मियों की हत्या और कुलगाम में दो प्रवासी मजदूरों की हत्या शामिल है।

सेना के एक अधिकारी के मुताबिक, आतंकियों की जानकारी मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों की जॉइंट टीम ने इलाके में घेराबंदी की थी। तलाशी के दौरान संदिग्ध ठिकाने के पास पहुंचते ही छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। करीब 3 घंटे चली मुड़भेड़ के बाद इन्हें मार गिराया। एनकाउंटर के दौरान सेना ने एसाइट के आसपास के स्कूलों से बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

बता दें कि कुलगाम जिले में बुधवार दोपहर बाइक सवार हमलावरों ने सीआरपीएफ के अखरान कैंप में नाका ड्यूटी पर तैनात जवानों पर फायरिंग कर दी थी। हमले में घायल जवानों की पहचान हेड कॉन्स्टेबल सोमवीर और कॉन्स्टेबल संतानो और राकेश दास के तौर पर हुई है। तीनों सीआरपीएफ की 46वीं बटालियन में तैनात हैं। इसके बाद से सुरक्षाबल हमलावरों की तलाश में बड़ा अभियान जारी है।

रामपुर में गहरी खाई में गिरी कार, तीन की मौत

रामपुर-गौरा-मशनू मार्ग पर पहाड़ा कैंची के समीप सोमवार तड़के हुआ हादसा

अनंत ज्ञान

रामपुर बुशहर। शिमला जिले के रामपुर बुशहर में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। रामपुर-गौरा-मशनू सड़क मार्ग पर पहाड़ा कैंची के समीप तड़के करीब तीन बजे एक ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के समय कार में पांच लोग सवार थे। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटनाग्रस्त कार का नंबर एचपी-92-0132 बताया गया है। हादसे की खबर फैलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और स्थानीय लोग घटनास्थल की ओर मदद के लिए पहुंचने लगे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, अग्निशमन विभाग, राजस्व विभाग और एंबुलेंस की टीमें मौके पर पहुंच गईं।

बचाव दलों ने दुर्गम ढलान और खाई में उतरकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद दुर्घटनाग्रस्त वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान रामानंद पुत्र कालूराम, उम्र करीब 55 वर्ष, ओम प्रकाश पुत्र मानदास, उम्र करीब 40 वर्ष और हरमेंद्र पुत्र स्वर्गीय देवेंद्र, उम्र करीब 37 वर्ष के रूप में हुई है। तीनों रामपुर तहसील के डाकघर खनेरी क्षेत्र के गांव जिगोचा के निवासी बताए गए हैं। इस दुर्घटना ने तीन परिवारों को ऐसा गहरा जख्म दिया है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है।



सीएम ने जताया शोक

धर्मशाला। मुख्यमंत्री सुक्खू ने सड़क हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दुर्घटना में तीन लोगों की मृत्यु पर दुख जताते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाने और घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

हादसे में घायल हुए दो लोगों की पहचान राकेश पुत्र कुंभ, उम्र करीब 40 वर्ष और रविंद्र पुत्र स्वर्गीय देवेंद्र, उम्र करीब 38 वर्ष के रूप में हुई है। दोनों भी गांव जिगोचा, डाकघर खनेरी, तहसील रामपुर के निवासी हैं।

बिलकिस बानो केस के दो दोषियों की उम्रकैद निलंबित

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो गैंगरेप और हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे दो दोषियों को जमानत दे दी है। कोर्ट ने उनकी सजा पर निलंबित करते हुए कहा कि दोनों 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। इनमें से एक दोषी गंभीर रूप से दिव्यांग है। कोर्ट ने दोनों को ट्रायल कोर्ट की ओर से तय शर्तों पर रिहा करने का आदेश दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने दोनों दोषियों बिपिनचंद्र जोशी और प्रदीप मोधिंया की याचिकाओं पर सुनवाई की। दोषियों ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 2017 के फैसले को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने दोनों की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी थी।

परागपुर को उपमंडल बनाने पर सरकार को नोटिस

जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। कांगड़ा जिले के परागपुर को नया नागरिक उपमंडल बनाने के प्रदेश सरकार के फैसले को हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। इस मामले में हाईकोर्ट ने प्रारंभिक सुनवाई के दौरान केंद्र और प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और न्यायाधीश बिपिन चंद्र नेगी की खंडपीठ ने बलदेव राज एवं अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दोनों सरकारों को अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं। याचिका में प्रदेश सरकार के 23 सितंबर, 2026 को जारी उस अधिसूचना को चुनौती दी गई है, जिसके तहत कांगड़ा जिले में परागपुर को नया उपमंडल घोषित किया गया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह फैसला जनगणना नियमों के विपरीत है और निर्धारित अवधि के दौरान प्रशासनिक सीमाओं में बदलाव नहीं किया जा सकता। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है और अगली सुनवाई 21 दिसंबर निर्धारित की है।

याचिकाकर्ताओं ने अदालत में दलील दी कि केंद्र सरकार की ओर से 16 जून, 2025 को जारी अधिसूचना के अनुसार आगामी जनगणना की संदर्भ तिथि 1 मार्च, 2027 निर्धारित की गई है। जनगणना नियमों के तहत संदर्भ तिथि से एक वर्ष पहले प्रशासनिक सीमाओं को स्थिर यानी फ्रीज रखा जाता है और जनगणना की प्रक्रिया पूरी होने तक जिलों, तहसीलों, उपमंडलों और शहरी निकायों की सीमाओं में बदलाव नहीं किया जा सकता। याचिका में जनगणना नियम, 1990 के नियम 8(4) का हवाला देते हुए कहा गया है कि इस अवधि के दौरान पराग्पुर को नया उपमंडल बनाने का निर्णय नियमों के अनुरूप नहीं है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि जब जनगणना के लिए प्रशासनिक सीमाएं स्थिर रखने की व्यवस्था लागू है, तो इस दौरान नया उपमंडल गठित करने की अधिसूचना जारी करना कानूनी प्रावधानों के विपरीत है।



थाईलैंड के फुकेट में इमारत में आग, 11 लोगों की मौत

एजेंसी, बैंकॉक

थाईलैंड के फुकेट द्वीप पर सोमवार तड़के एक इमारत में आग लगने से 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 घायल हुए हैं। इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर मोटरसाइकिल किराए पर देने की दुकान थी और ऊपर की मंजिलों पर लोग रहते थे।

शुरुआती जांच में पता चला है कि आग लगने से कुछ देर पहले पास के बिजली ट्रांसफॉर्मर में धमाका हुआ था। हालांकि, पुलिस आग लगने की असली वजह की जांच कर रही है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, आग सुबह करीब 2 बजे लगी। दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। शुरुआत में किसी विदेशी नागरिक के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है।

तीसरी और पांचवीं मंजिल पर मिले शव



अधिकारियों के मुताबिक, आग लगने के बाद लोग बचने के लिए इमारत की ऊपरी मंजिलों की ओर भागे। एक शव तीसरी मंजिल पर मिला, जबकि 10 शव पांचवीं मंजिल पर पाए गए। घटना वाली इमारत फुकेट के पश्चिमी तट पर मशहूर पातोंग बीच के पास एक कस्बे में है।

हिमाचल में बिजली बोर्ड की संपत्तियों का हिसाब बना बड़ा सवाल

निगेटिव बैलेंस से खुली वित्तीय प्रबंधन की पोल

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड की संपत्तियों से जुड़े खातों में सामने आए भारी निगेटिव बैलेंस ने बोर्ड की वित्तीय व्यवस्था, संपत्ति प्रबंधन और आंतरिक निगरानी प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला केवल कुछ कार्यालयों की ओर से संपत्तियों का रिकॉर्ड जमा नहीं करवाने तक सीमित नहीं है, बल्कि अब यह पड़ताल भी जरूरी हो गई है कि आखिर करोड़ों रुपये की परिसंपत्तियों का लेखा-जोखा रखने वाली व्यवस्था में ऐसी स्थिति कैसे पैदा हुई।

बोर्ड के कई कार्यालयों में संपत्ति संबंधी खातों में भारी निगेटिव बैलेंस सामने आया है। इसके बाद प्रबंधन ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए सभी कार्यालयों को वित्त वर्ष 2025-26 का फिक्स्ड एसेट रजिस्टर तत्काल जमा करवाने के निर्देश दिए हैं। हैरानी की बात यह है कि मुख्य लेखा अधिकारी की ओर से बार-बार याद दिलाने के बावजूद अधिकांश कार्यालयों ने यह रजिस्टर उपलब्ध नहीं करवाया। इस रजिस्टर में संपत्तियों की खरीद, उनकी मूल लागत, वर्तमान स्थिति और मूल्यह्रास का पूरा हिसाब दर्ज होना चाहिए। ऐसे में सवाल यह है कि जब संपत्तियों का अद्यतन रिकॉर्ड ही समय पर मुख्यालय तक नहीं पहुंच रहा तो बोर्ड अपनी परिसंपत्तियों की वास्तविक कीमत और वित्तीय स्थिति का आकलन किस आधार पर कर रहा है।

संपत्ति रजिस्टर जमा न करवाने वाले कार्यालयों पर प्रबंधन सख्त

सूत्रों के अनुसार मामले की गंभीरता इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि बिजली बोर्ड की संपत्तियां केवल कार्यालयी भवनों और जमीन तक सीमित नहीं हैं। इनमें विद्युत ढांचे से जुड़ी विभिन्न परिसंपत्तियां भी शामिल होती हैं, जिनका सही मूल्यांकन वित्तीय लेखांकन और भविष्य की योजनाओं के लिए जरूरी है। प्रबंधन ने अधिकारियों से स्पष्ट किया है कि वर्ष 2025-26 के दौरान हटाई गई पुरानी संपत्तियों, उनके स्थान पर खरीदी गई नई परिसंपत्तियों, मूल खरीद मूल्य, अब तक दर्ज मूल्यह्रास और मौजूदा मूल्य का पूरा विवरण उपलब्ध करवाया जाए। पुरानी संपत्तियों को हटाने का कारण भी बताना होगा। जांच का महत्वपूर्ण पहलू यह होगा कि खातों में निगेटिव बैलेंस किसी लेखांकन संबंधी गलती, रिकॉर्ड के अधूरे मिलान, संपत्तियों के हस्तांतरण, गलत मूल्यांकन या किसी अन्य प्रशासनिक चूक के कारण आया है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी में निगेटिव बैलेंस की वास्तविक राशि, प्रभावित कार्यालयों की संख्या और गड़बड़ी के पीछे का प्रमाणित कारण सार्वजनिक नहीं हुआ है। इसलिए इसे अभी वित्तीय अनियमितता या गबन मानना जल्दबाजी होगी। हालांकि, जवाबदेही तय करने के लिए प्रत्येक कार्यालय के रिकॉर्ड का दस्तावेजों से मिलान और संपत्तियों की वास्तविक स्थिति का सत्यापन बेहद जरूरी होगा। इस पूरे मामले का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि बिजली बोर्ड की वित्तीय स्थिति पहले से ही चुनौतीपूर्ण रही है। केयर रेटिंग्स की 9 अप्रैल 2026 की रिपोर्ट में बोर्ड की कमजोर वित्तीय जोखिम स्थिति, कर्ज के ऊंचे स्तर और सीमित तरलता को प्रमुख चुनौतियों में गिनाया गया था।

सर्दी रविवार रात को कुकुमसेरी में माइनस 4.1 डिग्री तापमान दर्ज, कई शहरों में पारा 4 से 8 डिग्री तक लुढ़का

हिमाचल में इस विंटर सीजन की सबसे ठंडी रात रिकॉर्ड

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में सर्दी ने इस बार नवंबर में ही अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। रविवार की रात प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में इस विंटर सीजन की अब तक की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तापमान शून्य से कई डिग्री नीचे पहुंचने के साथ जनजीवन पर ठंड का असर साफ दिखाई देने लगा है। लाहौल-स्पीति के कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान माइनस 4.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि केलांग में पारा माइनस 3.1 डिग्री तक लुढ़क गया। किन्नौर के कल्पा में न्यूनतम तापमान माइनस 0.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश के औसत न्यूनतम तापमान में भी सामान्य के मुकाबले 5.1 डिग्री की गिरावट दर्ज हुई है। मौसम के इस बदले मिजाज ने ऊंचे पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक ठंड का एहसास बढ़ा दिया है।

हैरानी की बात यह है कि तापमान में गिरावट का असर केवल जनजातीय और ऊंचाई वाले क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा। कुल्लू के बजौरा में रात का पारा 2.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि बीते 24 घंटों में यहां तापमान में 8.2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। मनाली में न्यूनतम तापमान 2.4 डिग्री, सियोबाग में 2.4 डिग्री और कुफरी में 4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। प्रदेश के कई अन्य शहरों में भी न्यूनतम तापमान में चार से आठ डिग्री तक की गिरावट आई है। शिमला में न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री, सोलन में 6 डिग्री, चंबा और सुंदरनगर में 6.1 डिग्री तथा मंडी में 6.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। ठंडी हवाओं और गिरते पारे ने सुबह और शाम के समय लोगों को गर्म कपड़ों का सहारा लेने पर मजबूर कर दिया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार रविवार रात को प्रदेश के कुछ हिस्सों में हुई बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के बाद दिन के अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। किन्नौर के कल्पा में अधिकतम तापमान 8.8 डिग्री लुढ़ककर 5.8 डिग्री सेल्सियस रह गया। लाहौल-स्पीति के ताबो में भी अधिकतम तापमान पांच डिग्री की गिरावट के बाद 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पर्यटन नगरी मनाली में अधिकतम तापमान पांच डिग्री कम होकर 13.6 डिग्री सेल्सियस रहा। इससे पहाड़ी क्षेत्रों में दिन के समय भी ठंड का असर बढ़ गया है।



नवंबर में सामान्य से 70 प्रतिशत कम बारिश

मौसम का एक दूसरा पहलू भी चिंता बढ़ा रहा है। प्रदेश में नवंबर के दौरान बारिश सामान्य से करीब 70 प्रतिशत कम दर्ज की गई है। बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, सिरमौर और ऊना में अब तक बारिश की एक बूंद भी नहीं बरसी है। जिन जिलों में बारिश हुई है, वहां भी सामान्य के मुकाबले भारी कमी दर्ज की गई है। चंबा में सामान्य से 88 प्रतिशत, किन्नौर में 41 प्रतिशत, कुल्लू में 97 प्रतिशत, लाहौल-स्पीति में 22 प्रतिशत, मंडी में 98 प्रतिशत, शिमला में 84 प्रतिशत और सोलन में 89 प्रतिशत कम बारिश हुई है। बारिश और बर्फबारी के अभाव में जहां सूखे जैसे हालात बने हुए हैं, वहीं रात के तापमान में लगातार गिरावट से ठंड का प्रकोप बढ़ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एसएमसी सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

अनंत ज्ञान राकेश डोगरा, डरोह। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भोडा में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) की कार्यकारिणी के सदस्यों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। इसका शुभारंभ प्रधानाचार्य संजीव कुमार धीमान ने किया। एसएमसी अध्यक्ष अश्विनी पटियाल ने कहा कि बच्चों की शिक्षा, अनुशासन और नैतिक विकास में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों ने एसएमसी की भूमिका, ईएलसी, यूडीआईएसई, स्वास्थ्य, मिड-डे मील और विद्यार्थियों के मूल्यांकन से संबंधित जानकारी दी। कार्यक्रम में वीडियो प्रस्तुतियों के माध्यम से भी प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। उपाध्यक्ष दीपिका बाला ने विद्यालय प्रबंधन का आभार जताया।

भारत विकास परिषद की प्रश्नोत्तरी में एनके सनातम धर्म चांद स्कूल घुघर प्रथम



अनंत ज्ञान, अजय पाल, पालमपुर। भारत विकास परिषद पालमपुर की शाखा स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कनिष्ठ और वरिष्ठ दोनों वर्गों में एनके सनातम धर्म चांद पब्लिक स्कूल घुघर ने प्रथम स्थान हासिल किया। वरिष्ठ वर्ग में न्यूगल पब्लिक स्कूल द्वितीय और सेंट पॉल स्कूल तृतीय रहे, जबकि कनिष्ठ वर्ग में रघुनाथ सहाय ग्लोबल स्मार्ट स्कूल चचियां द्वितीय और न्यूगल पब्लिक स्कूल विंद्रावन तृतीय रहे। मुख्य अतिथि अनिल नाग ने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और संस्कार अपनाने तथा नशे से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने परिषद के कार्यों के लिए 51 हजार रुपये देने की घोषणा की। प्रथम स्थान प्राप्त टीमें 22 नवंबर को भवारना में होने वाली प्रांतीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी।

भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन



अनंत ज्ञान, कपिल बासुदेवा, नगरोटा बगवां। भारत विकास परिषद नगरोटा बगवां इकाई की ओर से हिमालयन पब्लिक स्कूल में वार्षिक 'भारत को जानो' प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 12 स्कूलों के विद्यार्थियों ने कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्ग में भाग लिया। कार्यक्रम में श्री कंठ चौधरी ने मुख्य अतिथि तथा सुदर्शन वासुदेवा ने प्रांतीय संगठन सचिव एवं पर्यवेक्षक के रूप में शिरकत की। प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में रेनबो पब्लिक स्कूल नगरोटा बगवां ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि वरिष्ठ वर्ग में होलीफेथ पब्लिक स्कूल पठियार की टीम विजेता रही। कार्यक्रम का संचालन उत्तम वालिया और किशोरी लाल चौधरी ने किया। इस दौरान परिषद के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

कॉलेज शिक्षकों की लंबित मांगों को शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर के समक्ष उठाया

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल राजकीय महाविद्यालय शिक्षक संघ की धर्मशाला इकाई ने अध्यक्ष डॉ. परवेश गिल और महासचिव डॉ. गौरव महाजन के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर और निदेशक उच्चतर शिक्षा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के कॉलेज शिक्षकों की लंबित मांगों, सीएएस और अन्य सेवा संबंधी मामलों को प्रमुखता से उठाया। पदाधिकारियों ने कहा कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए शिक्षकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान जरूरी है।

धर्मशाला में पहले डिप्लोमैटिक क्रिकेट कप पर ऑस्ट्रेलियाई टीम का कब्जा



अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। ब्रिटिश उच्चायोग और हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) के संयुक्त तत्वावधान में 14 और 15 नवंबर को धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में पहले डिप्लोमैटिक क्रिकेट कप का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में ब्रिटिश हाई कमीशन लायंस, ऑस्ट्रेलियन हाई कमीशन टाइगर्स और दिल्ली एक्सपैट्स क्रिकेट क्लब ने भाग लिया। रोमांचक फाइनल में ऑस्ट्रेलियन हाई कमीशन टाइगर्स ने ब्रिटिश हाई कमीशन लायंस को हराकर खिताब जीता। चंडीगढ़ में ब्रिटिश उप-उच्चायुक्त अल्बा स्मेरिग्लियो ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साह बढ़ाया।

निबंध लेखन स्पर्धा में नताशा दूसरे स्थान पर

अनंत ज्ञान, परागपुर। राजकीय उच्च माध्यमिक पाठशाला बढलठोर की जमा एक की छात्रा नताशा कौशल ने ईएलसी निबंध लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान हासिल किया। 13 नवंबर को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैहरन पुखर में आयोजित प्रतियोगिता में देहरा डिवीजन के 27 स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रधानाचार्य दिनेश कुमार सहित समस्त शिक्षक वर्ग ने नताशा को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ढलियारा कॉलेज ने जीता नुक्कड़ नाटक का खिताब

अनंत ज्ञान, परागपुर। राजकीय महाविद्यालय तकीपुर में आयोजित जिला स्तरीय युवा उत्सव-2026 में राजकीय महाविद्यालय ढलियारा के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। नशा मुक्त युवा थीम पर आयोजित उत्सव में कॉलेज की टीम ने नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में ओवरऑल प्रथम स्थान हासिल किया। कविता लेखन में तमन्ना और चित्रकला में रजनी प्रथम रहीं। दोनों छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय युवा उत्सव के लिए हुआ। प्राचार्य प्रो. सुशील कुमार भारद्वाज ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

बीबीएमबी के 15 साल पुराने फैसले को लागू करवाने में सरकार की भूमिका अहम

हिमाचल को मिलेंगे 3000 करोड़ रुपए : सुक्खू

- बोले- प्रदेश की संपदा बचाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति से लड़ी लड़ाई

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की संपदा और अधिकारों की लड़ाई सरकार ने दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ लड़ी है। जहां राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत होती है, वहां संघर्ष में सफलता मिलती है।

प्रदेश की संपदा को बचाने के लिए सरकार ने भरसक प्रयास किए और इसमें सफलता हासिल की है। सोमवार को धर्मशाला पहुंचने पर मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि बीबीएमबी से जुड़े 15 साल पुराने फैसले को लागू करवाने की दिशा में सरकार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने दावा किया कि यदि किशाऊ बांध समझौते के साथ बीबीएमबी से जुड़ी शर्त नहीं रखी जाती, तो यह फैसला अगले 20 साल तक भी नहीं आता। किशाऊ बांध समझौते के दौरान हरियाणा सरकार के समक्ष यह शर्त रखी थी कि जब तक बीबीएमबी के मामले में जरूरी एफिडेविट पर हस्ताक्षर नहीं किए जाएंगे, तब तक समझौता नहीं किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में भारत सरकार के अटॉर्नी जनरल और हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के समक्ष भी अपना पक्ष रखा था। सुक्खू ने कहा कि प्रदेश के हितों से जुड़े इस प्रयास का परिणाम आने वाले समय में हिमाचल को मिलेगा। उनके अनुसार, इससे प्रदेश के खजाने में करीब 3000 करोड़ रुपए आएंगे। इस राशि से अस्पताल, स्कूल और सड़कें विकसित करने में मदद मिलेगी।

कांगड़ा में बड़ी कॉन्फ्रेंस करने की योजना: मुख्यमंत्री ने कहा कि धर्मशाला में आयोजित होने वाला यह सत्र महत्वपूर्ण रहेगा। उन्होंने कहा कि दिसंबर में कांगड़ा में पर्यटन सीजन रहता है, इसलिए सत्र का आयोजन इस तरह रखा गया है, ताकि पर्यटन गतिविधियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि आने वाले समय में कांगड़ा में एक बड़ी कॉन्फ्रेंस आयोजित करने की योजना है। अगले दो से तीन महीनों में कांगड़ा जिले में कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

बीबीएमबी एरियर मामले में जीत पर धर्मशाला में मुख्यमंत्री सुक्खू का किया जोरदार स्वागत



अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का सोमवार को धर्मशाला पहुंचने पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भाग लेने पहुंचे मुख्यमंत्री के स्वागत में केसीसी बैंक चौक पर कार्यकर्ता एकत्रित हुए। बीबीएमबी एरियर मामले में मिली जीत की खुशी में ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया गया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने केसीसी बैंक चौक से उपायुक्त कार्यालय चौक तक विजय रैली निकाली और आतिशबाजी कर मुख्यमंत्री के प्रयासों की सराहना की।

डाडासीबा और परागपुर में एसडीएम कार्यालय खोलने पर सीएम सुक्खू का जताया आभार



अनंत ज्ञान

पिंकी, डाडासीबा। डाडासीबा और परागपुर में एसडीएम कार्यालय खोलने के कैबिनेट के फैसले से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। सोमवार को प्रदेश कांग्रेस महासचिव एवं जसवां-परागपुर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता ठाकुर सुरेंद्र सिंह मनकोटिया के नेतृत्व में क्षेत्र के कांग्रेस पदाधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने धर्मशाला में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से मुलाकात कर उनका आभार जताया। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष, पंचायत प्रधान, बीडीसी अध्यक्ष, सदस्य, व्यापार मंडल के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री को क्षेत्र की जनता की ओर से दोनों स्थानों पर एसडीएम कार्यालय खोलने की सौगात देने के लिए धन्यवाद दिया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि डाडा सीबा और प्रागपुर में एसडीएम कार्यालय खुलने से लोगों को प्रशासनिक कार्यों के लिए दूर-दराज के कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। इससे समय और धन की बचत होगी तथा स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक सुविधाएं मजबूत होंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का धर्मशाला पहुंचने पर स्वागत भी किया गया। क्षेत्रवासियों ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनहित और विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी जसवां-प्रागपुर क्षेत्र को विकास की नई सौगातें मिलती रहेंगी।

चार साल में पालमपुर विकास की पटरी से उतरा, विधायक जनता को दें हिसाब : त्रिलोक

अनंत ज्ञान, अजय पाल, पालमपुर। भाजपा प्रदेश वरिष्ठ प्रवक्ता त्रिलोक कपूर ने पालमपुर के विधायक के बयानों पर पलटवार करते हुए कांग्रेस सरकार पर क्षेत्र की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चार वर्षों में पालमपुर का व्यापारी परेशान है, कृषि विश्वविद्यालय के कर्मचारी और पेंशनर चिंतित हैं, चिट्टे का कारोबार बढ़ रहा है तथा सड़क और यातायात व्यवस्था बदहाल है। उन्होंने विधायक से इन समस्याओं पर जवाब देने की मांग की। कपूर ने कहा कि भाजपा सरकार के समय विंद्रावन में चिट्टा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए विशेष पुलिस चौकी स्थापित की गई थी, जिसे कांग्रेस सरकार ने हटा दिया।

उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय की करीब तीन हजार कनाल भूमि के मामले, स्थायी कुलपति की नियुक्ति में देरी और स्थापना दिवस की परंपरा नहीं निभाए जाने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने नगरी जोन में टीसीपी लागू करने की अधिसूचना को लेकर विधायक पर जनता को दिए गए आश्वासन पूरे नहीं करने का आरोप लगाया। कपूर के अनुसार, क्षेत्रवासी 17 नवंबर को इस मुद्दे पर जन आक्रोश प्रदर्शन करेंगे।

उन्होंने जिया हाइडल प्रोजेक्ट, गोपालपुर चिड़ियाघर और अन्य विकास कार्यों का श्रेय भाजपा को दिया। कपूर ने कंडी पंचायत में जमीन विवाद को लेकर महिला द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की आवश्यकता भी जताई। उन्होंने नगर निगम चुनावों में कथित फर्जी मतदान का मामला न्यायालय में विचाराधीन बताया। उन्होंने कहा कि स्थानीय व्यापारियों को ऑनलाइन डिलीवरी सेवाओं से मिल रही चुनौतियों पर भी सरकार को जवाब देना चाहिए। कपूर ने कहा कि चुनाव हारने के बावजूद वह पालमपुर के 26 हजार मतदाताओं के मुद्दे उठाते रहेंगे और जनता की आवाज बने रहेंगे।

चंबा में स्वास्थ्य और परिवहन व्यवस्था के खिलाफ काले झंडे लेकर निकाला मौन जुलूस

अनंत ज्ञान



ब्यूरो, धर्मशाला। चंबा जिले की स्वास्थ्य और परिवहन व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर सोमवार को चंबा वासियों ने तपोवन विधानसभा परिसर के बाहर से जोरावर स्टेडियम तक काले झंडे लेकर मौन जुलूस निकाला। प्रदर्शनकारियों ने मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की कमी तथा एचआरटीसी के घटते बस रूटों को लेकर सरकार के खिलाफ रोष जताया। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को ज्ञापन भेजकर जिले की समस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग उठाई।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज चंबा में डॉक्टरों की कमी के कारण मरीजों को उपचार के लिए घंटों कतारों में खड़ा रहना पड़ता है। जुलाई में मेडिकल कॉलेज में एक युवक और मासूम बच्ची की मौत के मामलों की जांच के आदेश दिए गए थे, लेकिन अभी तक जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हुई है। उन्होंने सरोल में मेडिकल कॉलेज की केवल तीन ओपीडी शुरू होने पर भी सवाल उठाए। यहां प्रतिदिन करीब 10 से 12 मरीज ही उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने सभी ओपीडी एक ही परिसर में शुरू करने और ट्रामा सेंटर जल्द चालू करने की मांग की।

बस रूट घटने और कर्मचारियों की कमी पर जताई चिंता: प्रदर्शनकारियों के अनुसार, पहले जिले में करीब 202 बस रूट संचालित होते थे, लेकिन अब केवल 115 से 120 रूट ही सुचारू हैं। बसों के रखरखाव के लिए 222 मैकेनिकल कर्मचारियों की आवश्यकता के मुकाबले महज 49 कर्मचारी सेवाएं दे रहे हैं। इससे बसों के संचालन और मरम्मत व्यवस्था पर असर पड़ रहा है। उन्होंने चंबा की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए इलेक्ट्रिक बसों के साथ डीजल बसें उपलब्ध करवाने की मांग भी उठाई।

धर्मशाला में बैनर हटाने पर गरमाई सियासत, मंडल भाजपा ने सरकार को दिया अल्टीमेटम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। एक तरफ तपोवन में विधानसभा सत्र को लेकर राजनीतिक माहौल गर्माया हुआ है, तो दूसरी तरफ धर्मशाला में भाजपा नेताओं के बैनर हटाए जाने को लेकर सियासत तेज हो गई है। भाजपा विधायक सुधीर शर्मा से जुड़े पार्टी नेताओं के बैनर हटाए जाने पर भाजपा युवा नेता एवं धर्मशाला ग्रामीण मंडल के कार्यकारी महामंत्री शुभम ने प्रदेश सरकार को घेरा है। उन्होंने मंगलवार सुबह 10 बजे तक बैनर दोबारा लगाने का अल्टीमेटम देते हुए प्रदर्शन की चेतावनी दी है। धर्मशाला में निजी संपत्तियों पर लगाए गए भाजपा नेताओं के बैनर हटाए जाने का मामला अब राजनीतिक तूल पकड़ने लगा है। भाजपा युवा नेता शुभम ने कहा कि ये बैनर निजी संपत्तियों पर लगाए गए थे, ऐसे में इन्हें हटाना उचित नहीं है। सरकार और संबंधित प्रशासन से बैनर दोबारा लगाने की मांग की है। शुभम भाजपा युवा नेता एवं कार्यकारी महामंत्री, धर्मशाला ग्रामीण मंडल ने कहा कि हमारे भाजपा नेताओं के जो बैनर हटाए गए हैं, वे निजी संपत्तियों पर लगाए गए थे। निजी संपत्ति पर लगे बैनरों को हटाना उचित नहीं है।

- आज सुबह 10 बजे तक बैनर दोबारा नहीं लगाए तो किया जाएगा प्रदर्शन : शुभम

ज्यादा पोस्टर लगाने से फिल्म हिट नहीं होती, कांग्रेस सरकार का भी फ्लॉप होना तय : सुधीर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं विधायक सुधीर शर्मा ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केवल बड़े-बड़े पोस्टर और होर्डिंग लगाने से कोई फिल्म हिट नहीं होती, उसी तरह प्रचार और दिखावे से सरकार जनता का विश्वास नहीं जीत सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार का ध्यान विकास कार्यों के बजाय अपनी छवि चमकाने पर केंद्रित है। सुधीर शर्मा ने कहा कि भाजपा ने अपने समर्थकों की निजी संपत्तियों पर पोस्टर लगाए थे, जिन्हें प्रशासन के माध्यम से हटवा दिया गया। वहीं, कांग्रेस सरकार और उसके नेताओं के पोस्टर व फ्लेक्स जगह-जगह बिना अनुमति लगाए जा रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या नियम केवल विपक्ष के लिए हैं और सत्ताधारी दल पर लागू नहीं होते? उन्होंने फिल्म 'हनुमान अंश' का उदाहरण देते हुए कहा कि किसी फिल्म की सफलता पोस्टरों की संख्या से नहीं, बल्कि उसकी वास्तविक गुणवत्ता से तय होती है। कई फिल्मों के बड़े-बड़े प्रचार के बावजूद वे फ्लॉप हो जाती हैं। सुधीर शर्मा ने व्यंग्य करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार भी पोस्टरों के सहारे अपनी असफलताओं को छिपाने की कोशिश कर रही है, लेकिन जनता वास्तविकता समझती है। उन्होंने सरकार को सलाह दी कि प्रचार पर ध्यान देने के बजाय प्रदेश के विकास और जनसमस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दे। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में जनता कांग्रेस सरकार को उसके कामकाज का जवाब देगी।



उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने कंपनी को ठहराया सेवा में कमी का दोषी

अनंत ज्ञान

- कूरियर के माध्यम से भेजे गए दो पार्सलों से 57 कुर्ते थे गायब
- उपभोक्ता को 54,055 रुपए की क्षतिपूर्ति नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित देने के दिए आदेश

ब्यूरो, धर्मशाला। कूरियर के माध्यम से भेजे गए दो पार्सलों से 57 कुर्ते गायब होने के मामले में जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग कांगड़ा ने कंपनी को सेवा में कमी का दोषी ठहराया है। आयोग ने कंपनी को उपभोक्ता को 54,055 रुपये की क्षतिपूर्ति नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित देने के आदेश दिए हैं। इसके अलावा मानसिक परेशानी और उत्पीड़न के लिए 25 हजार रुपए तथा मुकदमे का खर्च 15 हजार रुपए देने को कहा है। इस तरह कंपनी को कुल 94,055 रुपए के साथ निर्धारित ब्याज चुकाना होगा।



मामले के अनुसार कांगड़ा निवासी प्रशांत भसीन रेडीमेड कपड़ों का कारोबार करते हैं। उन्होंने दो अक्तूबर 2025 को एआर बीटूबी लॉजिस्टिक्स के माध्यम से 20-20 किलोग्राम के दो पार्सल अंबाला और गाजियाबाद भेजे थे। अंबाला भेजे गए पार्सल में 20 कुर्ते और गाजियाबाद भेजे गए पार्सल में 136 कुर्ते थे। दोनों पार्सलों की बुकिंग के समय वजन भी दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार पार्सल पहुंचने पर अंबाला वाले पैकेट से 11 और गाजियाबाद वाले पैकेट से 46 कुर्ते गायब मिले। इनकी कुल कीमत 54,055.64 रुपए थी। शिकायतकर्ता ने ईमेल के माध्यम से कंपनी को शिकायत भेजी, लेकिन संतोषजनक समाधान नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया। आयोग के समक्ष कंपनी अपना पक्ष रखने नहीं पहुंची। वहीं, शिकायतकर्ता की ओर से प्रस्तुत दस्तावेजों और साक्ष्यों का भी कंपनी खंडन नहीं कर सकी। आयोग ने माना कि बुकिंग के समय पार्सलों का वजन दर्ज होने के बावजूद सुपुर्दगी के समय वजन की दोबारा जांच नहीं की गई। रास्ते में सामान की कमी और कंपनी की लापरवाही सेवा में कमी तथा उपभोक्ता के अधिकारों का उल्लंघन है। आयोग के अध्यक्ष हेमांशु मिश्रा तथा सदस्य आरती सूद और नारायण ठाकुर की पीठ ने 13 नवंबर को यह फैसला सुनाया।

जमा दो कक्षा के विद्यार्थियों के पंजीकरण विवरण में संशोधन के लिए 17 नवंबर से खुलेगा पोर्टल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा जमा एक एवं जमा दो के विद्यार्थियों के पंजीकरण विवरण में आवश्यक संशोधन करने हेतु ऑनलाइन पोर्टल 17 नवंबर, 2026 से 25 नवंबर, 2026 तक उपलब्ध रहेगा। डॉ. शर्मा ने बताया कि बोर्ड द्वारा पूर्व में जारी अधिसूचना के क्रम में अब कक्षा जमा एक एवं जमा दो के विद्यार्थियों के पंजीकरण विवरण में संशोधन की सुविधा भी संबंधित विद्यालयों को प्रदान की जा रही है। इसके अंतर्गत विद्यालय विद्यार्थियों के नाम, पिता का नाम, माता का नाम, लिंग, जन्मतिथि, श्रेणी एवं विषयों से संबंधित विवरण में आवश्यक संशोधन कर सकेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि उक्त संशोधन केवल संबंधित विद्यालयों के माध्यम से बोर्ड के ऑनलाइन पोर्टल पर निर्धारित अवधि के दौरान ही किए जा सकेंगे। सभी विद्यालयों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने विद्यार्थियों के पंजीकरण विवरण का सावधानीपूर्वक मिलान करें तथा यदि किसी प्रकार की त्रुटि पाई जाती है तो निर्धारित समयावधि के भीतर आवश्यक संशोधन करना सुनिश्चित करें। संशोधन मैट्रिक परीक्षा के अभिलेख के आधार पर किए जाएंगे। सभी संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं संस्थान प्रमुखों से आग्रह किया कि वे इस कार्य को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समयसीमा का विशेष ध्यान रखें, ताकि विद्यार्थियों के पंजीकरण विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि शेष न रहे। अधिक जानकारी के लिए संबंधित विद्यालय बोर्ड मुख्यालय के दूरभाष नंबर 01892-242139 (मंडी, लाहौल-स्पीति), 242140 (कांगड़ा), 242141 (शिमला, किन्नौर, हमीरपुर), 242142 (चंबा, बिलासपुर, कुल्लू) तथा 242150 (ऊना, सोलन, सिरमौर) पर कार्यालय समय के दौरान संपर्क कर सकते हैं।

धर्मशाला कॉलेज ने 100 वर्षों में दीं कई प्रतिष्ठित विभूतियां : रोहित

शिक्षा मंत्री बोले- राज्य में सबसे अधिक नामांकन दर्शाता है कॉलेज की शैक्षणिक गुणवत्ता

अनंत ज्ञान



ब्यूरो, धर्मशाला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धर्मशाला ने अपनी गौरवशाली शैक्षणिक यात्रा के 100 वर्ष पूर्ण कर शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। यह महाविद्यालय न केवल प्रदेश का एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान है, बल्कि इसने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली अनेक प्रतिभाओं को भी देश और प्रदेश को दिया है।

शिक्षा मंत्री सोमवार को धर्मशाला महाविद्यालय के शताब्दी समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। यह समारोह ओल्ड स्टूडेंट एसोसिएशन धर्मशाला महाविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया। उन्होंने महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास के 100 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजकों, पूर्व विद्यार्थियों, वर्तमान विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा समस्त महाविद्यालय परिवार को बधाई दी। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर शिक्षा, साहित्य, ललित कला, विज्ञान, चिकित्सा, कला, विधानसभा तथा सैन्य सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया। उन्होंने महाविद्यालय की पूर्व छात्राओं एवं अंतरराष्ट्रीय महिला कबड्डी खिलाड़ियों भावना, ज्योति, पुष्पा और निकिता को भी उनकी खेल उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। रोहित ठाकुर ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में सरकारी क्षेत्र में कुल 133 महाविद्यालय संचालित हैं, जिनमें सर्वाधिक विद्यार्थी नामांकन राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला में है। यह इस संस्थान की लोकप्रियता, शैक्षणिक गुणवत्ता और समाज में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। उन्होंने महाविद्यालय में संचालित विभिन्न शैक्षणिक विषयों एवं पाठ्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि समय के साथ संस्थान ने शिक्षा के बदलते स्वरूप के अनुरूप अपनी शैक्षणिक गतिविधियों का विस्तार किया है।समारोह में पालमपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक आशीष बुटेल, पूर्व विधायक तिलक राज शर्मा, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी विजय करण, उच्च शिक्षा निदेशक सुनीता सिंह, प्रारंभिक शिक्षा निदेशक आशीष कोहली, दिव्य हिमाचल के प्रधान संपादक अनिल सोनी सहित ओल्ड स्टूडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव गांधी, महासचिव अश्वनी व अन्य पदाधिकारी, पूर्व विद्यार्थी, शिक्षक च विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पालमपुर की गौरवशाली पहचान, इसे राजनीतिक प्रदूषण से बचाए रखें : प्रवीन

अनंत ज्ञान, अजय पाल, पालमपुर। पालमपुर के पूर्व विधायक प्रवीन कुमार ने कहा कि हिमाचल में शिमला और धर्मशाला के बाद पालमपुर का विशिष्ट स्थान और ऐतिहासिक पहचान है। यह धरती परमवीर चक्र विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा, कैप्टन विक्रम बत्रा, अशोक चक्र विजेता मेजर सुधीर वालिया और कैप्टन सौरभ कालिया जैसे वीर सपूतों की जन्मभूमि रही है। ऐसे में पालमपुर की गरिमा और प्रतिष्ठा बनाए रखना सभी का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विचारधाराओं में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन व्यक्तिगत द्वेष, कटुता और सोशल मीडिया पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल उचित नहीं है। राजनीति में आलोचना तथ्यों, तर्कों और शालीन भाषा के आधार पर होनी चाहिए। किसी के निजी जीवन में अनावश्यक हस्तक्षेप कर उसकी सामाजिक और राजनीतिक छवि खराब करने का प्रयास नहीं होना चाहिए।

प्रवीन कुमार ने वर्ष 2017 के एक पुराने वीडियो को सोशल मीडिया पर चुनिंदा तरीके से प्रसारित करने के कथित प्रयासों की निंदा की। उन्होंने बताया कि इस मामले में साइबर क्राइम से संबंधित शिकायत के अलावा फेसबुक, इंस्टाग्राम और ईमेल के माध्यम से पुलिस थाना पालमपुर में भी शिकायत दर्ज करवाई है। उन्होंने पुलिस से शिकायत पर हुई कार्रवाई की जानकारी भी मांगी है। पूर्व विधायक ने उम्मीद जताई कि पुलिस प्रशासन मामले की गंभीरता से जांच कर तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर उचित कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि पालमपुर की पहचान प्राकृतिक सौंदर्य के साथ उसकी सभ्य सामाजिक और राजनीतिक संस्कृति से भी होनी चाहिए।

विजय मेमोरियल स्कूल के दो विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में बनाई जगह

निबंध लेखन में रिद्धिमा प्रथम, क्विज स्पर्धा के लिए कार्तिक चयनित



अनंत ज्ञान

अशोक ठाकुर, इंदौरा। विजय मेमोरियल स्कूल इंदौरा के दो विद्यार्थियों ने इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब की जोनल स्तरीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत डिग्री कॉलेज इंदौरा में आयोजित प्रतियोगिताओं में छात्रा रिद्धिमा ने निबंध लेखन में प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि छात्र कार्तिक ने प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिला स्तरीय मुकाबले के लिए चयनित होने का गौरव प्राप्त किया।

दोनों विद्यार्थी अब 17 नवंबर को बीएड कॉलेज धर्मशाला में आयोजित होने वाली जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के माध्यम से विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों, मतदान के महत्व और नागरिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इन गतिविधियों से विद्यार्थियों में लेखन कौशल, तार्किक क्षमता और आत्मविश्वास का विकास हो रहा है। विद्यालय के चेयरमैन इंजीनियर सचिन शर्मा और प्रधानाचार्या सोनिया शर्मा ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने क्लब से जुड़े शिक्षकों के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन का परिणाम है।













चलो सदन की ओर...



6 बैठकों में उठेंगे जनहित के मुद्दे, सरकार को भेजे गए विधायकों के सवाल : पठानिया

सदन में पहले दिन पूर्व विधायक स्व. विजय सिंह मनकोटिया व विधायक नंद लाल को दी श्रद्धांजलि

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। धर्मशाला के तपोवन में हिमाचल प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू हो गया है। सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही से पूर्व सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की गईं। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि इस बार छह बैठकों का एजेंडा तैयार किया गया है। विधायकों की ओर से पूछे गए सवाल सरकार को भेज दिए गए हैं और उनके जवाब प्राप्त हो रहे हैं।

सदन की कार्यवाही संपन्न होने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा सत्र जनप्रतिनिधियों को जनता की समस्याएं और महत्वपूर्ण मुद्दे सदन में उठाने का अवसर प्रदान करता है। इस बार छह बैठकों के लिए एजेंडा तैयार किया गया है।



विधायकों से प्राप्त प्रश्नों को सरकार के पास भेजा गया है, ताकि संबंधित विभागों से उनके जवाब मिल सकें।

इस बार विधानसभा सत्र की छह बैठकों को लेकर एजेंडा तैयार किया गया है। विधायकों की ओर से जो भी प्रश्न प्राप्त हुए हैं, उन्हें सरकार को भेज दिया गया है। उनके जवाब भी प्राप्त हो रहे हैं। सदन में जनप्रतिनिधियों को आम जनता से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का अवसर मिलेगा।

वहीं, सदन की कार्यवाही के आरंभ में पूर्व विधायक विजय सिंह मनकोटिया और मौजूदा विधायक नंद लाल के निधन पर शोक प्रस्ताव रखा गया। सदन ने दोनों दिवंगत जनप्रतिनिधियों के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की गईं। पूर्व विधायक विजय सिंह मनकोटिया और मौजूदा विधायक नंद लाल के निधन पर सदन में शोक व्यक्त किया गया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।' तपोवन में शुरू हुए इस शीतकालीन सत्र में छह बैठकों के दौरान प्रदेश के विभिन्न जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी।

सीएम विपक्ष को नसीहत देने के बजाय सवालों के जवाब देने की दिखाएं हिम्मत : रणधीर शर्मा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पहले धर्मशाला में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व सीएम जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में भाजपा विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल और प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन विशेष रूप से मौजूद रहे। भाजपा के सभी विधायकों ने बैठक में भाग लिया। इस दौरान 16 से 21 नवंबर तक चलने वाले शीतकालीन सत्र में विपक्ष की भूमिका और प्रदेश के प्रमुख मुद्दों को सदन में उठाने की रणनीति तैयार की गई।



◆ नेता प्रतिपक्ष जयराम की अध्यक्षता में भाजपा विधायक दल की बैठक आयोजित

बैठक के बाद भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं विधायक रणधीर शर्मा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा शीतकालीन सत्र में कांग्रेस सरकार की नीतियों, भ्रष्टाचार के आरोपों, बिगड़ती कानून व्यवस्था और आर्थिक कुप्रबंधन को लेकर सरकार से जवाब मांगेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकारी संपत्तियों और संसाधनों को लेकर उठ रहे सवालों के चलते 'हिमाचल प्रदेश ऑन सेल' का मुद्दा भी सदन में प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की फिजूलखर्ची और आर्थिक फैसलों का बोझ आम जनता पर पड़ रहा है। भाजपा किसानों, बागवानों, कर्मचारियों और आम नागरिकों से जुड़े मुद्दों को भी सदन में उठाएगी।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के विपक्ष को सदन में सुनने की हिम्मत रखने संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए रणधीर शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विपक्ष को नसीहत देने के बजाय उसके सवालों को सुनने और जवाब देने का साहस दिखाएं। विपक्ष ने जनहित के जिन मुद्दों पर नोटिस दिए हैं, उन्हें चर्चा के लिए स्वीकार किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विपक्ष का उद्देश्य सदन की कार्यवाही बाधित करना नहीं, बल्कि जनता की आवाज उठाना है। भाजपा ने कभी किसी एक मुद्दे पर वॉकआउट के बाद पूरे दिन सदन की कार्यवाही का बहिष्कार नहीं किया। विरोध दर्ज करवाने के बाद भाजपा विधायक सदन में लौटकर कार्यवाही में भाग लेते रहे हैं।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' का किया विमोचन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने सोमवार को कांगड़ा जिले के धर्मशाला में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव' का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पुस्तक में सोनिया गांधी के जीवन के विभिन्न पहलुओं का संवेदनशील एवं सारगर्भित वर्णन है। उनके जीवन के संघर्षों और दृढ़ संकल्प से परिपूर्ण जीवन यात्रा को दर्शाया गया है।



सुक्खू ने कहा कि इस पुस्तक में वर्णित किया गया है कि किस प्रकार सोनिया गांधी ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच स्वयं को ढाला और साहस, धैर्य एवं दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ विभिन्न कठिनाइयों पर जीत हासिल की। उनका जीवन संघर्ष, आत्मबल, मजबूत व्यक्तित्व और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की क्षमता का परिचायक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुस्तक पाठकों को सोनिया गांधी के व्यक्तिगत अनुभवों और उनकी जीवन यात्रा को समझने का अवसर प्रदान करती है। यह कठिन परिस्थितियों का साहस और धैर्य के साथ सामना करने की महत्वपूर्ण सीख भी देती है।

उन्होंने युवाओं से इस पुस्तक को पढ़ने का आग्रह करते हुए कहा कि जीवन के अनुभवों, संघर्षों और उनसे मिलने वाली सीख को समझना व्यक्ति के व्यक्तित्व और जीवन के प्रति दृष्टिकोण को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की हिमाचल प्रदेश कांग्रेस मामलों की प्रभारी रजनी पाटिल, सह-प्रभारी विदित चौधरी एवं चेतन चौहान, मंत्रिमंडल के सदस्य, विधायकगण तथा अन्य गणमान्य थे।

दो दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि देने के बाद दिनभर के लिए स्थगित हुआ सदन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा शीतकालीन सत्र की शुरुआत सोमवार को धर्मशाला के तपोवन स्थित विधानसभा परिसर में पूर्व मंत्री मेजर विजय सिंह मनकोटिया व विधायक नंदलाल को श्रद्धाजंलि देने के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। प्रदेश विधानसभा की परम्पराओं के अनुसार जब किसी नेता की विधायक रहते हुए मृत्यु हो जाती है, तो सदन की कार्यवाही को शोकोद्गार के बाद स्थगित किया जाता है।

सदन के नेता एवं मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शोकोद्गार प्रस्तुत करते हुए जानकारी दी कि 4 बार रामपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक रहे नंदलाल का गत 3 नवंबर को 72 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह पूर्व में मुख्य संसदीय सचिव के पद पर अपनी सेवाएं दी। उन्होंने प्रधानमंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री व पूर्व उपप्रधानमंत्री की सुरक्षा में अपनी



◆ मुख्यमंत्री सुक्खू और जयराम ने जताया शोक

सेवाएं देने के अलावा जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में आईटीबीपी बटालियन की कमान संभाली। केंद्रीय सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति लेने के बाद वह राजनीति में आए। इसी तरह 5 बार विधायक रहे पूर्व मंत्री मेजर विजय सिंह मनकोटिया का 87 वर्ष की आयु में गत 29 सितंबर को निधन हो गया। उन्होंने चीन व पाकिस्तान युद्ध में भाग लेने के अलावा रॉयल भूटान आर्मी में 4 साल तक सेवाएं दी। उन्होंने भारतीय सेना से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद राजनीति में कदम रखा तथा पर्यटन एवं विधि मंत्री के पद पर भी रहे। मुख्यमंत्री ने दोनों नेताओं को अपनी श्रद्धांजलि देने के साथ दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना भी की। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने दोनों नेताओं की सरकारी क्षेत्र व राजनीति में दी गई सेवाओं को सराहा।

कांग्रेस सरकार के जाने का आ गया है वक्त : जयराम ठाकुर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। धर्मशाला के तपोवन में विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन ही विपक्ष ने सुक्खू सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस सरकार के जाने का वक्त आ गया है और यह विधानसभा का आखिरी सत्र होगा। उन्होंने सरकार के चार साल के कार्यकाल को विकास के लिहाज से निराशाजनक बताते हुए चार साल के जश्न पर लाखों रुपये खर्च करने को लेकर भी सवाल उठाए।



जयराम ठाकुर ने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार चार साल का जश्न मनाने की तैयारी कर रही है, जबकि इन चार वर्षों में हिमाचल विकास के मामले में पीछे चला गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में विकास कार्य ठप हैं और आम जनता को कोई राहत नहीं मिल रही। जश्न के नाम पर लाखों रुपये खर्च करने के बजाय सरकार को जनता के मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि विपक्ष विधानसभा के पहले दिन से ही सरकार को जनविरोधी फैसलों पर घेरता आया है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा। भ्रष्टाचार, हिमाचल ऑन सेल, नशे का बढ़ता प्रचलन और प्रदेश में विकास कार्यों की बदहाली जैसे मुद्दे विपक्ष के निशाने पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि मौजूदा विधानसभा से लेकर आगामी विधानसभा चुनाव तक विपक्ष इन मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगता रहेगा। सत्र को पहले बुलाए जाने पर भी उन्होंने आपत्ति जताई।

कांग्रेस सरकार के जाने का वक्त आ गया है। यह विधानसभा का आखिरी सत्र होगा। सरकार चार साल का जश्न मनाने जा रही है, लेकिन इन चार वर्षों में प्रदेश विकास के मामले में बहुत पीछे चला गया है।

हिमाचल सरकार के वर्ष 2025-26 के वित्त और विनियोग लेखे विधानसभा में होंगे पेश

अनंत ज्ञान

◆ राजधानी शिमला से कैग ने भेजे दस्तावेज

◆ वित्तीय वर्ष की प्राप्तियों और खर्चों का पूरा ब्योरा होगा सार्वजनिक

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल सरकार के वित्तीय वर्ष 2025-26 के वित्त लेखे और विनियोग लेखे भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) ने राज्य सरकार को भेज दिए हैं। ये दोनों महत्वपूर्ण वित्तीय दस्तावेज 16 नवंबर को विधानसभा के पटल पर रखे जाने के उद्देश्य से सरकार को प्रेषित किए गए। इनके माध्यम से प्रदेश की वित्तीय स्थिति, सरकारी आय-व्यय और विभिन्न विभागों को आवंटित बजट के इस्तेमाल की विस्तृत तस्वीर सामने आएगी। वित्त लेखे जहां सरकार की आर्थिक गतिविधियों और वित्तीय प्रबंधन का पूरा ब्योरा प्रस्तुत करेंगे, वहीं विनियोग लेखों से बजट आवंटन और वास्तविक खर्च के बीच का अंतर स्पष्ट होगा।

जानकारी के अनुसार भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कर्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्तें अधिनियम, 1971 के प्रावधानों के तहत प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए राज्य सरकार के वित्त लेखे तैयार किए जाते हैं। इन लेखों में संबंधित वर्ष के दौरान सरकार को विभिन्न स्रोतों से प्राप्त राजस्व, अन्य प्राप्तियों और किए गए कुल व्यय का विस्तृत विवरण शामिल रहता है। यह दस्तावेज प्रदेश की आर्थिक स्थिति का आकलन करने के साथ सरकारी धन के प्रबंधन और वित्तीय अनुशासन की स्थिति समझने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे सरकार की आय और खर्च के वास्तविक आंकड़ों का आधिकारिक लेखा-जोखा सामने आता है।

विनियोग लेखों का भी सार्वजनिक वित्तीय जवाबदेही की दृष्टि से विशेष महत्व है। इनमें विधानसभा से पारित प्रत्येक अनुदान और विनियोजन के तहत विभिन्न विभागों एवं योजनाओं के लिए स्वीकृत धनराशि के मुकाबले हुए वास्तविक खर्च का विवरण दर्ज होता है। इसके माध्यम से यह पता चलता है कि किन विभागों में बजट से अधिक व्यय हुआ और कहां आवंटित धनराशि की बचत रही। कैग द्वारा संकलित वित्त लेखे और विनियोग लेखे राज्य सरकार को विधानसभा में प्रस्तुत करने के लिए भेजे जाते हैं।

इन दस्तावेजों के सदन के पटल पर रखे जाने के बाद प्रदेश के वित्तीय प्रबंधन, बजट उपयोग और सरकारी खर्चों की जवाबदेही से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी विधायकों के सामने आएगी।

कार्यवाही आगामी दिनों में सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गरमाएगा माहौल, प्रशासन-पुलिस अलर्ट

शीतकालीन सत्र के आगाज से तपोवन में लौटीं रौनकें



अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। सोमवार को तपोवन में एक बार फिर रौनकें लौट आई हैं। सोमवार से धर्मशाला के तपोवन में हिमाचल प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र का भव्य आगाज हुआ। सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के विधानसभा परिसर पहुंचने पर पुलिस विभाग के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर उनका स्वागत किया।

विधानसभा सत्र के आगाज के साथ ही तपोवन परिसर में राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। पहले दिन जहां मुख्यमंत्री से मिलने और उनका स्वागत करने वालों का सिलसिला जारी रहा, वहीं आने वाले दिनों में सदन के भीतर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच विभिन्न मुद्दों को लेकर तीखी बहस और सियासी गर्माहट देखने को मिलेगी। इसके साथ ही अपनी समस्याएं और मांगें लेकर मुख्यमंत्री व मंत्रियों के समक्ष फरियाद रखने के लिए लोगों के पहुंचने का सिलसिला भी तेज होगा।

सत्र के पहले दिन विधानसभा परिसर में चहल-पहल के साथ वाहनों की आवाजाही भी काफी अधिक रही। इसके चलते परिसर के आसपास कुछ समय के लिए जाम जैसी स्थिति बनती नजर आई। हालांकि शीतकालीन सत्र के चलते तपोवन में सुरक्षा, यातायात और व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन व पुलिस विभाग पूरी तरह मुस्तैद हैं।

राजनीतिक सरगर्मियां रहेंगी खास

सत्र को लेकर तपोवन में इस बार खास राजनीतिक सरगर्मी रहने की उम्मीद है। यह 14वीं विधानसभा का 13वां सत्र है। विपक्ष जहां कानून व्यवस्था, नशे के बढ़ते कारोबार, आर्थिक स्थिति और चुनावी वादों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है, वहीं सत्ता पक्ष भी सरकार के कामकाज और उपलब्धियों को सदन में रखेगा। पहले दिन दिवंगत विधायक नंद लाल और पूर्व मंत्री मेजर विजय सिंह मनकोटिया को श्रद्धांजलि देने के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार तक स्थगित कर दी गई।

सीएम दिल्ली रवाना

हिमाचल प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र का आज पहला दिन था। सदन की शुरुआत में दिवंगत नेताओं के प्रति शोकाद्गार (शोक प्रस्ताव) व्यक्त किया गया. इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही को कल, मंगलवार 17 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। कार्यवाही स्थगित होने के बाद मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी धर्मशाला से दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। दिल्ली में वे सोनिया गांधी की पुस्तक विमोचन (बुक लॉन्चिंग) कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री कल यानी मंगलवार को वापस धर्मशाला लौटेंगे और विधानसभा सत्र की कार्यवाही में हिस्सा लेंगे।

न्यूज ब्रीफ

स्काउट्स एवं गाइड्स ने जरूरतमंद परिवार को बेटी की शादी के लिए भेंट किया राशन



अनंत ज्ञान, संजीव चौहान, टौणी देवी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पौहंज में कार्यरत स्काउट मास्टर सतीश कुमार राणा प्रवक्ता इतिहास ने अपने सहयोगी सदस्यों के साथ निरंतर स्काउटिंग के माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने के लिए प्रयासरत रहते हैं और आज इसी कड़ी में अपने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स इकाई के स्काउट्स एवं गाइड्स और सभी दानी सज्जनों और संस्था के सहयोगी सदस्यों सेवानिवृत्त मुख्य अध्यापक बलबीर राणा, प्रिंसिपल महेश कुमार रतन रांगड़ा, राजेश शर्मा शास्त्री, मनोज चौहान, सौरभ, अश्विनी चौहान, देशराज चौहान ने भटेड़ पंचायत में लड़की की शादी को धाम का राशन दिया। स्काउट मास्टर सतीश कुमार राणा का कहना है कि मानवता के लिए सेवा करने से बढ़कर और कोई भी पुण्य कार्य नहीं है। इस तरह स्काउटिंग के माध्यम से मानव भलाई के लिए निरंतर प्रयास से इस अभियान को जरूरतमंद आदमी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

बोहणी स्कूल में विद्यार्थियों को दी मधुमेह से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बोहणी में विश्व मधुमेह दिवस जागरूकता कार्यक्रम के रूप में मनाया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी हमीरपुर डॉ. सतीश कुमार फोतेदार के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में भाषण और स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिताएं करवाई गईं। भाषण प्रतियोगिता में नंदिनी प्रथम, अनिका द्वितीय और खुशी तृतीय रही। स्लोगन राइटिंग में अवंतिका प्रथम, अनन्या द्वितीय और शालिनी भाटिया तृतीय स्थान पर रहीं। जन शिक्षा एवं संप्रेषण अधिकारी सुनील कुमार रांगड़ा ने विद्यार्थियों को मधुमेह के लक्षणों, कारणों और बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वस्थ दिनचर्या अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राकेश शर्मा सहित स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा।

छनेड़ में खाई में गिरी कार, युवक रेस्क्यू

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। सुजानपुर की चलोह पंचायत के छनेड़ गांव में देर शाम एक कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में कार सवार युवक पहाड़ी के बीच फंस गया। सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय युवक संजीव कुमार की मदद से संयुक्त बचाव अभियान चलाकर घायल को सुरक्षित बाहर निकाला गया और सुजानपुर अस्पताल पहुंचाया गया। अभियान में मनोज कुमार और जोगिंदर ठाकुर भी शामिल रहे।

कानून अधिकारों के प्रति किया जागरूक

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने दोसड़का जेल और सुजानपुर बाल आश्रम में जागरूकता शिविर लगाए। सचिव कुलदीप शर्मा ने कैदियों को मुफ्त कानूनी सहायता, पैरोल और उनके अधिकारों की जानकारी दी। बाल आश्रम में बच्चों को निःशुल्क कानूनी सहायता, सम्मान, गोपनीयता और अपनी बात रखने के अधिकार से अवगत करवाया। उन्होंने हेल्पलाइन नंबर 15100, 1098 और 14456 की जानकारी देकर पात्र लोगों से योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

15 दिन में बिजली जमा करवाएं धनेटा के उपभोक्ता

अनंत ज्ञान, नादौन। विद्युत उपमंडल धनेटा के उपभोक्ताओं को बिजली के बिल जमा करवाने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। सहायक अधिशाषी अभियंता किशोरी लाल ने कहा कि उपमंडल के जिन विद्युत उपभोक्ताओं ने अभी तक अपने बिलों का भुगतान नहीं किया है, वे इनका भुगतान 15 दिन के भीतर उपमंडल कार्यालय के काउंटर पर या ऑनलाइन माध्यम से कर दें। उन्होंने बताया कि इस तिथि तक बिल जमा न करवाने वाले उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन पूर्व सूचना के बगैर ही काट दिए जाएंगे और कनेक्शन को बहाल करवाने के लिए अतिरिक्त शुल्क जमा करवाना होगा।

पेंशनरों की अनदेखी पर संयुक्त संघर्ष समिति ने गांधी चौक पर शुरू किया धरना-प्रदर्शन

17 सूत्री मांगों को लेकर धर्मशाला में 19 को विधानसभा का घेराव करेगी समिति

अनंत ज्ञान



हमीरपुर। हिमाचल पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष समिति जिला हमीरपुर ने लगभग दो लाख पेंशनर की अनदेखी और 17 सूत्री मांगों के प्रति सरकार के नकारात्मक रवैया अपनाए हुए इस रवैये को लेकर सोमवार को जिला हमीरपुर के मुख्यालय गांधी चौक पर धरना-प्रदर्शन किया, जो तीन दिन तक चलेगा।

इसके साथ ही 19 नवंबर को हजारों पेंशनर के साथ धर्मशाला के जोरावर स्टेडियम में प्रदेश अध्यक्ष सुरेश ठाकुर के नेतृत्व में विशाल रैली करके विधान सभा का घेराव किया जाएगा, जहां पूरे हिमाचल प्रदेश के हजारों की संख्या में पेंशनर भाग लेंगे। यहां जिला हमीरपुर के धरना-प्रदर्शन का आयोजन संयुक्त संघर्ष समिति जिला हमीरपुर के अध्यक्ष मनोहर ठाकुर की अध्यक्षता में किया गया और सभी ने एक स्वर से सरकार की पेंशनर के प्रति नकारात्मक सोच, झूठ की राजनीति और वादा खिलाफी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। समिति ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को चेताया कि अगर मार्च से पहले पहले पेंशनर की 17 मांगों के बारे सुरेश ठाकुर के नेतृत्व वाले 18 संगठनों के विशाल समूह को अनदेखा किया तो आने वाले चुनाव में वर्तमान सरकार का क्या हश्र होगा, जिसका खामियाजा पूरे प्रदेश की कांग्रेस पार्टी को भुगतना पड़ेगा। इतिहास गवाह रहा है जिस भी सरकार ने कर्मचारियों और पेंशनर को परेशान किया है, उनको मुंह की खानी पड़ी है। इस धरना-प्रदर्शन में पृथ्वी राज शर्मा कृषि विभाग, पुरषोत्तम ठाकुर शिक्षा विभाग, डॉक्टर तिलक राज शर्मा, शिक्षा विभाग, यशवीर सिंह जमवाल शिक्षा विभाग, मनोहर ठाकुर शिक्षा विभाग, रमेश रनौत शिक्षा विभाग, देश राज शर्मा शिक्षा विभाग, राजेंद्र कुमार शिक्षा विभाग, कुलदीप सिंह वर्मा शिक्षा विभाग, राजिंदर वनियाल शिक्षा विभाग, विजय ठाकुर स्वास्थ्य विभाग, मंजीत सिंह ठाकुर जल शक्ति विभाग, अजमेर ठाकुर, शिव कुमार, नंद लाल आदि ने भाग लिया।

वर्तमान सरकार के कार्यकाल में विकास कार्य ठप : कमलेश कुमारी

अनंत ज्ञान

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। भोरंज विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री महिला मोर्चा कमलेश कुमारी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्माणाधीन सड़कों के कार्यों में देरी को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार के उदासीन रवैये के कारण क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण सड़कें आज भी अधूरी पड़ी हैं, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कमलेश ने कहा कि पट्टा से अवाह देवी, बढार चौक से झनिकर, केहरवीं से सुलगवान, टिक्कर भरयाइयां से मनोह तथा बस्सी से ततहार सड़कों का निर्माण अपेक्षित सहयोग न मिलने के कारण पूरा नहीं हो पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार राजनीतिक द्वेष के चलते इन विकास कार्यों में जानबूझकर देरी कर रही है, ताकि इनका श्रेय भाजपा को न मिल सके। उन्होंने कहा कि उनके विधायक कार्यकाल के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वर्तमान सांसद अनुराग सिंह ठाकुर के विशेष सहयोग से केंद्र सरकार से भोरंज क्षेत्र की सड़कों के लिए करोड़ों रुपये स्वीकृत करवाए गए थे। इनमें भरेड़ी से सुलगवान, कांगू गलू से अमरोहा, बस्सी से अवाह देवी वाया बधानी, डेरा परोल से अवाह देवी वाया बगवाड़ा, ढो से टिक्कर खतरीयां, धरियाड़ा से पंजोत और बस्सी से मनोह सहित कई सड़कें शामिल थीं। इन सड़कों का निर्माण वर्ष 2022 तक पूरा करवाया गया, जिससे हजारों लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिली। उन्होंने पीएम मोदी और सांसद अनुराग का क्षेत्र में सड़क सुविधाओं के विस्तार के लिए धनराशि उपलब्ध करवाने पर आभार जताया। कमलेश कुमारी ने प्रदेश सरकार से मांग की कि राजनीतिक भेदभाव छोड़कर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत अधूरी सड़कों का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा करवाया जाए, ताकि स्थानीय जनता को बेहतर सड़क सुविधा मिल सके।

हिंद संग्राम परिषद इकाई ने किडनी रोग से ग्रस्त रविंद्र को दी 5 हजार की आर्थिक सहायता



अनंत ज्ञान

बड़सर। हिंद संग्राम परिषद धंगोटा इकाई की मासिक बैठक इकाई अध्यक्ष सुरजीत सिंह भैंस की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न सामाजिक एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान संस्था के पदाधिकारियों ने खन गांव निवासी किडनी की बीमारी से ग्रस्त रविंद्र कुमार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उनकी सहायता करने का निर्णय लिया। बैठक में सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से रविंद्र कुमार पुत्र कश्मीर सिंह, निवासी गांव खन को उपचार के लिए 5,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने पर सहमति जताई। इसके बाद संस्था की ओर से उन्हें 5 हजार रुपए की नकद राशि भेंट की गई। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की सहायता करना संस्था का प्रमुख उद्देश्य है। इस तरह के सामाजिक कार्यों में संस्था भविष्य में भी अपनी भागीदारी निभाती रहेगी। इस अवसर पर अमर सिंह, ब्रह्म दास, केवल कृष्ण, कैप्टन स्वर्ण सिंह, आशा रानी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

धौलासिद्ध हाइड्रो प्रोजेक्ट में श्रमिकों ने किया प्रदर्शन

◆ चार श्रम संहिताएं रद्द करो, निर्माण श्रमिकों का हक बहाल करो : सीटू

अनंत ज्ञान



नादौन। राष्ट्रीय मांग दिवस के आह्वान पर हमीरपुर के धौलासिद्ध हाइड्रो प्रोजेक्ट में निर्माण श्रमिकों ने जोरदार प्रदर्शन किया। सीटू के आह्वान पर सैकड़ों श्रमिकों ने प्रोजेक्ट स्थल पर एकत्रित होकर केंद्र सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन को सीटू के राष्ट्रीय सचिव डॉ. कश्मीर सिंह ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने चारों श्रम संहिताओं को लागू करके श्रमिकों से उनके दशकों पुराने अधिकार छीन लिए हैं।

भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक अधिनियम और अंतरराज्यीय प्रवासी कामगार अधिनियम, 1979 को खत्म करना निर्माण श्रमिकों के साथ सीधा धोखा है। उन्होंने कहा कि कल्याण निधि बोर्ड के पैसे को अन्य कामों में लगाना बंद किया जाए और बोर्ड का निजीकरण रोका जाए। इस अवसर पर सीटू के जिला सचिव जोगिंदर कुमार ने कहा कि हिमाचल के निर्माणाधीन सड़कों, भवनों और प्रोजेक्टों में काम करने वाले श्रमिकों को न तो न्यूनतम वेतन मिल रहा है और न ही सुरक्षा सुविधाएं। ग्रामीण क्षेत्रों में महिला श्रमिकों को समान काम के लिए समान वेतन नहीं दिया जा रहा, जो सरासर अन्याय है। उन्होंने मांग की कि सभी पात्र निर्माण श्रमिकों को कल्याण निधि बोर्ड की पेंशन तुरंत सुनिश्चित की जाए। सीटू के जिला अध्यक्ष संतोष कुमार ने कहा कि आज का प्रदर्शन सिर्फ शुरुआत है। अगर सरकार ने मांगें नहीं मानी तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने सभी श्रमिकों से एकजुट रहने का आह्वान किया।

प्रमुख मांगें

चारों श्रम संहिताओं (लेबर कोड) को तुरंत रद्द किया जाए, भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक अधिनियम अंतरराज्यीय प्रवासी कामगार अधिनियम, 1979 को पुनः बहाल किया जाए। राज्य कल्याण निधि बोर्डों में सभी केंद्रीय ट्रेड यूनियनों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए तथा बोर्डों का सुचारु संचालन किया जाए। कल्याण निधि बोर्ड की योजनाओं के निजीकरण तथा कल्याण निधि के पैसों को अन्य उद्देश्यों के लिए हस्तांतरित करने पर रोक लगाई जाए। सभी पात्र निर्माण श्रमिकों को कल्याण निधि बोर्ड की पेंशन सुनिश्चित की जाए। श्रमिकों के लिए न्यूनतम 42,000 रुपए वेतन, स्वरोजगार करने वालों के लिए न्यूनतम आय तथा सूचकांक के अनुसार वृद्धि के साथ 21,000 रुपए सार्वभौमिक पेंशन सुनिश्चित की जाए। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में निर्माण श्रमिक, प्रवासी कामगार शामिल रहे।

धनेटा महाविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 27 से

हिमाचल में प्राकृतिक आपदाओं, जलवायु परिवर्तन व नशे की समस्या पर होगा मंथन

अनंत ज्ञान

◆ 20 तक शोध सारांश भेज सकेंगे प्रतिभागी

◆ देश-विदेश के विशेषज्ञ साझा करेंगे नवोन्मेषी समाधान

धनेटा। राजकीय महाविद्यालय धनेटा में 27 और 28 नवंबर को प्राकृतिक आपदाओं, जलवायु परिवर्तन और नशाखोरी जैसी गंभीर चुनौतियों पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय के अर्थशास्त्र विभाग के अकादमिक सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन का विषय 'प्राकृतिक आपदाएं, जलवायु परिवर्तन एवं नशाखोरी : चुनौतियां एवं नवोन्मेषी समाधान' रखा गया है।

सम्मेलन में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के शिक्षाविद, वैज्ञानिक, शोधकर्ता, नीति-निर्माता और विद्यार्थी भाग लेकर इन समस्याओं के समाधान पर विचार-विमर्श करेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य बहुविषयक अनुसंधान, वैज्ञानिक नवाचार और व्यावहारिक रणनीतियों को प्रोत्साहित करना है। सम्मेलन के दौरान बाढ़, भूस्खलन, भूकंप, बादल फटना, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, पर्यावरण संरक्षण, हिमालयी पारिस्थितिकी, जल संसाधन प्रबंधन और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। इसके साथ ही युवाओं में बढ़ती नशाखोरी, इसके सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक दुष्प्रभाव, रोकथाम, जागरूकता और पुनर्वास के पहलुओं पर भी विशेषज्ञ अपने विचार रखेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ज्ञान चंद राणा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश जैसे पर्वतीय राज्य में प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के साथ युवाओं में नशाखोरी की समस्या गंभीर चिंता का विषय है। इन चुनौतियों का समाधान वैज्ञानिक अनुसंधान, विशेषज्ञों के आपसी सहयोग और समाज की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। उन्होंने शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों से सम्मेलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। सम्मेलन में शोध सारांश जमा करवाने की अंतिम तिथि 20 नवंबर, 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक प्रतिभागी अपने मौलिक शोध कार्यों और नवोन्मेषी विचारों के सारांश निर्धारित तिथि तक भेज सकते हैं। डॉ. ज्ञान चंद राणा सम्मेलन के संरक्षक, प्रो. संजीत सिंह ठाकुर, कैंपस निदेशक देहरा, सम्मेलन संयोजक तथा जितेंद्र कुमार, सहायक आचार्य अंग्रेजी विभाग, आयोजन सचिव हैं। सम्मेलन में प्रतिभागियों को शोध प्रस्तुत करने और भविष्य में संयुक्त अनुसंधान एवं अकादमिक सहयोग की संभावनाएं विकसित करने का अवसर मिलेगा।

प्रशासन को महत्वपूर्ण फीडबैक प्रदान करता है मीडिया : डीसी गंधर्वा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के उपलक्ष्य पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने सोमवार को उपायुक्त कार्यालय परिसर स्थित पत्रकार कक्ष में संगोष्ठी आयोजित की। उपायुक्त गंधर्वा राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक बलवीर सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। संगोष्ठी में भारतीय प्रेस परिषद की ओर से इस वर्ष निर्धारित विषय 'पत्रकारिता : सनसनी या जिम्मेदारी' पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर उपायुक्त गंधर्वा राठौड़ ने सभी मीडियाकर्मियों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और शासन तथा प्रशासन की व्यवस्था में इसकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। मीडिया सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के साथ प्रशासन को जरूरी फीडबैक देने और जनजागरूकता बढ़ाने में भी अहम योगदान देता है। उन्होंने कहा कि संवेदनशील खबरों को सनसनीखेज बनाने के बजाय तथ्यों और आधिकारिक पुष्टि के आधार पर प्रकाशित एवं प्रसारित किया जाना चाहिए। इससे मीडिया की विश्वसनीयता बनी रहती है। पुलिस अधीक्षक बलवीर सिंह ने कहा कि तकनीक और सोशल मीडिया के विस्तार से पत्रकारिता की कार्यशैली में बड़ा बदलाव आया है। ऐसे में पत्रकारों की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। संवेदनशील मामलों की रिपोर्टिंग करते समय आवश्यक सावधानी बरतने के साथ पुलिस जांच और निर्धारित प्रोटोकॉल का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने जनजागरूकता से जुड़ी खबरों को भी प्राथमिकता देने की अपील की। संगोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकारों ने भी अपने विचार रखे और हमीरपुर में प्रेस क्लब भवन के लिए भूमि उपलब्ध करवाने पर प्रदेश सरकार तथा जिला प्रशासन का आभार जताया। जिला लोक संपर्क अधिकारी ने अतिथियों और पत्रकारों का स्वागत किया तथा राष्ट्रीय प्रेस दिवस के इतिहास की जानकारी दी।

डाइट हमीरपुर स्थित गौना करौर में रोबोटिक्स और ड्रोन लैब कार्यशाला शुरू

शिक्षकों ने सीखे रोबोट, सेंसर और ड्रोन तकनीक के गुर

◆ नादौन व भोरंज ब्लॉक के 52 शिक्षक ले रहे भाग

अनंत ज्ञान



सोनल, नादौन। जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) हमीरपुर में 16 और 17 नवंबर को रोबोटिक्स एवं ड्रोन प्रयोगशालाओं के सुचारू संचालन को लेकर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इसमें नादौन और भोरंज शिक्षा खंडों के 27 सरकारी स्कूलों के कुल 52 शिक्षक भाग ले रहे हैं। प्रत्येक स्कूल से दो शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए चुना गया है, जिनमें एक रोबोटिक्स प्रयोगशाला प्रभारी और दूसरा विज्ञान शिक्षक शामिल है।

कार्यशाला का शुभारंभ डाइट के प्रधानाचार्य अनिल कौशल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकी युग में विद्यार्थियों को रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ड्रोन तकनीक से जोड़ना समय की आवश्यकता है। शिक्षकों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए इस तरह के प्रशिक्षण महत्वपूर्ण हैं। इससे वे स्कूलों में विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार की क्षमता विकसित कर सकेंगे। जिला नोडल अधिकारी अनिल धीमान ने कहा कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य स्कूलों में स्थापित रोबोटिक्स प्रयोगशालाओं का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करना है। जब शिक्षक स्वयं आधुनिक तकनीकों को बारीकी से समझेंगे, तभी वे विद्यार्थियों को बेहतर मार्गदर्शन दे पाएंगे। इससे सरकारी स्कूलों के बच्चों को नई तकनीकों का पूरा लाभ मिलेगा। कार्यशाला में स्कूलनेट इंडिया के संसाधन व्यक्ति अभिषेक और निशांत शिक्षकों को रोबोटिक्स एवं ड्रोन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रयोगशाला के नियमों, सुरक्षा मानकों और उपकरणों के उपयोग की जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा प्रोग्राम योग्य रोबोटिक्स किट, हार्डवेयर, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक्स के बुनियादी सिद्धांतों पर भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिक्षकों को इंटरनेट आधारित तकनीक, त्रिआयामी मुद्रण और ड्रोन के उपयोग से भी अवगत करवाया जा रहा है। साथ ही पांच चरणों वाली शिक्षण पद्धति के अनुसार पाठ योजना तैयार करने, विद्यार्थियों के मूल्यांकन और प्रभावी शिक्षण तरीकों की जानकारी दी जा रही है। हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से जुड़ी समस्याओं की पहचान तथा उनके समाधान का व्यावहारिक अभ्यास भी करवाया जा रहा है।

अनुराग ने हिमाचल में रेल सुविधाओं के विस्तार के लिए रेल मंत्री से की मुलाकात

अनंत ज्ञान

◆ वंदे भारत का कोटा बढ़ाने सहित नई ट्रेनों की रखी मांग



हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री एवं हमीरपुर के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर हिमाचल प्रदेश में रेल कनेक्टिविटी, यात्री सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए विस्तृत प्रस्ताव सौंपे।

मुख्य रूप से ऊना-अंब अंदौरा रेल कॉरिडोर पर केंद्रित इन प्रस्तावों में नई रेल सेवाओं, मौजूदा ट्रेनों के विस्तार और रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण की मांग उठाई गई। अनुराग ने अंब अंदौरा-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस में अंब अंदौरा स्टेशन का सीट कोटा पर्याप्त रूप से बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि सीमित कोटे के कारण स्थानीय यात्रियों को कन्फर्म टिकट नहीं मिल पाते, जबकि अंब अंदौरा-चंडीगढ़ सेक्शन में दोनों दिशाओं में कई बार सीटें खाली रहती हैं। कोटा बढ़ने से यात्रियों को सुविधा मिलेगी और रेलवे की आय में भी वृद्धि होगी। इससे माता चिंतपूर्णी आने वाले श्रद्धालुओं तथा कांगड़ा घाटी के पर्यटकों को भी लाभ होगा। उन्होंने अंब अंदौरा से मुंबई के लिए मुंबादेवी-चिंतपूर्णी सुपरफास्ट एक्सप्रेस सहित दो नई समर्पित एक्सप्रेस रेल सेवाएं शुरू करने का प्रस्ताव रखा। साथ ही अंब अंदौरा-हरिद्वार मेमू और ऊना हिमाचल-हरिद्वार लिंक जनशताब्दी की समय-सारणी में बदलाव कर इन्हें एक सुविधाजनक रात्रिकालीन सेवा के रूप में संचालित करने की मांग की, ताकि ट्रेन सुबह चार बजे तक हरिद्वार पहुंच सके और श्रद्धालु प्रातःकालीन धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल हो सकें। सांसद ने चंडीगढ़ में समाप्त होने वाली आठ प्रमुख ट्रेनों को ऊना हिमाचल में ठहराव देते हुए अंब अंदौरा अथवा दौलतपुर चौक तक विस्तारित करने का सुझाव भी दिया। इसके अतिरिक्त ऊना हिमाचल रेलवे स्टेशन के अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास के लिए बजट बढ़ाने की मांग की, ताकि पार्किंग, स्टेशन के अग्रभाग और फुट ओवरब्रिज की लिफ्ट जैसी सुविधाओं का समुचित विकास हो सके। उन्होंने बढ़ती यात्री संख्या को देखते हुए अंब अंदौरा स्टेशन पर तत्काल राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) थाना स्थापित करने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार के साथ समन्वय करने का आग्रह भी किया।

बिझड़ी में चोरी की घटना के 12 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली

चोरों ने 35-40 लाख रुपए के जेवरात समेत घरेलू सामान किया था चोरी

अनंत ज्ञान

◆ सीसीटीवी फुटेज खंगालकर पुलिस को सौंपा वाहनों का रिकॉर्ड

◆ पीड़ित सुरजीत सिंह राणा ने जांच में देरी पर पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

एसके ठाकुर, बड़सर। बिझड़ी में लाखों रुपए की चोरी की वारदात को 12 दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लगा है। चोरी का शिकार हुए सुरजीत सिंह राणा ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इतनी बड़ी वारदात के बावजूद न तो चोरों का पता चला है और न ही किसी संदिग्ध से पूछताछ की गई है। पीड़ित ने 4 और 5 नवंबर की रात बाजार से गुजरने वाले वाहनों का समयवार रिकॉर्ड भी पुलिस को सौंपा है, लेकिन जांच की प्रगति को लेकर परिवार चिंतित है।

राणा ने बताया कि शुरुआती जानकारी के अनुसार करीब 35 से 40 लाख रुपए के जेवरात चोरी हुए थे, लेकिन घर की पूरी जांच करने पर पता चला कि चोर काफी घरेलू सामान भी ले गए हैं। इसमें कंबल, पीतल की बल्टोही, बड़ा पतीला, कड़ाही, मालिश मशीन, मोबाइल चार्जर, जैकेट, जूते, स्वेटर, कोट-पैंट, गर्म सूट, महिलाओं की शॉल, बेडशीट और शादी-विवाह में देने-लेने के लिए रखे कई जेंट्स सूट शामिल हैं। इसके अलावा चार से पांच हजार रुपये के शगुन के पैसे, पर्दे, सोफा कवर, पिलो कवर और प्रेस भी चोरी हुई है।

पुलिस को दिया वाहनों का समयवार विवरण: सुरजीत सिंह राणा के अनुसार उन्होंने सीसीटीवी फुटेज देखकर रातभर बाजार से गुजरने वाले वाहनों का समयवार रिकॉर्ड तैयार किया है। इसमें सफेद कारों, काली कार, सफेद टैक्सी, टेंपो और बिना लाइट चल रही बाइक का विवरण शामिल है। इस रिकॉर्ड में वाहन नंबर दर्ज नहीं हैं। उन्होंने घर के स्टोर रूम में मिली गैंती भी पुलिस को सौंपी है। उनका आरोप है कि इन साक्ष्यों के बावजूद जांच में तेजी नहीं आई है। राणा ने कहा कि बिझड़ी में पहले भी चोरी की कई घटनाएं हो चुकी हैं। उन्होंने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज की जांच, संदिग्धों से पूछताछ और गैंती की फोरेंसिक जांच करवाकर चोरी का सामान बरामद करने की मांग की है।

एसपी बोले- जल्द सलाखों के पीछे होंगे शातिर : एसपी हमीरपुर बलवीर सिंह ठाकुर ने कहा कि पुलिस को मिले इनपुट के आधार पर हमीरपुर पुलिस अपने स्तर पर छानबीन कर रही है। जल्द ही शातिर सलाखों के पीछे होंगे।

भोरंज में भाजपा टिकट को लेकर छिड़ी जुबानी जंग

टिकट वितरण का अधिकार केवल भाजपा हाईकमान को : राकेश ठाकुर

अनंत ज्ञान



विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर। भाजपा के जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने समाजसेवी प्रकाश चंद शर्मा के हालिया प्रेस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसी भी चुनाव में प्रत्याशी का चयन करना संबंधित राजनीतिक दल और उसके हाईकमान का विशेषाधिकार होता है। भाजपा में टिकट का फैसला प्रत्याशी की जीतने की क्षमता, राजनीतिक सक्रियता और संगठनात्मक रिकॉर्ड के आधार पर किया जाता है।

भोरंज विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 2027 के चुनाव में पवन कुमार को भाजपा प्रत्याशी बनाने की प्रकाश चंद शर्मा की सिफारिश पर उन्होंने कहा कि वह शर्मा के सामाजिक कद और समाजसेवी व्यक्तित्व का सम्मान करते हैं। हालांकि, पवन कुमार का चुनावी इतिहास पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा को लेकर सवाल खड़े करता है। राकेश ठाकुर ने कहा कि पवन कुमार ने वर्ष 2012, 2017 और 2022 में भोरंज विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था। वर्ष 2012 में उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय ईश्वर दास धीमान के खिलाफ चुनाव लड़ा था। इसके अलावा जिला परिषद के चुनावों में भी उनके पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के विरुद्ध मैदान में उतरने के उदाहरण रहे हैं। उन्होंने कहा कि पवन कुमार का भोरंज क्षेत्र में अपना जनाधार और मतदाता समर्थन हो सकता है, लेकिन किसी भी व्यक्ति की संगठन के प्रति निष्ठा और चुनावी आचरण भी महत्वपूर्ण होता है। केवल व्यक्तिगत जनाधार को पार्टी के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। राकेश ठाकुर ने स्पष्ट किया कि प्रदेश की किसी भी विधानसभा सीट पर प्रत्याशी घोषित करने का अधिकार भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के पास है। उन्होंने प्रकाश चंद शर्मा के विचारों का सम्मान करते हुए कहा कि पार्टी के टिकट और संगठनात्मक मामलों पर सार्वजनिक बयान देने से पहले संगठन से विचार-विमर्श करना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

बुकमार्क निर्माण प्रतियोगिता आयोजित

अनंत ज्ञान, मंडी/कोटली। राजकीय महाविद्यालय कोटली में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के उपलक्ष्य में एनडीएलआई क्लब के तत्वावधान में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए बुकमार्क निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय मेरे जीवन को बदल देने वाला उद्धरण में विद्यार्थियों ने अपनी पसंदीदा पुस्तकों, उपन्यासों एवं कविताओं से प्रेरणादायक पंक्तियों का चयन कर उन्हें आकर्षक हस्तलिखित सुलेख एवं कलात्मक चित्रों के माध्यम से बुकमार्क पर प्रस्तुत किया। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन-पाठन के प्रति रुचि विकसित करना, पुस्तकों के प्रति लगाव बढ़ाना तथा उनकी रचनात्मक एवं कलात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी रचनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया।



जरूरतमंद बच्चों को मिलेगा मुफ्त आश्रय-शिक्षा

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। उपमंडल सरकाघाट की ग्राम पंचायत भरनाल में दीन बन्धु सेवा मंडल द्वारा संचालित बाल गृह में जरूरतमंद बच्चों को प्रवेश दिया जाएगा। संस्थान के महासचिव के अनुसार अनाथ, अर्ध-अनाथ, परित्यक्त, निराश्रित और पारिवारिक संकट से जूझ रहे बच्चे इसके पात्र हो सकते हैं। किशोर न्याय अधिनियम के तहत पंजीकृत इस संस्थान में पात्र बच्चों को 18 वर्ष तक निःशुल्क आवास, भोजन, कपड़े, शिक्षा, स्वास्थ्य जांच और चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी। इसके अलावा उच्च शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास के अवसर भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। संस्थान ने पंचायत प्रतिनिधियों और आम लोगों से जरूरतमंद बच्चों की पहचान कर बाल कल्याण समिति या बाल गृह तक जानकारी पहुंचाने की अपील की है। प्रवेश निर्धारित प्रक्रिया के तहत होगा।

200 पदों के लिए साक्षात्कार 19 से 21 तक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। जिला रोजगार अधिकारी अरविंद सिंह चौहान ने बताया कि टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस लिमिटेड, नालागढ़ की ओर से फ्लोर स्टाफ (स्पेयर पार्ट्स हैंडलिंग) के 200 नियमित पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं या 12वीं पास रखी गई है। 18 से 40 वर्ष आयु के पुरुष अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। चयनित युवाओं को 14,300 रुपये मासिक वेतन के साथ पीएफ, ईएसआई, अतिरिक्त कार्य का पारिश्रमिक, दो समय का मुफ्त भोजन, चाय और बस सुविधा मिलेगी। साक्षात्कार 19 नवंबर को पधर, 20 नवंबर को मंडी और 21 नवंबर को गोहर में सुबह 10:30 बजे होंगे। अभ्यर्थियों का रोजगार कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है।

पत्रकारिता की चुनौतियों पर हुआ मंथन



अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के उपलक्ष्य पर सोमवार को एसडीएम कार्यालय सुंदरनगर में अमर नेगी की अध्यक्षता में उपमंडल स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न मीडिया संस्थानों के पत्रकारों ने भाग लिया। इस वर्ष की थीम 'पत्रकारिता : सनसनी या जिम्मेदारी' पर पत्रकारों ने विचार साझा किए। एसडीएम अमर नेगी ने कहा कि पत्रकारिता केवल पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। समाचारों की प्रतिस्पर्धा के बावजूद तथ्यों की पुष्टि और निष्पक्षता बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ और प्रशासन व समाज के बीच संवाद का सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर प्रेस क्लब सुंदरनगर के प्रधान बलविंदर सोढ़ी सहित पत्रकार मौजूद रहे।

तथ्यात्मक और निष्पक्ष पत्रकारिता समय की सबसे बड़ी जरूरत : डीसी

तेज खबर देने की होड़ में पत्रकारिता की विश्वसनीयता से न करें समझौता

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर मंडी के डीआरडीए सभागार में 'पत्रकारिता : सनसनी या जिम्मेदारी' विषय पर जिला स्तरीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता उपायुक्त अपूर्व देवगन ने की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारिता में निष्पक्षता, विश्वसनीयता और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला।

उपायुक्त ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होने के साथ जनता और शासन-प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण सेतु है। दोनों के बीच आपसी विश्वास और बेहतर सामंजस्य से जनहित के कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि



◆ राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर मंडी में पत्रकारिता की चुनौतियों पर हुआ मंथन

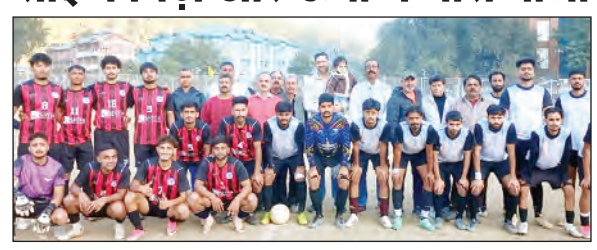
भारतीय प्रेस परिषद की ओर से निर्धारित इस वर्ष का विषय वर्तमान डिजिटल दौर में बेहद प्रासंगिक है। तेजी से सूचनाएं प्रसारित करने की प्रतिस्पर्धा में पत्रकारों को सनसनी से बचना चाहिए। किसी भी खबर को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले उसकी सत्यता की पुष्टि करना जरूरी है। इससे मीडिया की विश्वसनीयता बनी रहती है और भ्रामक सूचनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है।

अतिरिक्त उपायुक्त प्रियांशु खाती ने कहा कि समाचारों में व्यक्तिगत विचारों के बजाय तथ्यों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। पत्रकारों को व्यक्तिगत और संस्थागत हितों के टकराव से बचते हुए वस्तुनिष्ठ एवं निष्पक्ष रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि गलत जानकारी, जानबूझकर फैलाई गई झूठी खबरों और नुकसान पहुंचाने वाली सूचनाओं के प्रसार से बचना जरूरी है। यदि किसी खबर में आकर्षक या लोकप्रिय जानकारी हो, तो भी उसका पूरी तरह सत्य पर आधारित होना आवश्यक है।

अधिकारियों ने भी रखे विचार

कार्यक्रम में जिला लोक संपर्क अधिकारी हेमंत कुमार ने विषय की प्रस्तावना रखी, जबकि सहायक तकनीकी अधिकारी शिवराम शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों सहित जिला लोक संपर्क अधिकारी कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। संगोष्ठी में जिम्मेदार पत्रकारिता और मीडिया की विश्वसनीयता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

सीनियर फुटबॉल टूर्नामेंट में सिरमौर साई कांगड़ा और ऊना ने मारी बाजी



अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। सीनियर फुटबॉल चैंपियनशिप के तहत खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। दिन के पहले मुकाबले में सिरमौर की टीम ने मंडी को दो गोल से हराकर जीत दर्ज की। मंडी की टीम कोई गोल नहीं कर सकी।

दूसरे मुकाबले में कुल्लू और शिमला के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। दोनों टीमों ने एक-एक गोल किया और मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ।

तीसरे मैच में साई कांगड़ा ने शानदार तालमेल दिखाते हुए हमीरपुर को एक गोल से पराजित किया। हमीरपुर की टीम गोल करने में नाकाम रही। वहीं, ऊना और सिरमौर के बीच खेले गए मुकाबले में निर्धारित समय तक कड़ा संघर्ष देखने को मिला।

मैच टाईब्रेकर तक पहुंचा, जहां ऊना ने सिरमौर को हराकर जीत हासिल की। सभी मुकाबलों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल कौशल और जीत का जज्बा दिखाया।

◆ फुटबॉल मैदान में टीमों ने दिखाया दमखम, मंडी व हमीरपुर को मिली हार

◆ कुल्लू और शिमला के बीच रोमांचक मुकाबला 1-1 से बराबर

सनसनी से बचें पत्रकार, तथ्यों और निष्पक्षता को दें प्राथमिकता : एसडीएम



अनंत ज्ञान

सरकाघाट। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के उपलक्ष्य पर सोमवार को एसडीएम सरकाघाट कृष्ण कुमार शर्मा की अध्यक्षता में उपमंडल स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें उपमंडल क्षेत्र के पत्रकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम में भारतीय प्रेस परिषद की ओर से निर्धारित इस वर्ष की थीम 'पत्रकारिता : सनसनी या जिम्मेदारी' पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस दौरान पत्रकारों ने बदलते मीडिया परिवेश, पत्रकारिता की चुनौतियों और सामाजिक जिम्मेदारियों पर अपने विचार रखे। चर्चा में कहा गया कि पत्रकारिता केवल समाचार प्रसारित करने का माध्यम नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने और समाज को सही दिशा देने का महत्वपूर्ण स्तंभ है। वक्ताओं ने कहा कि खबरों की प्रतिस्पर्धा में तथ्यों की पुष्टि, निष्पक्षता और विश्वसनीयता से समझौता नहीं होना चाहिए। पत्रकारों को सनसनीखेज खबरों के बजाय जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

एसडीएम कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि पत्रकारों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए निष्पक्ष, निर्भीक और तथ्यपरक पत्रकारिता करनी चाहिए। उन्होंने पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों को बनाए रखने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों ने एकमत होकर कहा कि मीडिया की विश्वसनीयता बनाए रखना प्रत्येक पत्रकार की सामूहिक जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस का आयोजन पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों और दायित्वों पर आत्ममंथन का अवसर बना।

एकल विद्यालय अभियान समाज सुधार में निभा रहा अहम भूमिका: प्रियंका

अनंत ज्ञान, रूपी ठाकुर, बरोट। एकल विद्यालय अभियान प्रदेश में समाज सुधार और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वर्तमान समय में समाज सुधार और निर्माण की गतिविधियों को और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता है। यह बात एकल विद्यालय अभियान के अंचल जोगिंद्रनगर के संच बरोट की संच प्रमुख प्रियंका कुमारी ने कही।

उन्होंने बताया कि जिला मंडी में अंचल जोगिंद्रनगर के तहत 300 एकल विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इनमें बाल शिक्षा, आरोग्य शिक्षा, ग्राम विकास और संस्कार शिक्षा सहित पांच गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वहीं, छोटाभंगाल और चौहार घाटी में संच बरोट के अंतर्गत 30 विद्यालय केंद्र स्थापित किए गए हैं। प्रियंका कुमारी ने बताया कि सभी केंद्रों में कार्यरत आचार्य पूरी मेहनत, लगन और ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। बरोट स्थित दुर्गा माता मंदिर परिसर में हर माह की 28 और 29 तारीख को उनकी अगुवाई में आचार्यों की बैठक आयोजित की जाती है। उन्होंने कहा कि एकल विद्यालय के आचार्य गांवों में घर-घर जाकर लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई अभिभावक अशिक्षित होने के कारण बच्चों को घर पर पढ़ाई में सहयोग नहीं दे पाते। ऐसे बच्चों को आचार्य प्रतिदिन शाम को दो से तीन घंटे पढ़ाई करवाने के साथ संस्कारों की शिक्षा भी दे रहे हैं।

खलैहल गांव में मिनी आंगनबाड़ी केंद्र खोलने की फिर उठी मांग

अनंत ज्ञान

रूपी ठाकुर, बरोट। चौहारघाटी की ग्राम पंचायत खलैहल के खलैहल गांव में मिनी आंगनबाड़ी केंद्र खोलने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में छोटे बच्चों की सुविधा के लिए आंगनबाड़ी केंद्र खोलना बेहद जरूरी है, लेकिन लंबे समय से मांग उठाने के बावजूद सरकार ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया है।

पंचायत प्रधान सुभाष ठाकुर, उपप्रधान भागमल, पूर्व वार्ड सदस्य तवारू राम सहित ग्रामीणों धर्मेंद्र कुमार, रमेश कुमार, दिनेश कुमार, पवन कुमार, ग्याहरू राम, यश्वीर, विजय, रागी राम, डागी राम, दिलीप कुमार, ओम, रहीफा राम, माया और रिंकू ने बताया कि करीब चार वर्ष पहले बच्चों की संख्या कम होने के कारण खलैहल स्कूल को बंद कर दिया गया था। इसके बाद गांव के बच्चों को पढ़ाई के लिए नागनाला पार कर करीब एक किलोमीटर दूर राजकीय प्राथमिक पाठशाला कुटगढ़ जाना पड़ता है। ग्रामीणों ने कहा कि रास्ते में नाला होने के कारण अभिभावकों को छोटे बच्चों की सुरक्षा की चिंता सताती रहती है। पंचायत के अन्य तीन गांवों में आंगनबाड़ी केंद्र पहले ही खुल चुके हैं, जबकि खलैहल गांव अभी तक इस सुविधा से वंचित है। मिनी आंगनबाड़ी केंद्र खुलने से गांव के नौनिहालों को घर-द्वार पर ही खेल-खेल में शिक्षा और प्रारंभिक संस्कार मिल सकेंगे।

ग्रामीणों ने द्रंग के विधायक पूर्ण चंद ठाकुर से प्राथमिकता के आधार पर गांव में मिनी आंगनबाड़ी केंद्र खोलने की मांग की है। विधायक पूर्ण चंद ठाकुर ने ग्रामीणों की मांग को जायज बताते हुए कहा कि केंद्र खुलवाने के लिए अथक प्रयास किए जाएंगे।

मशीन ऑपरेटर, वेल्डर, फिटर-क्राफ्ट्समैन के भरे जाएंगे 10 पद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। जिला रोजगार अधिकारी अरविंद सिंह चौहान ने बताया कि मैसर्स साइलक्सा इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड में मशीन ऑपरेटर, वेल्डर, फिटर और क्राफ्ट्समैन के कुल 10 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए केवल पुरुष अभ्यर्थी पात्र होंगे। उम्मीदवार के पास संबंधित ट्रेड में आईटीआई या डिप्लोमा होना अनिवार्य है। अधिकतम आयु सीमा 25 वर्ष निर्धारित की गई है। चयनित अभ्यर्थियों को 14 हजार रुपये मासिक वेतन मिलेगा तथा नियुक्ति नालागढ़, जिला सोलन में होगी। साक्षात्कार 19 नवंबर को खंड विकास अधिकारी कार्यालय धर्मपुर और 20 नवंबर को उपरोजगार कार्यालय सुंदरनगर में सुबह 10:30 बजे होंगे। अभ्यर्थियों का हिमाचल के रोजगार कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। साक्षात्कार में भाग लेने के लिए यात्रा भत्ता नहीं मिलेगा।

इनर व्हील क्लब ने जरूरतमंद बच्चों को बांटे स्वेटर व मिठाई



अनंत ज्ञान

मंडी। इनर व्हील क्लब की ओर से जेल रोड स्कूल में जरूरतमंद बच्चों के लिए सेवा एवं सहयोग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान क्लब की सदस्यों ने बच्चों को स्वेटर और मिठाई वितरित कर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरी। सर्दी के मौसम में स्वेटर पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी देखने लायक थी।

क्लब सदस्यों ने बच्चों के साथ समय बिताया और उनके साथ हंसी-खुशी के पल साझा किए। इन पलों ने जहां बच्चों को अपनापन और खुशी का अहसास करवाया, वहीं क्लब के सदस्यों को भी नई ऊर्जा और आत्मसंतुष्टि प्रदान की। सदस्यों का कहना था कि जरूरतमंद बच्चों के बीच पहुंचकर उनकी छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करना बेहद सुखद अनुभव है। समाजसेवा का वास्तविक आनंद तभी है, जब किसी के चेहरे पर खुशी लाई जा सके।

क्लब अध्यक्ष नीरज शर्मा ने कहा कि बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही इनर व्हील क्लब का असली उद्देश्य है। क्लब भविष्य में भी सामाजिक सरोकारों से जुड़े ऐसे कार्यों में अपनी भागीदारी निभाता रहेगा। इस अवसर पर चंपा कपूर, चारु वैद्य, पंकज, सुनीता, मीनाक्षी, सविता व मीनाक्षी सहित क्लब के सदस्य मौजूद रहे।

पत्रकार अरुण डोगरा को दी श्रद्धांजलि

प्रेस क्लब महादेव ने राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस पर निष्पक्ष पत्रकारिता का दिया संदेश

अनंत ज्ञान

महेंद्र सिंह राणा, भौर। राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में प्रेस क्लब महादेव की ओर से कनैड के तरोट स्थित द ग्लोरी इन रेस्टोरेंट में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान क्लब के सदस्यों ने सुबह 10:30 बजे बिलासपुर के पत्रकार अरुण डोगरा को याद करते हुए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पत्रकार हीरा सिंह ने अरुण डोगरा के साथ पत्रकारिता के दौरान बिताए समय और उनके योगदान को याद करते हुए उनकी सराहना की।

कार्यक्रम में प्रेस क्लब ने नए सदस्य मनोज ठाकुर, निवासी माता मुरारी देवी, को क्लब में शामिल करने का प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान क्लब के प्रधान भीम सिंह ने पत्रकारिता की बारीकियों और जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विकास खंड अधिकारी घनोटू मनमोहन वर्मा उपस्थित रहे। प्रधान भीम सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके बाद पहाड़ी टोपी और मफलर पहनाकर उन्हें सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने पत्रकारों को स्पष्ट, सरल और निष्पक्ष पत्रकारिता करने का संदेश देते हुए कहा कि पत्रकारिता को सनसनीखेज बनाने के बजाय दोनों पक्षों का बयान लेकर तथ्यों के आधार पर खबर प्रकाशित करनी चाहिए।

इस अवसर पर पत्रकार हीरा सिंह ने प्रेस क्लब के लिए स्थायी भवन की मांग उठाई, ताकि पत्रकार वहां बैठकर अपने कार्यों को सुचारू रूप से कर सकें। बीडीओ मनमोहन वर्मा ने इस मांग पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए तुरंत सहमति जताई। कार्यक्रम में पत्रकारों ने अपनी विभिन्न समस्याएं भी उनके समक्ष रखीं। वहीं, आराध्य ठाकुर ने चीटे पर लिखी अपनी कविता प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।



◆ प्रेस क्लब के लिए स्थायी भवन की मांग पर बीडीओ ने दिया आश्वासन

खेलो हिमाचल-चिट्टा मुक्त अभियान के लिए 30 तक करवाएं ऑनलाइन पंजीकरण : कृष्ण कुमार

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। खेलो हिमाचल-चिट्टा मुक्त अभियान के तहत आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए 30 नवंबर तक ऑनलाइन पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। यह जानकारी एसडीएम सरकाघाट कृष्ण कुमार शर्मा ने सोमवार को एसडीएम कार्यालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। बैठक में अभियान के सफल आयोजन को लेकर तैयारियों की समीक्षा की गई तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

एसडीएम ने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़कर नशे से दूर रखने के उद्देश्य से यह अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी, एथलेटिक्स, कुश्ती, हॉकी, रस्साकशी और बैडमिंटन सहित आठ खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें 15 से 30 वर्ष आयु वर्ग के महिला एवं पुरुष खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिताएं उपमंडल, जिला और राज्य स्तर पर आयोजित होंगी।

उन्होंने बताया कि इच्छुक खिलाड़ियों एवं टीमों को खेलो हिमाचल पोर्टल पर 30 नवंबर तक ऑनलाइन पंजीकरण करवाना होगा। पंजीकरण पूरी तरह निःशुल्क है। प्रतियोगिताओं के विभिन्न स्तरों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों और टीमों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

एसडीएम ने उपमंडल सरकाघाट के खिलाड़ियों, युवाओं और विद्यार्थियों से अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि खेल न केवल युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखते हैं, बल्कि उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित करते हैं। अभियान का उद्देश्य युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक गतिविधियों में लगाकर उन्हें चिट्टे सहित अन्य नशों से दूर रखना और नशामुक्त समाज के निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित करना है।

बैठक में डीएसपी सरकाघाट संजीव गौतम, तहसीलदार मनीष कुमार, नगर परिषद अध्यक्ष पुष्पा देवी, जल शक्ति विभाग एवं लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंताओं सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।



◆ 15 से 30 वर्ष आयु वर्ग के महिला एवं पुरुष खिलाड़ी आठ खेलों की प्रतियोगिताओं में ले सकेंगे भाग

गद्दर नेताओं की विरासत को आगे बढ़ा रही किसान सभा: अशोक धबले

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। तेलंगाना के नालगोंडा में आयोजित किसान सभा के 36वें अखिल भारतीय सम्मेलन में देशभर के किसान नेताओं ने किसानों, मजदूरों और आदिवासियों के अधिकारों की लड़ाई को मजबूत करने का संकल्प लिया। सम्मेलन का आगाज 15 नवंबर को आदिवासी नेता बिरसा मुंडा के शहीदी दिवस पर हुआ था।

सम्मेलन में भाग ले रहे मंडी जिला किसान सभा के सचिव एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य भूपेंद्र सिंह ने बताया कि 16 नवंबर को अखिल भारतीय किसान सभा के अध्यक्ष डॉ. अशोक धबले ने अपने संबोधन में गद्दर पार्टी के सात स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि 1915 में ब्रिटिश हुकूमत ने गद्दर पार्टी के सात नेताओं को फांसी दी थी। इनमें करतार सिंह सराभा प्रमुख थे, जिनसे प्रेरित होकर शहीद भगत सिंह ने भी स्वतंत्रता संग्राम का रास्ता चुना था। अशोक धबले ने कहा कि किसान सभा इन्हीं क्रांतिकारियों के विचारों से प्रेरणा लेकर जमीन जोतने वालों के अधिकारों तथा जल, जंगल और जमीन पर आदिवासियों के हक की लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के बाद केंद्र सरकार की किसान नीतियों के खिलाफ आंदोलन तेज किया जाएगा।



◆ मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ 26 से आंदोलन तेज करेंगे किसान संगठन

वहीं, संयुक्त किसान मोर्चा के अध्यक्ष किसान नेता महेंद्र सिंह टिकैत ने किसान संगठनों से एकजुट होकर संघर्ष मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि 26 नवंबर से सभी किसान संगठन केंद्र सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू करेंगे, जिसमें अखिल भारतीय किसान सभा भी भाग लेगी।

उन्होंने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हुए किसान आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि किसान संगठनों की एकजुटता से सरकार को उन कानूनों को वापस लेना पड़ा था। उन्होंने भविष्य में भी किसानों के अधिकारों के लिए साझा संघर्ष जारी रखने की बात कही।

खेलकूद प्रतियोगिता 9वीं क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिता में 8 कबड्डी टीमों ने लिया हिस्सा, नैणा तुंगा ने जीता खिताब

कोठी गैहरी में सजा खेल महाकुंभ, युवाओं ने दिखाया हुनर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के 'मेरा युवा भारत मंडी' के सौजन्य से मारुति युवा मंडल, कोठी गैहरी द्वारा सहयोगी सरधवार युवा मंडल के साथ मिलकर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, कोठी गैहरी के खेल मैदान में 9वीं क्लस्टर स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। मारुति युवा मंडल, कोठी गैहरी के प्रधान सचिन सकलानी ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन 'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत' (100 सप्ताह नशा मुक्त युवा अभियान) की थीम पर किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखकर खेलों और राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जोड़ना रहा। प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ सूबेदार मेजर यशवंत सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।

इस खेल महाकुंभ में कबड्डी, बैडमिंटन, दौड़ और लंबी कूद के बेहद रोमांचक मुकाबले खेले गए। कबड्डी प्रतियोगिता में क्षेत्र की कुल 8 टीमों ने भाग लिया। सेमीफाइनल मुकाबला देव बालाकामेश्वर घौड़ और नैणा तुंगा के बीच खेला गया, जिसमें कड़े संघर्ष के बाद नैणा तुंगा ने 36-33 अंकों के अंतर से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी मुकाबला नैणा तुंगा और माता शीतला के बीच हुआ, जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए नैणा तुंगा ने 39-30 अंकों से जीत हासिल कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया और माता शीतला उपविजेता रही। अन्य स्पर्धाओं में भी खिलाड़ियों ने दमदार खेल दिखाया। बैडमिंटन (अंडर-15) के फाइनल मुकाबले में अरमान और तनुज के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने 1-1 सेट जीतकर बराबरी की, लेकिन निर्णायक अंतिम सेट में तनुज ने 21-18 के रोमांचक अंतर से जीत हासिल कर खिताब अपने नाम किया। वहीं, बैडमिंटन (अंडर-19) का फाइनल मुकाबला भानु और राहुल के बीच खेला गया, जिसमें राहुल ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए लगातार दोनों सेट जीतकर खिताब पर कब्जा जमाया। दौड़ स्पर्धा में चिराग सकलानी ने प्रथम स्थान हासिल कर बाजी मारी, जबकि लंबी कूद में गर्वित ने प्रथम स्थान झटका।



समापन समारोह में भुवनेश्वरी ठाकुर (पंचायत समिति/ बीडीसी सदस्य, कोठी गैहरी) ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जिनके साथ देवेंद्र ठाकुर और नरेंद्र ठाकुर भी विशेष रूप से पधारे। मुख्य अतिथि ने अपने ही विद्यालय प्रांगण में पधारने पर प्रसन्नता व्यक्त की, सभी विजेता एवं उपविजेता टीमों व खिलाड़ियों को ट्रॉफी व मेडल देकर सम्मानित किया तथा युवाओं के उत्साहवर्धन के लिए मारुति युवा मंडल को अपनी ओर से 5100 रुपये की प्रोत्साहन राशि भेंट की। इस कार्यक्रम में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन ठाकुर, सरध्वार युवा मंडल के प्रधान अमन ठाकुर मौजूद रहे। अंत में मारुति युवा मंडल के प्रधान सचिन सकलानी ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए मुख्य अतिथियों, स्कूल प्रशासन और सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

जिस प्रकार राख से सना हाथ जैसे-जैसे दर्पण पर घिसा जाता है, वैसे-वैसे उसके प्रतिबिंब को साफ करता है, उसी प्रकार दुष्ट जैसे-जैसे सज्जन का अनादर करता है, वैसे-वैसे वह उसकी कांति को बढ़ाता है। **-वासवदत्ता**

संपादकीय

महंगाई पर लगे लगाम

महंगाई का सीधा संबंध आम आदमी की जिंदगी और उसके रसोई के बजट से है। जब खाने-पीने की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ते हैं तो इसका सबसे अधिक असर उन परिवारों पर पड़ता है, जिनकी आमदनी सीमित है। ऐसे परिवारों के लिए रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी चुनौती बन जाता है। बाजार में सब्जियों, खाद्य पदार्थों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ने का सीधा असर घरेलू खर्च पर दिखाई देता है। अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.09 प्रतिशत पर पहुंचना इसी चिंता को गहरा करता है। यह पिछले दो साल का उच्चतम स्तर है। सितंबर में खुदरा महंगाई दर 5.54 प्रतिशत थी। महंगाई का छह प्रतिशत की ऊपरी सहनशीलता सीमा को पार करना इस बात का संकेत है कि इसे नियंत्रित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को और प्रभावी बनाने की जरूरत है।

खाद्य महंगाई की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। सितंबर के 7.74 प्रतिशत के मुकाबले अक्टूबर में खाद्य महंगाई बढ़कर 8.94 प्रतिशत हो गई। प्याज की कीमतों में सालाना आधार पर 116.22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा लहसुन 60.74 प्रतिशत, अदरक 48.32 प्रतिशत और नींबू 47.30 प्रतिशत महंगे हुए हैं। ये ऐसी वस्तुएं हैं, जिनका इस्तेमाल लगभग हर घर की रसोई में होता है। इसलिए इनके दाम बढ़ने का असर सीधे घरेलू बजट पर पड़ता है। आलू और फूलगोभी की कीमतों में गिरावट से कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन इससे रसोई का कुल खर्च कम होने वाला नहीं है। कुछ सब्जियों के सस्ता होने से उन वस्तुओं की महंगाई की भरपाई नहीं हो सकती, जिनकी जरूरत लगभग हर दिन पड़ती है।

महंगाई का दबाव ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक दिखाई दे रहा है। अक्टूबर में ग्रामीण खुदरा महंगाई दर 6.63 प्रतिशत रही, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 5.41 प्रतिशत दर्ज की गई। खाद्य महंगाई भी गांवों में 9.09 प्रतिशत और शहरों में 8.68 प्रतिशत रही। ग्रामीण परिवारों की आय और खर्च के बीच पहले से ही संतुलन बनाना मुश्किल होता है। ऐसे में खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने से उनकी आर्थिक परेशानी और बढ़ सकती है। सीमित आय में परिवारों को भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य जरूरी खर्चों के बीच तालमेल बैठाना पड़ता है। खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ने से इस संतुलन पर सीधा असर पड़ता है। सरकार को इस अंतर को गंभीरता से समझना होगा और ग्रामीण उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए प्रभावी कदम उठाने होंगे।

महंगाई बढ़ने से भारतीय रिजर्व बैंक के सामने भी मौद्रिक नीति को लेकर चुनौती खड़ी हो गई है। ब्याज दरों में वृद्धि के जरिए मांग को नियंत्रित करना महंगाई पर अंकुश लगाने का एक उपाय है, लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। रेपो रेट बढ़ने से होम लोन, कार लोन और अन्य कर्ज महंगे हो सकते हैं। इससे आम उपभोक्ताओं की आर्थिक मुश्किलें बढ़ने के साथ उद्योग और कारोबार पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए केवल ब्याज दरों में बदलाव को महंगाई का समाधान नहीं माना जा सकता। इसके साथ ही आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है। सब्जियों और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव के पीछे मौसमी कारण, उत्पादन में कमी, भंडारण की सीमाएं और वितरण व्यवस्था की खामियां भी जिम्मेदार होती हैं। सरकार को इन सभी पहलुओं पर गंभीरता से ध्यान देना होगा।

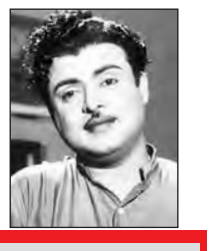
महंगाई पर नियंत्रण के लिए आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना जरूरी है। प्याज और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति बनाए रखने के लिए समय रहते आयात, बफर स्टॉक और बाजार में आपूर्ति बढ़ाने जैसे कदम उठाने होंगे। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलना चाहिए और उपभोक्ताओं को जरूरी वस्तुएं वाजिब दाम पर उपलब्ध होनी चाहिए। इन दोनों के बीच संतुलन बनाना भी सरकार की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्ती से रोक लगानी होगी, ताकि कृत्रिम कमी पैदा करके कीमतें बढ़ाने वालों पर कार्रवाई हो सके।

महंगाई पर नियंत्रण केवल आर्थिक आंकड़ों को बेहतर दिखाने का विषय नहीं है, बल्कि आम आदमी को राहत देने और उसकी क्रय शक्ति बनाए रखने का सवाल है। आर्थिक विकास का लाभ तभी सार्थक होगा, जब उसका असर आम परिवारों की जिंदगी में भी दिखाई दे। सरकार और रिजर्व बैंक को आपसी तालमेल के साथ ऐसे कदम उठाने होंगे, जिनसे कीमतों पर नियंत्रण बना रहे और आर्थिक विकास की गति भी प्रभावित न हो। रसोई का बजट बिगड़ने का मतलब आम आदमी की आर्थिक योजनाओं का बिगड़ना है। इसलिए महंगाई पर अंकुश लगाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

आज की प्रमुख हस्ती

तीन दिग्गज सितारों में एक नाम

भारतीय सिनेमा के इतिहास में कुछ कलाकार ऐसे रहे हैं, जिन्होंने अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिलों में अमिट छाप छोड़ी। जेमिनी गणेशन उन्हीं में से एक थे। तमिल सिनेमा में उन्हें रोमांस का बादशाह यानी 'कादल मन्नन' कहा जाता था। उनका वास्तविक नाम रामासामी गणेशन था। उनका जन्म 17 नवंबर 1920 को तमिलनाडु के पुदुकोट्टई में हुआ था। उनके पिता का नाम रामास्वामी और माता का नाम भागीरथी था। बचपन से ही उनका जीवन कई कठिन परिस्थितियों से गुजरा। जब वह छठी कक्षा में पढ़ रहे थे, तभी उनके दादा का निधन हो गया। कुछ समय बाद पिता का भी देहांत हो गया। इसके बाद वह अपनी मां के साथ मद्रास (अब चेन्नई) में अपनी मौसी मुथुलक्ष्मी रेड्डी के घर रहने लगे। मुथुलक्ष्मी रेड्डी एक शिक्षित चिकित्सक और समाज सुधारक थीं। उन्होंने देवदासी प्रथा को समाप्त करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए और इस दिशा में कानून बनवाने में भी अहम भूमिका निभाई।



जेमिनी गणेशन
जन्म : 17 नवंबर 1920
मृत्यु : 22 मार्च 2005

जेमिनी गणेशन उन चुनिंदा कलाकारों में शामिल थे, जिन्होंने कॉलेज की शिक्षा प्राप्त करने के बाद फिल्म जगत में कदम रखा। उन्होंने वर्ष 1947 में फिल्म 'मिस मालिनी' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, लेकिन उन्हें वास्तविक पहचान वर्ष 1952 में प्रदर्शित फिल्म 'थाई उल्लम' में खलनायक की भूमिका निभाने के बाद मिली। वर्ष 1953 में फिल्म 'मनम पोला मंगल्यम' में मुख्य भूमिका निभाने के बाद वह सितारों की कतार में शामिल हो गए। इसके बाद उन्होंने अपने रोमांटिक अभिनय से दर्शकों के बीच खास लोकप्रियता हासिल की। उनकी छवि एक ऐसे अभिनेता की बन गई, जो पर्दे पर प्रेम और भावनाओं को बेहद सहजता से प्रस्तुत करता था।



खामोशी

डॉ. उर्मिल कौंडल, टीजीटी, नॉन मेडिकल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टावा, त. बल्ह, जिला मंडी

आंख खुलते ही पाया, खुद को उस कैद में दम घुट रहा था जहां,
मानो किसी ने अंधेरी कोठरी में लाकर धकेल दिया हो।।
जहां अंधेरे और खामोशी के शिवाय कुछ भी नहीं
काले नाग की तरह डसती है यह खामोशी और अंधेरा...।
अच्छा लगता था उजाला कभी मुझे भी, अच्छी लगती थी वो रंगीन सुबह
जो संकेत देती थी एक सुखद दिन का....।
अजीब सा अहसास होता था तब, लेकिन इस उजाले को
अंधेरे में बदल डाला उन दरिंदों ने, जो इंसान के भेष में भेड़िए
बन बैठे हैं, अपनी प्यास बुझाने की खातिर दूसरों का खून चूसते हैं।
न जाने कितनी नारियों को, सफेद कफन पहना दिया होगा इन जालिमों ने।
क्या वे कभी यह नहीं सोचते कि जिंदगी का इतना लंबा सफर
कैसे तय कर पाएंगी वे अकेली?
कैसे सहन कर पाएंगी वे लोगों की नफरत भरी निगाहें?
अब आदत सी हो गई है उन्हें सहने की यह सब
खामोशी भी जड़ हो गई है उस हिमालय की तरह जो
बर्फ की सफेद चादर ओढ़े शांत और स्थिर खड़ा है सदियों से.....।

चिट्टे का खामोश कहर, खतरे में युवा पीढ़ी

हिमाचल प्रदेश की पहाड़ी बोली और पंजाबी भाषा में चिट्टा शब्द का अर्थ सफेद होता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से हिमाचल और पंजाब में चिट्टा मौत का पर्याय बन चुका है। यह नशा सैकड़ों युवाओं को मौत के मुंह में धकेल चुका है और कई परिवारों के घरों के चिराग बुझा चुका है। सिंथेटिक ड्रग के रूप में फैल रहा चिट्टा आज अभिभावकों के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय बन गया है। देवभूमि हिमाचल की शांत वादियों में नशे का यह भयावह कारोबार तेजी से अपने पैर पसार रहा है। गलत संगत और साथियों के दबाव में नशे की शुरुआत करने वाले युवा धीरे-धीरे इसकी गिरफ्त में आते चले जाते हैं। नशे की लत उन्हें गंभीर अपराधों की दुनिया तक पहुंचा देती है और अंतत: उनका भविष्य अंधकारमय हो जाता है।



अर्चना सिंह पटियाल
एडवोकेट

हिमाचल के पड़ोसी राज्य पंजाब में लंबे समय से नशे की समस्या गंभीर बनी हुई है। पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करने वाले पंजाब में सिंथेटिक ड्रग, हेरोइन और अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी ने सामाजिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। इसका असर अब हिमाचल प्रदेश पर भी दिखाई देने लगा है। चिट्टा तस्करों के निशाने पर सबसे अधिक किशोर और युवा हैं। नशे की गिरफ्त में आने वाले युवाओं की संख्या बढ़ना समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। सवाल यह है कि आखिर किशोर और युवा इस जानलेवा नशे की ओर आकर्षित क्यों हो रहे हैं? क्या बेरोजगारी, आर्थिक तंगी, मानसिक तनाव और गलत संगत उन्हें इस दलदल में धकेल रही है? क्या साथियों के दबाव में आकर युवा अपने सुनहरे भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं? इन सवालों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

नशे की समस्या से निपटने के लिए केवल पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। इसके लिए परिवार, शिक्षण संस्थानों और समाज को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। अभिभावकों को बच्चों के व्यवहार, उनकी संगत और मानसिक स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना बेहद जरूरी है, ताकि वे अपनी परेशानियां बिना किसी डर और झिझक के साझा कर सकें। आर्थिक कठिनाइयों, असफलताओं और मानसिक तनाव से जूझ रहे युवाओं को सही मार्गदर्शन और भावनात्मक सहयोग मिलना चाहिए। किसी भी समस्या से छुटकारा पाने के लिए नशा समाधान नहीं हो सकता। बातचीत, परामर्श और सकारात्मक वातावरण ही युवाओं को कठिन परिस्थितियों से बाहर निकलने में मदद कर सकते हैं।

बच्चों के जीवन की बुनियादी शुरुआत विद्यालय से होती है। शिक्षण संस्थान केवल किताबी ज्ञान देने तक सीमित नहीं होते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास भी करते हैं। ऐसे में स्कूलों और कॉलेजों में चिट्टे तथा अन्य मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। जागरूकता शिविरों, विचार-विमर्श, खेलकूद प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को सकारात्मक दिशा दी जा सकती है। प्रारंभिक शिक्षा से ही बच्चों को नशे के नुकसान और इससे दूर रहने के महत्व के बारे में समझाना चाहिए। शिक्षकों का व्यवहार और विद्यार्थियों के साथ उनका संवाद भी उनके मानसिक, भावनात्मक और शैक्षणिक विकास पर गहरा प्रभाव डालता है।



प्रतियोगी परीक्षाओं में असफलता, रोजगार की चिंता और भविष्य को लेकर अनिश्चितता भी कई युवाओं के लिए मानसिक तनाव का कारण बनती है। ऐसे समय में उन्हें अकेला छोड़ने के बजाय उचित परामर्श उपलब्ध करवाना जरूरी है। मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञों की सहायता से युवाओं को तनाव से निपटने और कठिन परिस्थितियों का सामना करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। नशे की गिरफ्त में आ चुके युवाओं को अपराधी मानकर उनसे दूरी बनाने के बजाय उनके उपचार और पुनर्वास पर ध्यान देना चाहिए। उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाने के लिए परिवार और संस्थानों का सहयोग आवश्यक है।

नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने में साहित्य और पुस्तकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। कई लेखकों और विशेषज्ञों ने अपनी पुस्तकों में नशे की समस्या, उसके कारणों और बचाव के उपायों पर चर्चा की है। मनोचिकित्सक डॉ. अनिरुद्ध कला ने अपनी पुस्तक 'मोस्ट ऑफ व्हाट यू नो अबाउट एडिक्शन इज रॉन्ग' में नशे की लत को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझने पर जोर दिया है। लेखिका वंदना वर्मा ने 'द बिग बुक ऑफ ड्रग एडिक्शन अवेयरनेस' में साथियों के दबाव से निपटने और नशे से दूर रहने के उपाय बताए हैं। वहीं यशवंत कोठारी की पुस्तक 'नशे से कैसे बचें : नशा बर्बादी का सागर' में मादक पदार्थों के शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभावों को रेखांकित किया गया है। डेविड शेफ ने अपनी पुस्तक 'क्लीन : ओवरकमिंग एडिक्शन' में नशे की लत को गंभीर स्वास्थ्य समस्या मानते हुए वैज्ञानिक तरीकों से इससे मुकाबला करने की आवश्यकता बताई है।

हैरानी की बात है कि नशामुक्त समाज का मुद्दा राजनीतिक और सामाजिक मंचों पर लगातार उठने के बावजूद इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पाया है। देश के बंदरगाहों और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से करोड़ों रुपये के नशीले पदार्थ बरामद होते हैं। चिट्टा तस्करी के मामलों में कुछ जिम्मेदार अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों के कर्मचारियों की संलिप्तता के मामले भी सामने आते रहे हैं। इसके अलावा महिलाओं की तस्करी में संलिप्तता और गिरफ्तारी के मामले भी चिंता बढ़ाते हैं। यह स्थिति बताती है कि नशे का कारोबार केवल सीमावर्ती क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका जाल कई राज्यों में फैल चुका है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

साइबर ठगों के जाल में न फंसाएं अपनी मेहनत की कमाई

आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक हम अपने छोटे-बड़े कामों के लिए मोबाइल पर निर्भर रहते हैं। पैसे भेजने हों, बिजली-पानी के बिल जमा करने हों, ऑनलाइन खरीदारी करनी हो या बैंक से जुड़ा कोई काम करना हो, सब कुछ एक क्लिक पर संभव हो गया है। तकनीक ने जहां हमारी जिंदगी को आसान और सुविधाजनक बनाया है, वहीं इसके साथ ऑनलाइन ठगी का खतरा भी तेजी से बढ़ा है। आज साइबर अपराधी लोगों की मेहनत की कमाई पर नजर गड़ाए बैठे हैं। पहले चोरी करने के लिए चोरों को घर में घुसना पड़ता था, लेकिन अब साइबर ठग हजारों किलोमीटर दूर बैठकर भी किसी का बैंक खाता खाली कर सकते हैं। चिंता की बात यह है कि कई बार लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगती और उनकी वर्षों की जमा पूंजी कुछ ही मिनटों में गायब हो जाती है।



कमलेश राणा
जिला मंडी हिमाचल प्रदेश

आजकल ऑनलाइन ठगी करने वालों ने लोगों को अपने जाल में फंसाने के नए-नए तरीके खोज लिए हैं। कभी किसी व्यक्ति को फोन करके बताया जाता है कि उसके बेटे या परिवार के किसी सदस्य का दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के कारण अस्पताल में इलाज चल रहा है और तुरंत पैसे भेजने की जरूरत है। घबराहट में व्यक्ति बिना जांच-पड़ताल किए पैसे भेज देता है। कभी बैंक खाते या किस्त बंद होने का डर दिखाकर किसी अनजान लिंक पर क्लिक करने को कहा जाता है। वहीं, कभी लाखों रुपये की लॉटरी निकलने या इनाम मिलने का लालच दिया जाता है। लोग लालच, डर और जल्दबाजी में ठगों की बातों पर भरोसा कर लेते हैं। जैसे ही वे लिंक खोलते हैं या अपनी बैंक संबंधी जानकारी साझा करते हैं, उनके खाते से रकम निकाल ली जाती है।

इस तरह की ठगी का सबसे अधिक शिकार वे लोग होते हैं, जिन्हें मोबाइल और इंटरनेट की तकनीकी जानकारी कम होती है। इनमें बुजुर्ग, किसान, गृहिणियां और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले सीधे-सादे लोग शामिल हैं। साइबर ठग इतने शातिर होते हैं कि वे बैंक अधिकारी, सरकारी कर्मचारी या किसी प्रतिष्ठित संस्थान का प्रतिनिधि बनकर बात करते हैं। उनकी बातचीत इतनी विश्वास दिलाने वाली होती है कि सामने वाला व्यक्ति उनकी असलियत समझ ही नहीं पाता। वे खाता बंद होने, केवाईसी अपडेट कराने या किसी सरकारी योजना का लाभ दिलाने के नाम पर ओटीपी, एटीएम पिन और अन्य गोपनीय जानकारी हासिल कर लेते हैं। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि बैंक कभी भी फोन पर ओटीपी, पिन या पासवर्ड नहीं मांगते। किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ऐसी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए।



ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि हम स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार के अन्य सदस्यों को भी इसके प्रति सचेत करें। घर के बुजुर्गों और बच्चों को विशेष रूप से समझाना चाहिए कि किसी अनजान नंबर से आए फोन या संदेश पर आंख बंद करके भरोसा न करें। किसी भी संदिग्ध लिंक को न खोलें और बिना जांच-पड़ताल के किसी को पैसे न भेजें। मुफ्त में इनाम, लॉटरी या बड़ी रकम मिलने के लालच से बचना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति फोन पर तुरंत पैसे भेजने का दबाव बनाता है या खाता बंद होने की धमकी देता है तो घबराने के बजाय संबंधित बैंक या संस्थान के आधिकारिक माध्यम से जानकारी की पुष्टि करनी चाहिए। मोबाइल में मजबूत पासवर्ड रखना और समय-समय पर बैंक खातों की गतिविधियों पर नजर रखना भी जरूरी है।

इसके बावजूद यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन ठगी का शिकार हो जाता है तो उसे शर्म या डर के कारण चुप नहीं बैठना चाहिए। ऐसी स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करना चाहिए और अपने बैंक को भी इसकी सूचना देनी चाहिए। इसके अलावा साइबर अपराध की शिकायत आधिकारिक पोर्टल पर दर्ज करानी चाहिए। समय रहते शिकायत करने से ठगी गई रकम को रोकने या वापस पाने की संभावना बढ़ सकती है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

आक्रोश की आड़ में राजनीतिक दलों का अराजकता का एजेंडा तर्कसंगत नहीं

लोकतंत्र में विरोध और असहमति प्रत्येक नागरिक तथा राजनीतिक दल का संवैधानिक अधिकार है। किसी भी सरकार की नीतियों, निर्णयों या कार्यशैली से असहमति होने पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन, धरना, रैली, ज्ञापन और जनसंवाद जैसे लोकतांत्रिक माध्यम अपनाना लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक माना जाता है, किंतु जब जनाक्रोश की आड़ लेकर हिंसा, तोड़फोड़, आगजनी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, यातायात बाधित करने अथवा कानून-व्यवस्था को चुनौती देने जैसी घटनाएं होने लगती हैं, तब यह लोकतांत्रिक विरोध नहीं, बल्कि अराजकता का रूप धारण कर लेता है।



केशव शर्मा 'रसिक'
स्वतंत्र लेखक, गांव कोटला, घुमारवीं

राजनीतिक दलों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जनता का नेतृत्व करना और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना है। यदि वही दल जनता की भावनाओं को भड़काकर या उन्हें उग्र आंदोलन की ओर प्रेरित कर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास करें, तो इससे लोकतंत्र कमजोर होता है। वास्तविक जनसमस्याएं पीछे छूट जाती हैं और पूरा विमर्श हिंसा तथा टकराव तक सीमित होकर रह जाता है। लोकतंत्र का उद्देश्य संवाद, समाधान और जनहित है, न कि टकराव और अस्थिरता।

इतिहास गवाह है कि अनेक बार जनभावनाओं को भड़काकर ऐसे आंदोलन खड़े किए गए, जिनका सबसे अधिक नुकसान आम नागरिकों को उठाना पड़ा। सार्वजनिक परिवहन, सरकारी भवन, अस्पताल, विद्यालय, रेलवे, सड़कें और अन्य सार्वजनिक संपत्तियां जनता के करों से निर्मित होती हैं। इन्हें नुकसान पहुंचाने का अर्थ अपने ही संसाधनों को नष्ट करना है। ऐसी घटनाओं का प्रभाव सरकार से अधिक सामान्य नागरिकों पर पड़ता है, जिन्हें रोजमर्रा के जीवन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। एक सशक्त विपक्ष सरकार को जवाबदेह बनाता है, नीतियों की समीक्षा करता है और जनता की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाता है, लेकिन यदि विपक्ष का उद्देश्य केवल विरोध करना रह जाए और प्रत्येक मुद्दे को राजनीतिक अवसर में बदल दिया जाए, तो लोकतांत्रिक संवाद कमजोर पड़ने लगता है। इसी प्रकार सत्ता पक्ष की भी जिम्मेदारी है कि वह असहमति का सम्मान करे और हर विरोध को राजनीतिक षड्यंत्र मानकर खारिज करने से बचे। स्वस्थ लोकतंत्र में संवाद, सहिष्णुता और पारदर्शिता अनिवार्य तत्व हैं।



सोशल मीडिया के इस दौर में अफवाहें, आधी-अधूरी जानकारी और भड़काऊ संदेश कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। कई बार राजनीतिक स्वार्थों के लिए ऐसी सूचनाओं का उपयोग जनभावनाओं को भड़काने में किया जाता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि किसी भी सूचना की सत्यता की पुष्टि किए बिना उसे साझा न करे तथा कानून अपने हाथ में लेने से बचे। डिजिटल युग में सूचना के प्रति जिम्मेदारी भी लोकतांत्रिक कर्तव्य का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है।

युवाओं को विशेष रूप से समझना होगा कि उनकी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण, शिक्षा, रोजगार, नवाचार और सामाजिक परिवर्तन में लगनी चाहिए, न कि हिंसक गतिविधियों में। राजनीतिक दलों को भी युवाओं की शक्ति का उपयोग सकारात्मक विकास, सामाजिक जागरूकता और जनहित के मुद्दों के लिए करना चाहिए। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति विचारों, तर्कों और संवैधानिक बहस में निहित है, पत्थरों, आगजनी और हिंसा में नहीं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल संविधान की मर्यादाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और कानून के शासन का सम्मान करें। जनता भी भावनाओं में बहने के बजाय विवेकपूर्ण निर्णय ले तथा ऐसे किसी भी प्रयास का समर्थन न करे जो हिंसा, वैमनस्य या सार्वजनिक संपत्ति के विनाश को बढ़ावा देता हो। लोकतंत्र में विरोध आवश्यक है, किंतु वह शांतिपूर्ण, तथ्यपरक और संवैधानिक होना चाहिए। जनाक्रोश यदि व्यवस्था सुधार का माध्यम बने तो वह लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन यदि उसे राजनीतिक स्वार्थ और अराजकता का हथियार बना दिया जाए, तो उसका दुष्परिणाम पूरे समाज और राष्ट्र को भुगतना पड़ता है। लोकतंत्र की गरिमा तभी सुरक्षित रहेगी, जब असहमति को संवाद, संयम और संविधान की मर्यादाओं के भीतर व्यक्त किया जाएगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

शेयर बाजार का खेल: कभी सिकंदर, कभी फकीर

शेयर बाजार भी अपने आप में एक निराला रंगमंच है, जहां हर दिन उम्मीदों, आशंकाओं और उतार-चढ़ाव का नया खेल देखने को मिलता है। यहां सुबह निवेशक अपनी किस्मत का सिकंदर बनकर उठता है, लेकिन शाम होते-होते मोबाइल की स्क्रीन पर लाल निशान देखकर जीवन की नश्वरता पर चिंतन करने लगता है। बाजार में तेजी आती है तो निवेशक का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर पहुंच जाता है और गिरावट आते ही वही निवेशक अपनी आर्थिक स्थिति का हिसाब लगाने लगता है। शेयर बाजार का यह खेल जितना रोमांचक है, उतना ही जोखिम भरा भी है।



संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

बाजार में गिरावट आने पर विशेषज्ञ अक्सर सलाह देते हैं कि निवेशकों को घबराने के बजाय गंभीर और धैर्यवान रहना चाहिए। लेकिन जिस व्यक्ति की मेहनत की कमाई शेयरों के साथ लगातार नीचे जा रही हो, उसके लिए यह सलाह समझना आसान नहीं होता। निवेशक के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब उसकी जमा पूंजी घट रही हो, तब वह आखिर कितनी गंभीरता दिखाए? बाजार में तेजी के दौरान जो विशेषज्ञ किसी शेयर के भविष्य को उज्ज्वल बताते हैं, वही गिरावट आने पर लंबी अवधि के निवेश का महत्व समझाने लगते हैं। ऐसे में निवेशक के लिए सही निर्णय लेना और भी कठिन हो जाता है।

शेयर बाजार की सबसे दिलचस्प बात यह है कि तेजी के समय हर निवेशक अपनी सफलता का श्रेय अपनी समझदारी और दूरदर्शिता को देता है। चाय की दुकान से लेकर कार्यालयों तक लोग बताते हैं कि उन्होंने सही समय पर शेयर खरीदे और अच्छा मुनाफा कमाया। लेकिन बाजार में गिरावट आते ही वही लोग अपनी रणनीति बदल लेते हैं और कहने लगते हैं कि वे तो लंबे समय के निवेशक हैं। मानो उन्हें नुकसान नहीं हुआ, बल्कि वे आने वाली पीढ़ियों के लिए संपत्ति जमा कर रहे हों। बाजार की तेजी और मंदी के साथ निवेशकों की सोच में आने वाला यह बदलाव भी कम दिलचस्प नहीं है।

टेलीविजन चैनलों पर शेयर बाजार के विशेषज्ञों की अलग-अलग राय निवेशकों की उलझन और बढ़ा देती है। कोई गिरावट को खरीदारी का सुनहरा अवसर बताता है, तो कोई आगे और नुकसान की आशंका जताता है। कुछ विशेषज्ञ धैर्य रखने की सलाह देते हैं। ऐसे में आम निवेशक समझ नहीं पाता कि उसे शेयर खरीदने चाहिए, बेचने चाहिए या बाजार से कुछ समय के लिए दूरी बना लेनी चाहिए। लंबी अवधि के निवेश की सलाह भी हर परिस्थिति में समाधान नहीं हो सकती, क्योंकि हर निवेशक की आर्थिक स्थिति, जरूरतें और जोखिम उठाने की क्षमता अलग-अलग होती है।



वास्तव में शेयर बाजार में सफलता पाने के लिए केवल किस्मत या दूसरों की सलाह पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। निवेशक को अपनी आर्थिक हैसियत और जोखिम उठाने की क्षमता को समझना चाहिए। उधार लेकर शेयर बाजार में पैसा लगाना समझदारी नहीं है। इसी तरह बिना पर्याप्त जानकारी के किसी शेयर में निवेश करना भी नुकसान का कारण बन सकता है। बाजार में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक हैं, लेकिन अपनी जरूरतों और भविष्य की योजनाओं के लिए रखी गई रकम को जोखिम में डालना उचित नहीं है।

इसलिए बाजार में गिरावट आने पर न तो घबराकर जल्दबाजी में फैसले लेने चाहिए और न ही आंखें बंद करके विशेषज्ञों की सलाह पर भरोसा करना चाहिए। निवेश से पहले कंपनी, बाजार की स्थिति और संभावित जोखिमों की जानकारी लेना जरूरी है। मुनाफा होने पर विनम्रता और नुकसान होने पर विवेक बनाए रखना ही समझदारी है। आखिरकार शेयर बाजार में धैर्य महत्वपूर्ण है, लेकिन धैर्य के नाम पर बिना सोचे-समझे नुकसान उठाते रहना निवेश नहीं कहलाता। उम्मीद के साथ समझदारी और सावधानी का होना भी उतना ही आवश्यक है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद धर्मशाला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

3.49 करोड़ से घटकर 1.70 करोड़ पेटियों पर सिमटा सेब उत्पादन

6 वर्षों में सबसे कमजोर रहा सेब सीजन, पिछले साल के मुकाबले करीब 51 फीसदी लुढ़का उत्पादन, मंडियों में पहुंचीं करीब 1.40 करोड़ पेटियां

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश की आर्थिकी की रीढ़ माने जाने वाले सेब कारोबार के लिए वर्ष 2026 का सीजन बेहद निराशाजनक रहा है। बागवानों ने जिस उम्मीद के साथ सालभर अपने बगीचों में मेहनत की थी, मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों ने उन अरमानों पर पानी फेर दिया। प्रदेश में सेब तुड़ान का काम अब लगभग पूरी तरह समाप्त हो चुका है और इसके साथ ही इस वर्ष के सेब सीजन की तस्वीर भी साफ हो गई है। पिछले वर्ष जहां हिमाचल में करीब 3.49 करोड़ पेटियों का उत्पादन हुआ था, वहीं इस बार उत्पादन घटकर लगभग 1.70 करोड़ पेटियों तक सिमटने का अनुमान है। यानी पिछले वर्ष की तुलना में करीब 51 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई है। बागवानी विभाग के निदेशक डॉ. सतीश शर्मा के हवाले से सामने आए आंकड़ों के मुताबिक तीन नवंबर तक प्रदेश से करीब 1.37 करोड़ पेटियां बाजारों में पहुंच चुकी थीं। मंडियों में पहुंची फसल के अतिरिक्त मार्केट इंटरवेंशन स्कीम (एमआईएस), नियंत्रित वातावरण वाले सीए स्टोर और अन्य विपणन माध्यमों से खरीदे गए सेब को जोड़ने के बाद कुल उत्पादन का अनुमान 1.60 से 1.70 करोड़ पेटियों के बीच लगाया गया।

जानकारी के अनुसार इस बार सेब उत्पादन में गिरावट की सबसे बड़ी वजह सर्दियों में पर्याप्त बर्फबारी और ठंड का अभाव रहा। सेब के पौधों को बेहतर फूल और फल तैयार करने के लिए निश्चित अवधि तक ठंड की आवश्यकता होती है। सर्दियों में पर्याप्त चिलिंग आवर्स नहीं मिलने के कारण कई क्षेत्रों में पौधों पर अपेक्षित फूल नहीं आए। इसके बाद मार्च और अप्रैल में फूल आने तथा फल बनने की महत्वपूर्ण अवस्था के दौरान बारिश, बर्फबारी, तापमान में उतार-चढ़ाव और ओलावृष्टि ने नुकसान को और बढ़ा दिया। कहीं फूल झड़ गए तो कहीं फल की सेटिंग प्रभावित हुई। निचले और मध्यम ऊंचाई वाले सेब उत्पादक क्षेत्रों में इसका असर अधिक दिखाई दिया। शिमला जिले के कई प्रमुख सेब उत्पादक क्षेत्रों में बागवानों को सामान्य वर्षों की तुलना में काफी कम फसल मिली। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति की उम्मीद थी, लेकिन वहां भी मौसम की अनिश्चितता और बदलते तापमान ने उत्पादन को प्रभावित किया। इसका असर केवल बागवानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आढ़तियों, पेटी कारोबारियों, मजदूरों, परिवहन व्यवसाय और सेब से जुड़े अन्य छोटे कारोबारियों को भी नुकसान उठाना पड़ा।

अगर पिछले छह वर्षों के उत्पादन पर नजर डालें तो इस बार की गिरावट की गंभीरता और स्पष्ट हो जाती है। वर्ष 2021 में प्रदेश में करीब 3.05 करोड़ पेटियां, 2022 में 3.36 करोड़, 2023 में 2.11 करोड़, 2024 में 2.51 करोड़ और 2025 में लगभग 3.49 करोड़ पेटियों का उत्पादन दर्ज किया गया था। इसके मुकाबले वर्ष 2026 का अनुमानित उत्पादन केवल 1.70 करोड़ पेटियां रह गया है। इस तरह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 1.79 करोड़ पेटियों की कमी आई है। तीन नवंबर तक बाजारों में पहुंची 1,37,44,706 पेटियों का आंकड़ा भी इस संकट की गंभीरता को दर्शाता है।

प्रदेश के सेब कारोबार का सबसे बड़ा केंद्र शिमला जिला है, जिसके अलावा कुल्लू, मंडी, किन्नौर, चंबा व लाहौल-स्पीति में भी बड़े पैमाने पर सेब उत्पादन होता है। कम उत्पादन का असर इन सभी क्षेत्रों की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। हालांकि कम आपूर्ति के चलते कई चरणों में अच्छी गुणवत्ता वाले सेब को बेहतर बाजार भाव मिले, लेकिन कम फसल के कारण अच्छे दाम भी बागवानों के कुल आर्थिक नुकसान की भरपाई नहीं कर सके।

सीजन के शुरुआती दौर में उम्दा गुणवत्ता वाले सेब को कई मंडियों में 3000 से 3500 रुपये प्रति पेटी तक भाव मिला, जबकि सामान्य गुणवत्ता के सेब के दाम भी कई स्थानों पर 2000 से 3000 रुपये के बीच रहे। दूसरी ओर लाहौल घाटी में नवंबर के पहले सप्ताह तक तुड़ान जारी रहा। अमर उजाला की पांच नवंबर की रिपोर्ट के मुताबिक वहां करीब 90 फीसदी तुड़ान पूरा हो चुका था और 20 किलो की पेटी के 1300 से 1500 रुपये तक भाव मिले। लाहौल में सेब उत्पादन का क्षेत्रफल एक हजार हेक्टेयर से अधिक पहुंच चुका है और वार्षिक उत्पादन करीब 3000 से 4000 मीट्रिक टन बताया गया। इससे स्पष्ट है कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सेब का सीजन सामान्य से आगे तक चला, लेकिन कुल राज्य उत्पादन में आई भारी गिरावट की भरपाई नहीं हो सकी। इस दौरान निजी खरीदारों व कंपनियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। कम उपलब्धता के चलते बाजार में गुणवत्ता वाले सेब की मांग बनी रही, मगर बागवानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती कुल उत्पादन में आई भारी कमी रही।



एमआईएस खरीद भी रही कम

सरकार की ओर से कम गुणवत्ता वाले सेब की खरीद के लिए मार्केट इंटरवेंशन स्कीम चलाई गई। इस वर्ष पहली अगस्त से एचपीएमसी और हिमफेड के माध्यम से 213 संग्रह केंद्रों पर खरीद प्रक्रिया शुरू की गई थी। सितंबर के अंतिम सप्ताह तक सरकार ने आठ हजार मीट्रिक टन से अधिक सेब खरीदने और 17 हजार से ज्यादा बागवानों के पोर्टल पर पंजीकरण की जानकारी दी थी। नौ अक्तूबर तक एमआईएस के तहत एचपीएमसी और हिमफेड की खरीद 13,202.666 मीट्रिक टन तक पहुंचने की सूचना सामने आई थी। पिछले वर्ष करीब एक लाख मीट्रिक टन के आसपास रही निम्न गुणवत्ता वाले सेब की खरीद की तुलना में इस बार इसमें भारी कमी रही। इसकी एक वजह कम फसल और दूसरी वजह खुले बाजार में मिले अपेक्षाकृत बेहतर दाम रहे। बागवानी विभाग के शुरुआती आकलन में इस वर्ष उत्पादन में करीब एक हजार करोड़ रुपये के नुकसान की बात सामने आई, जबकि बागवान संगठनों ने वास्तविक नुकसान इससे कहीं अधिक होने की आशंका जताई। अब सेब उत्पादकों की निगाहें अगले सीजन पर टिकी हैं।

सीजन के प्रमुख आंकड़े

वर्ष	सेब उत्पादन
2021	3.05 करोड़ पेटियां
2022	**3.36 करोड़ पेटियां**
2023	2.11 करोड़ पेटियां
2024	**2.51 करोड़ पेटियां**
2025	3.49 करोड़ पेटियां
2026	**1.70 करोड़ पेटियां** (अनुमान)

शिमला के ठियोग से तीन बच्चे एक साथ लापता, इलाके में मचा हड़कंप

अनंत ज्ञान

- 15 नवंबर शाम छह बजे से नहीं लौटे घर, पुलिस और परिजन तलाश में जुटे
- नमोटी, धगाली और चिखड़ गांव के रहने वाले हैं तीनों बच्चे

ब्यूरो, शिमला। शिमला जिले के ठियोग क्षेत्र से तीन बच्चों के एक साथ रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। तीनों बच्चे 15 नवंबर की शाम करीब छह बजे से अपने घरों से लापता बताए जा रहे हैं। देर शाम तक जब बच्चे घर वापस नहीं लौटे तो परिजनों की चिंता बढ़ गई और उन्होंने अपने स्तर पर उनकी तलाश शुरू कर दी। आसपास के क्षेत्रों, संभावित ठिकानों और परिचितों से जानकारी जुटाने के बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। तीन बच्चों के एक साथ लापता होने की घटना से पूरे इलाके में चिंता और बेचैनी का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लापता बच्चों में दिव्यांश निवासी गांव नमोटी, तहसील ठियोग, आदित्य शर्मा निवासी गांव धगाली, डाकघर बलग, तहसील थियोग और शिवांश शर्मा निवासी गांव चिखड़, डाकघर संधू, तहसील थियोग शामिल हैं। बच्चों के अचानक लापता होने से परिवारों पर चिंता का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस और परिजन उनकी तलाश में जुटे हैं। आसपास के क्षेत्रों में भी लोगों से संपर्क किया जा रहा है, ताकि बच्चों के संबंध में कोई सुराग मिल सके। फिलहाल तीनों बच्चों के लापता होने के कारणों और उनके संभावित ठिकाने को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

पुलिस ने स्थानीय लोगों और आम जनता से विशेष अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति ने इन बच्चों को कहीं देखा हो या इनके संबंध में कोई छोटी से छोटी जानकारी भी प्राप्त हुई हो तो तुरंत उन्हें या उनके परिजनों को सूचित करें।

रजनी पाटिल की टिप्पणी कांग्रेस की राजनीतिक हताशा का प्रतीक: राकेश जम्वाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक राकेश जम्वाल ने कांग्रेस प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च नेतृत्व के प्रति इस तरह की बयानबाजी कांग्रेस की राजनीतिक हताशा और बौखलाहट को दर्शाती है। कांग्रेस जनता के सवालों और अपनी नाकामियों का जवाब देने के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियों का सहारा ले रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि हिमाचल में अधूरी गारंटियों, अव्यवस्था और जनविरोधी नीतियों के चलते कांग्रेस सरकार के प्रति जनता का विश्वास लगातार कमजोर हो रहा है और आगामी चुनाव में सत्ता जाने का भय कांग्रेस नेतृत्व को परेशान कर रहा है। जम्वाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को मजबूत करने के लिए काम किया है। राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन व्यक्तिगत अपमान किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने रजनी पाटिल से अपनी टिप्पणियों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि ऐसा नहीं होने पर भाजपा पूरे हिमाचल प्रदेश में व्यापक लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर कांग्रेस की इस बयानबाजी का विरोध करेंगे।



पेंशनरों को सड़कों पर उतरने को मजबूर करना सरकार की संवेदनहीनता का प्रमाण : कर्ण नंदा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। भाजपा के प्रदेश मीडिया संयोजक कर्ण नंदा ने शिमला के सीटीओ में धरने पर बैठे हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष समिति के सदस्यों से मुलाकात कर उनकी मांगों का समर्थन किया। उन्होंने पेंशनरों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि भाजपा उनके अधिकारों और सम्मान की लड़ाई में मजबूती से साथ खड़ी है। कर्ण नंदा ने कहा कि प्रदेश के जिन कर्मचारियों और अधिकारियों ने अपने जीवन के 30 से 35 वर्ष हिमाचल की सेवा और विकास में समर्पित किए, आज उन्हीं वरिष्ठ नागरिकों को अपने हक के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। यह स्थिति प्रदेश सरकार की संवेदनहीनता और पेंशनरों के प्रति उसकी उदासीनता को उजागर करती है।

कर्ण नंदा ने कहा कि पेंशनरों की लंबित महंगाई राहत, चिकित्सा बिलों के भुगतान और अन्य वित्तीय देनदारियों का समाधान करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। पेंशन कोई सरकारी खैरात नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत और समर्पित सेवाओं से अर्जित अधिकार है। सेवानिवृत्ति के बाद बुजुर्गों को आर्थिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध करवाना सरकार का दायित्व है।

उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से आग्रह किया कि पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों के साथ तत्काल वार्ता कर उनकी मांगों के समाधान के लिए समयबद्ध कार्ययोजना बनाई जाए। केवल घोषणाओं और आश्वासनों से पेंशनरों की परेशानियां दूर नहीं होंगी, बल्कि सरकार को जमीनी स्तर पर ठोस फैसले लेने होंगे। उन्होंने कहा कि जीवनभर प्रदेश की सेवा करने वाले बुजुर्गों को इस उम्र में अपने परिवार के साथ सम्मानपूर्वक जीवन बिताना चाहिए, न कि अपने अधिकारों के लिए धरने-प्रदर्शन करने पड़ें। चिकित्सा जरूरतों और आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे पेंशनरों की समस्याओं को अनदेखा करना उचित नहीं है। भाजपा उनके जायज अधिकारों की आवाज हर उचित मंच पर उठाती रहेगी। कर्ण नंदा ने सरकार को चेताया कि पेंशनरों के धैर्य की परीक्षा न ली जाए और उनकी लंबित मांगों का अविलंब समाधान सुनिश्चित किया जाए।



शिमला में पेंशनरों से बातचीत करते कर्ण नंदा। अनंत ज्ञान

उमेश कुमार शर्मा को इंटक प्रदेश महासचिव की कमान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस ने अपने संगठनात्मक ढांचे को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। संगठन ने प्रदेश स्तर पर बड़ा बदलाव करते हुए उमेश कुमार शर्मा को इंटक हिमाचल प्रदेश का महासचिव नियुक्त किया है। इस नियुक्ति को प्रदेश में संगठन की गतिविधियों को व्यवस्थित करने, प्रशासनिक कार्यों को गति देने और श्रमिकों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इंटक हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष एवं नालागढ़ के विधायक हरदीप सिंह बाबा ने 16 नवंबर 2026 को इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना जारी कर नियुक्ति की घोषणा की। जारी आदेश के अनुसार उमेश कुमार शर्मा की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। इस फैसले के साथ ही उन्हें प्रदेश स्तर पर संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कुल्लू जिले के बाजौरा निवासी उमेश कुमार शर्मा की नियुक्ति को संगठन के प्रदेश स्तरीय नेतृत्व में एक अहम जिम्मेदारी के रूप में देखा जा रहा है। इंटक जैसे श्रमिक संगठन में प्रदेश महासचिव का पद केवल औपचारिक जिम्मेदारी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि संगठन की गतिविधियों के संचालन, विभिन्न इकाइयों के बीच समन्वय और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रदेश महासचिव के रूप में शर्मा को संगठन से जुड़े विभिन्न मामलों को व्यवस्थित करने और प्रदेश स्तर पर चल रहे कार्यों को गति देने की जिम्मेदारी निभानी होगी। उनकी नियुक्ति से संगठन के कामकाज में बेहतर तालमेल स्थापित होने की उम्मीद जताई जा रही है।

हरियाणा से पकड़ा चिट्टे का मुख्य सप्लायर

ठियोग-कोटखाई में करता था नशे की सप्लाई, 49 ग्राम हेरोइन व 1.02 लाख रुपए बरामद

- पुलिस ने पिंजौर में दबिश देकर किया गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

सप्लाई चेन तोड़ने के लिए पुलिस ने तेज किया अभियान

शिमला पुलिस का कहना है कि नशे के खिलाफ अभियान को और प्रभावी बनाया जाएगा। स्थानीय स्तर पर नशे की खेप पकड़ने के साथ-साथ उसके स्रोत, मुख्य सप्लायरों, आर्थिक लेनदेन और अंतरराज्यीय संपर्कों की गहन जांच की जा रही है। पुलिस का मानना है कि नशे के कारोबार पर स्थायी रोक लगाने के लिए पूरे सप्लाई नेटवर्क को ध्वस्त करना जरूरी है। हरियाणा के पिंजौर में की गई यह कार्रवाई इसी रणनीति का हिस्सा है।

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। प्रदेश की राजधानी शिमला जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए चिट्टे की सप्लाई करने वाले कथित मुख्य सप्लायर को हरियाणा से गिरफ्तार किया है। ठियोग और कोटखाई क्षेत्र में नशे की खेप पहुंचाने वाले नेटवर्क की कड़ियां जोड़ते हुए पुलिस ने हरियाणा के पंचकूला जिले के पिंजौर में दबिश देकर ठियोग निवासी ओमकार उर्फ ओमी को गिरफ्तार किया। आरोपी लंबे समय से पिंजौर में रहकर मोबाइल फोन के माध्यम से हिमाचल के विभिन्न क्षेत्रों में चिट्टे की आपूर्ति कर रहा था। पुलिस ने उसके ठिकाने की तलाशी के दौरान 49 ग्राम अतिरिक्त चिट्टा (हेरोइन), 1,02,500 रुपए नकद और एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद किया है। इस मामले में अब तक कुल करीब 72 ग्राम चिट्टा बरामद किया जा चुका है। पुलिस की यह कार्रवाई नशे के कारोबार की जड़ों तक पहुंचने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मामले की शुरुआत 12 नवंबर को हुई थी, जब ठियोग पुलिस ने कोटखाई तहसील के पपिल क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए भूषण (37) और सुरेश (39) को गिरफ्तार किया था। दोनों के कब्जे से 23 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ था। इसके बाद 13 नवंबर को पुलिस थाना ठियोग में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपियों से पूछताछ और उनके कॉल डिटेल रिकॉर्ड के विश्लेषण के दौरान पुलिस को पता चला कि वे ठियोग निवासी ओमकार उर्फ ओमी से चिट्टा खरीदते थे। आरोपी पिंजौर में रहकर फोन के माध्यम से नशे की खेप की आपूर्ति करता था और इसके बदले नकद भुगतान लेता था। पुलिस ने इसके बाद वित्तीय लेनदेन और सप्लाई नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ते हुए जांच आगे बढ़ाई। बैकवर्ड लिंकेज के आधार पर मुख्य सप्लायर की पहचान होने के बाद शिमला पुलिस की विशेष टीम हरियाणा भेजी गई। टीम ने 15 नवंबर को पिंजौर में दबिश देकर ओमकार को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान 49 ग्राम अतिरिक्त चिट्टा, नकदी और इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद हुआ।

पुलिस जांच में सामने आया है कि ओमकार के खिलाफ वर्ष 2021 के दौरान पुलिस थाना ठियोग में एनडीपीएस अधिनियम के तहत दो मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी हरियाणा में रहकर ठियोग और कोटखाई क्षेत्र में नशे की सप्लाई कर रहा था। शिमला पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2026 में अब तक विशेष अभियान के तहत बाहरी राज्यों से 94 मुख्य सप्लायर गिरफ्तार किए जा चुके हैं। वर्ष 2025 में आठ और वर्ष 2024 में 15 मुख्य सप्लायरों को गिरफ्तार किया गया था। वहीं, बैकवर्ड लिंकेज के आधार पर वर्ष 2026 में अब तक 70 अंतरराज्यीय नशा तस्करी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इसके मुकाबले वर्ष 2025 और 2024 में चार-चार नेटवर्क पर कार्रवाई हुई थी।

संजौली में छठ पूजा पर उमड़ा जनसैलाब दिखी बिहार की सांस्कृतिक झलक

अनंत ज्ञान

शिमला। राजधानी शिमला के संजौली में छठ पूजा के अवसर पर आस्था और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। बावड़ी के पास सुबह से ही बिहार मूल के श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही। छठी मैया के जयकारों, पारंपरिक गीतों और सूर्य उपासना से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं की मौजूदगी के बीच संजौली का नजारा ऐसा था, मानो पहाड़ों के बीच बिहार का कोई घाट सज गया हो।

36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत रखने वाले व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद उन्होंने विधि-विधान से व्रत का पारण किया। सुबह करीब पांच बजे से ही पूजा स्थल पर लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। महिलाएं और पुरुष हाथों में पूजा की टोकरी लेकर पहुंचे। इनमें फल, ठेकुआ और अन्य पारंपरिक प्रसाद रखा गया था। श्रद्धालु सूर्य देव की आराधना में लीन नजर आए।

छठ पर्व के दौरान संजौली में बिहार की लोक संस्कृति और परंपराओं की झलक देखने को मिली। रोजगार और बेहतर भविष्य की तलाश में शिमला में बसे बिहार के लोगों ने अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव बनाए रखने का संदेश दिया। बिहार के दरभंगा निवासी भैरव गुप्ता ने बताया कि वह पिछले 15 वर्षों से संजौली में छठ पर्व मना रहे हैं। हर साल श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है, लेकिन आयोजन के अनुरूप सुविधाओं का विस्तार नहीं हुआ है। बावड़ी के आसपास सीमित जगह होने के कारण भीड़ बढ़ने पर व्रतियों को पूजा करने में परेशानी होती है।

अनंत Classifieds

नाम परिवर्तन

मैं, सुशांत कुमार कश्यप (30) पुत्र मुनी लाल निवासी गांव भरज्वाणु डाकघर जुगाहन तहसील सुंदरनगर जिला मंडी हिमाचल प्रदेश आधार नंबर-886153191471 घोषणा करता हूं कि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम सुशांत गलत दर्ज हो गया है। मेरा सही नाम सुशांत के स्थान पर सुशांत कुमार कश्यप (Sushant Kumaar Kashyap) है।

बेदखली सूचना

मैं गोपाल बहादुर, आयु 56 वर्ष पुत्र श्री जीत बहादुर निवासी क्वाटर न. एस-2/188 बी.बी.एम.बी. कलौनी सुन्दरनगर डा. बी.बी.एम.बी. कलौनी सुन्दरनगर जिला मण्डी हि0प्र0 का हूं निम्न ब्यान करता हूं। यह कि मेरे दो बेटे हैं जिनके नाम हरपाल सिंह व बोध राज है। छोटा लड़का बोध राज मेरे साथ रहता है व बड़ा लड़का हरपाल सिंह व मेरी पत्नी आशा देवी काफी समय से मेरे साथ नहीं रहते मेरे से अलग रहते हैं। यह कि मेरा बड़ा बेटा हरपाल सिंह आयु 31 वर्ष मेरे कहने से बाहर है और मुझे फोन पर डराता धमकाता व जान से मारने की धमकी देता है और न ही मेरी देखभाल करता है। यह कि इन परिस्थितियों में मैं अपने बड़े बेटे हरपाल सिंह को अपनी सभी प्रकार की चल, अचल सम्पति से बेदखल करता हूं। अब मेरे बड़े लड़के हरपाल सिंह का मेरे व मेरे परिवार के साथ किसी भी प्रकार का कोई वास्ता न है अगर यह किसी भी प्रकार का किसी से भी लेन देन तथा अन्य कोई भी अपराधिक कार्य करता है तो इस परिस्थिति में वह स्वंय जिम्मेवार होगा मेरा व मेरे परिवार का इससे किसी भी प्रकार का सम्बन्ध व जिम्मेवारी नहीं होगी।

व अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी शाहपुर जिला कांगड़ा हि0प्र0।
मुकदमा इन्द्राज सेहत नाम
पेशी 05.12.2026
ललिता देवी पुत्री श्री पूरन चंद निवासी महाल महाकाली मौजा लदवाडा तहसील शाहपुर जिला कांगड़ा हि0प्र0 अब पत्नि श्री जीत सिंह निवासी गांव व डाकघर चकवन शमिरपुर तहसील व जिला कांगड़ा हि0प्र0।
बनाम आम जनता
विषय- दरुस्ती नाम हि0प्र0रा0 अधिनियम 1954 की जेर धारा 37 के तहत महाल महाकाली मौजा लदवाडा में नाम दरुस्ती वारे। उपरोक्त मुकदमा वारे प्रार्थी ने इस न्यायालय में प्रार्थना पत्र गुजारा है जिसमें लिखा है उनका सही नाम ललिता देवी पुत्री श्री पूरन चंद निवासी गांव महाकाली तहसील शाहपुर जिला कांगड़ा हि0प्र0 है। जबकि महाल महाकाली मौजा लदवाडा में उनका नाम विजय कुमारी दर्ज है जो कि गलत इन्द्राज हुआ है। प्रार्थीया उक्त नाम को दरुस्त करके ललिता देवी पुत्री श्री पूरन चंद महाल महाकाली मौजा लदवाडा में दर्ज करवाना चाहती है। अतः उक्त प्रार्थना पत्र के संदर्भ में उपरोक्त नाम की दरुस्ती वारे किसी को कोई एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन इस अदालत में दिनांक 05.12.2026 को दोपहर बाद 2 बजे हाजिर आ सकता है। हाजिर न आने की स्थिती में एकतरफा कार्यवाही अम्ल में लाई जाकर आगामी आदेश पारित कर दिए जाएंगे और बाद में कोई भी उजर या एतराज जेरे समायत न होगा। आज दिनांक 16-11-26 को मेरी मोहर व हस्ताक्षर सहित जारी हुआ।
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी शाहपुर जिला कांगड़ा हि0प्र0।

व अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी शाहपुर जिला कांगड़ा, हि.प्र.
मुकदमा - Application u/s 104(iii)
पेशी. 19.05.2026
प्रभात सिंह, मंगत राम पुत्र गुग पुत्र लैहणु निवासी धर्मशाल मौजा भनाला तहसील शाहपुर जिला कांगड़ा हि0प्र0। ...*वादी*
बनाम- नरदेव सिंह, निर्मल सिंह पुत्र सरस्वती, कल्याण सिंह पुत्र वीरबल, सुन्द्र सिंह, मुलतान सिंह, चगर सिंह पुत्र लरजा, चतर सिंह उपनाम मदन लाल पुत्र व कुमो देवी, सरोज कुमारी कुशला देवी पुत्रियां चन्दू राम, आर्यन पुत्र व कुमारी उपनाम पुत्री व स्नेहलता विध्वा रणधीर सिंह निवासी धर्मशाल मौजा भनाला, श्रीमति रेलो विध्वा टेक चंद निवासी रेहलु, महिन्द्र सिंह, नेरन्द्र सिंह पुत्र व श्रीमति ब्यासा देवी, पुष्पा देवी पुत्रीया रसीला राम निवासी महाल धर्मशाल मौजा भनाला तहसील शाहपुर जिला कांगड़ा हि0प्र0।
विषय- ईशतहार के माध्यम से नोटिस वावत प्रार्थना पत्र वावत Application u/s 104(iii) for attestation of mutation के तहत गैर-मौरसी खाता न 167 मिन खतोनी न0 264 मिन खसरा किता-7 रक्वा तदादी 00-37-46 है0 स्थित महाल धर्मशाल मौजा भनाला तहसील शाहपुर जिला कांगड़ा हि0प्र0।
उपरोक्त मुकदमा इस न्यायालय में इन्तकाल तस्दीक होने हेतु विचाराधीन है, जिसमें उपरोक्त में से कुछ प्रतिवादीगण को बार-बार नोटिस तहसीलदार शाहपुर के पास से जारी किए गए, परन्तु उन प्रतिवादी को सामान्य तरीके से समन की तामील नहीं हो पा रही है। अत महाल धर्मशाल में ईशतहार के माध्यम से एक बार पुनः प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि इस वादग्रस्त भूमि की Application u/s 104(iii) for attestation of mutation असालतन या वकालतन इस अदालत में दिनांक 30.11.2026 को 11.00 (राजस्व लोक अदालत) बजे इस न्यायालय में हाजिर आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकते हैं। हाजिर न आने की स्थिति में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर आगामी आदेश पारित कर दिए जाएंगे ओर बाद में कोई भी उजर या एतराज जेरे समायत न होगा। आज दिनांक 16.11.26 को मेरी मोहर व हस्ताक्षर सहित जारी हुआ।
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी शाहपुर जिला कांगड़ा, हि.प्र.

BEFORE THE COURT OF LAND REFORM OFFICER-CUM-TEHSIL-DAR (Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh)
Case Type: Original
Case Sub Type: Section 104 of H.P. Tenancy and Land Reforms Act, 1972
Nature of Case: Tenancy
Case No.: 7035152/2026
Date of Institution: 20/03/2026
Date of Hearing: 21.11.2026
In the matter of: 1. Om Parkash s/o Rattnu Alias Rattan Chand, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh. 2. Ram Lal s/o Rattnu Alias Rattan Chand, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi. Himachal Pradesh. ...*Applicants/Petitioners*
VERSUS- 1. Karam Chand s/o Lakhu, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi. Himachal Pradesh. 2. Bihari Lal s/o Lakhu, Village Dohag. Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh. 3. Larja Devi d/o Chaman, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh. 4. Darshna Devi d/o Chaman, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh. 5. Morsa Devi d/o Chaman, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh. 6. Beena Devi d/o Chaman, Village Dohag. Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh. 7. Atul Kumar s/o Mehar Chand, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh. 8. Nakul Kumar s/o Mehar Chand, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh. 9. Radha Kumari d/o Mehar Chand, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh. 10. Sunita Devi w/o Mehar Chand, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh. 11. Ashok Kumar s/o Painu Ram, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh. 12. Krishna Devi w/o Painu Ram, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh. 13. Sheela Devi w/o Painu Ram, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh. 14. Kamla d/o Situ, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh. 15. Malka, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh. 16. Ramesh s/o Saran, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh. 17. Guddi Alias Chajan d/o Saran, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh. ...*Respondents.*
18. Nimo Devi d/o Rattnu Alias Rattan Chand, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar. District Mandi, Himachal Pradesh. 19. Ilachi d/o Rattnu Alias Rattan Chand, Village Dohag, Tehsil Jogindernagar, District Mandi, Himachal Pradesh ...*Proforma Respondents*
"PROCLAMATION NOTICE"
Whereas, the above-titled case under Section 104 of the H.P. Tenancy Act, 1972, is pending adjudication before this Court. Hence, the respondents are hereby called upon to appear before this Court and file objections, if any. Therefore, through the medium of this Proclamation Notice, all the above-named respondents (No. 1 to 17) and peroforma respondents (No. 18 to 19) as well as the general public are hereby informed and called upon to appear before this Court on 21-11-2026 at 11:00 AM, either personally or through their duly authorized representative, and to file their objections, if any, against the application under Section 104 of the H.P. Tenancy and Land Reforms Act, 1972. It is further made clear that in case of failure to appear before this Court on the aforesaid date and time, the matter shall be proceeded with and decided in accordance with law, including ex-parte proceedings against the absent respondents, if warranted.
Given under my hand and seal of this Court on this 05th day of November, 2026.
Dated: 05-11-2026
Place: Jogindernagar
LAND REFORM OFFICER-CUM-TEHSILDAR
Tehsil Jogindernagar, Distt. Mandi, (H.P.)

कार्यक्रम राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर शिमला में पत्रकारों को निष्पक्षता, तथ्यपरकता व जिम्मेदारी का दिया संदेश

पत्रकारिता की विश्वसनीयता बनाए रखना जरूरी: डीसी

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने कहा कि

न्यूज ब्रीफ

सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाइजर के 60 पदों के लिए कैंपस इंटरव्यू आज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। सिस इंडिया लिमिटेड हमीरपुर द्वारा सिक्योरिटी गार्ड एवं सुपरवाइजर (केवल पुरुष) के 60 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए 17 नवंबर को सुबह 11 बजे जिला रोजगार कार्यालय कुल्लू में कैंपस इंटरव्यू आयोजित होगा। अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता दसवीं पास और आयु 19 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। चयनित उम्मीदवारों को 19,000 से 24,000 रुपए मासिक वेतन मिलेगा। कार्यस्थल हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ रहेगा। इच्छुक अभ्यर्थी मूल दस्तावेज, हिमाचली प्रमाण पत्र, रोजगार पंजीकरण प्रमाण पत्र और दो पासपोर्ट साइज फोटो लेकर पहुंचें। रोजगार कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए 01902-222522 पर संपर्क करें।

मनाली में राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया, पत्रकारिता की स्वतंत्रता और जिम्मेदारी पर किया मंथन



अनंत ज्ञान, मनाली। मनाली के परिधि गृह में राष्ट्रीय प्रेस दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष विद्या नेगी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में पत्रकारिता सनसनी या जिम्मेदारी विषय पर चर्चा हुई। प्रेस क्लब अध्यक्ष जसवंत ठाकुर ने अतिथियों का स्वागत किया। विद्या नेगी ने कहा कि पत्रकारिता की स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए सही तथ्यों को जनता तक पहुंचाना जरूरी है। पत्रकारों को अपने पेशे के मानकों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव से कई बार अनावश्यक सनसनी फैलती है, जिससे महत्वपूर्ण मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। जिम्मेदार पत्रकारिता के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है।

प्रेस दिवस पर केलांग में जिम्मेदार एवं निष्पक्ष पत्रकारिता पर हुई सार्थक चर्चा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। प्रेस दिवस के अवसर पर आज जिला मुख्यालय केलांग स्थित ओल्ड सर्किट हाउस में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त लाहौल-स्पीति निवेदिता नेगी ने की। जिसमें उपायुक्त का टोपी व खतग पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों, पत्रकारों ने भाग लिया। जिला लाहुल स्पीति प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्याम आजाद भी उपस्थित रहे और उनका भी टोपी व खतग पहनाकर स्वागत किया गया। इस वर्ष प्रेस दिवस की थीम 'पत्रकारिता : सनसनी या जिम्मेदारी' रखी गई थी। इस विषय पर कार्यक्रम के दौरान सार्थक और चर्चा हुई। चर्चा में पत्रकारिता के बदलते स्वरूप, मीडिया की सामाजिक जिम्मेदारी तथा समाचारों की विश्वसनीयता बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। उपायुक्त निवेदिता नेगी ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार है और समाज को जागरूक करने के साथ-साथ जनहित के मुद्दों को सामने लाने में मीडिया की अहम भूमिका रहती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण सूचनाओं का प्रसार बेहद तेज हो गया है। ऐसे में पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ी चुनौती तथ्यों की प्रमाणिकता और विश्वसनीयता बनाए रखना है। समाचारों को सनसनीखेज बनाने के बजाय तथ्यों पर आधारित, निष्पक्ष और जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से प्रस्तुत करना आवश्यक है।उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का उद्देश्य केवल लोकप्रियता हासिल करना या लोगों का ध्यान आकर्षित करना नहीं होना चाहिए, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए सही एवं प्रमाणिक जानकारी जनता तक पहुंचाना होना चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से आग्रह किया कि वे किसी भी समाचार को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले उसकी पूरी तरह पुष्टि करें तथा जनहित से जुड़े विषयों को प्राथमिकता दें।

पर्यटकों से भरी टेंपो ट्रेवलर दुर्घटनाग्रस्त चालक सहित 12 लोग हुए घायल

कुल्लू जिले की मणिकर्ण घाटी के सरसाड़ी में हुआ सड़क हादसा

- क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में चल रहा सभी घायलों का उपचार

अनंत ज्ञान





ब्यूरो, कुल्लू। कुल्लू जिला के भुंतर-मणिकर्ण मार्ग पर सरसाड़ी के समीप पर्यटकों से भरा एक टेंपो ट्रैवलर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दोपहर के समय हुए इस हादसे में वाहन चालक समेत कुल 12 लोग घायल हो गए हैं।

दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और सभी घायलों को तुरंत एंबुलेंस व अन्य वाहनों की मदद से ढालपुर स्थित क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू पहुंचाया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। पुलिस से मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह सभी सैलानी पहले मनाली घूमने आए थे और वहां से टेंपो ट्रैवलर में सवार होकर मणिकर्ण व कसोल की ओर जा रहे थे। वाहन में सवार सभी लोग आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं, जो मुख्य रूप से ओडिशा के सत्यनगर (खोड़धा) और हरियाणा के पानीपत के रहने वाले हैं। सफर के दौरान जब गाड़ी सरसाड़ी के पास पहुंची, तो अचानक वह सड़क से नीचे लुढ़क गई। अचानक हुए इस हादसे से पर्यटकों में हड़कंप मच गया।सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही कुल्लू पुलिस की टीम तुरंत हरकत में आई और मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और यह हादसा किन कारणों (जैसे तकनीकी खराबी या वाहन अनियंत्रित होना) से हुआ, इसकी गहन छानबीन शुरू कर दी है। कुल्लू के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिषेक एस ने घटना की पुष्टि की है।

घायल

दुर्घटनाग्रस्त वाहन एचआर 67D 3613 में कुल 12 व्यक्ति सवार थे, जिनमें 11 यात्री तथा चालक शामिल थे। दुर्घटना में सभी को चोटें आई हैं। घायलों की पहचान शुभा सुमिता जैना (29 वर्ष), सुष्मिता जैना (55 वर्ष), रंजन जैना (67 वर्ष), मंजु रानी जैना (58 वर्ष), तापस कुमार जैना (31 वर्ष), रश्मि रंजन जैना (58 वर्ष), शरद दास (58 वर्ष), दिवांशु शेखर (08 वर्ष), गायत्री (28 वर्ष), दिव्य कान्त प्रधान (32 वर्ष), सरिता दास (50 वर्ष), सभी उड़ीसा भुवनेश्वर एक ही परिवार से संबंधित हैं तथा चालक सुनील (34 वर्ष) निवासी हरियाणा के रूप मे हुई है।

निबंध लेखन में जागृति और प्रश्नोत्तरी में प्रियंशु रहे अव्वल



अनंत ज्ञान

निरमंड। पीएमश्री राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय निरमंड में सोमवार को इलेक्टोरल साक्षरता क्लब के तत्वावधान में खंडस्तरीय निबंध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें खंड के नौ विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तरी तथा 10 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तवार के प्रियंशु ने प्रथम, खरगा के आयुष ने द्वितीय और रंदल की संगीता ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं, निबंध लेखन प्रतियोगिता में पीएमश्री विद्यालय निरमंड की जागृति प्रथम, खरगा के पीयूष द्वितीय और तवार की आयुषी तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिताओं के आयोजन में राजनीति विज्ञान प्रवक्ता राकेश कुमार और अंग्रेजी प्रवक्ता श्याम स्वरूप रांटा ने अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम के समापन पर तहसीलदार निरमंड रजत शर्मा ने विजेता विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। कार्यवाहक प्रधानाचार्य डॉ. बबिता कश्यप ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित सभी छह विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में चुनावी जागरूकता और ज्ञान बढ़ाने में सहायक हैं। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रतिभागियों, शिक्षकों और आयोजक टीम का आभार व्यक्त किया।

पुलिस कांस्टेबल भर्ती की शारीरिक परीक्षाएं पूरी, 903 अभ्यर्थी सफल

अनंत ज्ञान

- 533 पुरुष और 370 महिलाएं अगले चरण के लिए चयनित

ब्यूरो, कुल्लू। जिला कुल्लू में पुलिस कांस्टेबल भर्ती-2026 के तहत आयोजित शारीरिक मानक परीक्षा (पीएसटी) और शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) की प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हो गई है। जिला पुलिस ने भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और सुव्यवस्थित तरीके से पूरा करवाया है। इन परीक्षाओं के परिणाम भी घोषित कर दिए गए हैं।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार भर्ती प्रक्रिया के तहत कुल 5,681 अभ्यर्थियों को शारीरिक परीक्षाओं के लिए बुलाया गया था। इनमें 3,798 पुरुष और 1,883 महिला अभ्यर्थी शामिल थीं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित परीक्षाओं में कुल 4,020 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इनमें 2,637 पुरुष और 1,383 महिला अभ्यर्थी उपस्थित रहे। शारीरिक मानक और दक्षता परीक्षाओं के विभिन्न चरणों को पूरा करने के बाद कुल 903 अभ्यर्थियों को आगामी चयन प्रक्रिया के लिए योग्य घोषित किया गया है। सफल अभ्यर्थियों में 533 पुरुष और 370 महिलाएं शामिल हैं। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक कुल्लू अभिषेक एस ने कहा कि जिला में कांस्टेबल भर्ती के तहत पीएसटी और पीईटी की पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता, निष्पक्षता और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न करवाई गई है। उन्होंने बताया कि इस चरण में सफल रहे सभी 903 अभ्यर्थी अब भर्ती की आगामी चयन प्रक्रिया में भाग लेने के पात्र होंगे। एसपी ने कहा कि जिला पुलिस युवाओं को भर्ती प्रक्रिया में निष्पक्ष और सुव्यवस्थित अवसर उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्रमिक कल्याण बोर्ड की सुविधाओं से वंचित निर्माण मजदूरों ने किया प्रदर्शन

श्रमिक कल्याण बोर्ड कार्यालय के बाहर मजदूरों ने जताया रोष, लंबित सुविधाएं शीघ्र जारी करने की उठाई मांग

अनंत ज्ञान



ब्यूरो, कुल्लू। भवन एवं सड़क निर्माण मजदूर यूनियन (सीटू) जिला कमेटी कुल्लू के नेतृत्व में निर्माण मजदूरों ने श्रमिक कल्याण बोर्ड कार्यालय कुल्लू के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया।

इस दौरान मजदूरों ने पिछले चार वर्षों से श्रमिक कल्याण बोर्ड के माध्यम से मिलने वाली विभिन्न सुविधाएं न मिलने पर प्रदेश सरकार के प्रति भारी रोष प्रकट किया। मजदूरों ने कहा कि पिछले चार वर्षों से श्रमिक कल्याण बोर्ड में पंजीकृत निर्माण मजदूरों को मिलने वाली सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। एक तरफ मजदूरों को उनकी जायज सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ वेरिफिकेशन के नाम पर मजदूरों को डराया जा रहा है। निर्माण मजदूरों को हर वर्ष मिलने वाले लाभ सरकार जारी नहीं कर रही है, जिसके कारण मजदूरों और उनके परिवारों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यूनियन ने कहा कि मजदूरों की लंबित मांगों को लेकर मजदूर संगठन लगातार संघर्ष और प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन प्रदेश सरकार मजदूरों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रही है। सरकार मजदूरों का शोषण कर रही है। श्रमिक कल्याण बोर्ड में मजदूरों द्वारा जमा की गई राशि मजदूरों के कल्याण और सुविधाओं पर खर्च करने के बजाय सरकार विज्ञापनों पर खर्च कर रही है। मजदूरों ने मांग की कि वर्ष 2021-22 से लंबित छात्रवृत्ति, विवाह सहायता, प्रसूति एवं चिकित्सा सुविधाओं सहित सभी लाभ जल्द जारी किए जाएं। 10 जुलाई 2026 को राज्य श्रमिक कल्याण बोर्ड हमीरपुर द्वारा जारी अधिसूचना के आधार पर काम शुरू किया जाए। अधिसूचना जारी होने के बावजूद अभी तक इस पर काम नहीं हो रहा है। मुख्यमंत्री आवास योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मिलने वाली नगद सहायता पंजीकृत मजदूरों के बैंक खातों में दी जाए। श्रमिक कल्याण बोर्ड में प्रवासी मजदूरों का पंजीकरण सरल किया जाए।मजदूरों ने यह भी मांग की कि सुविधाओं के लिए जमा करवाए गए फॉर्म बार-बार वापस न किए जाएं। फॉर्म की समय पर जांच की जाए और यदि उनमें कोई कमी हो तो उसी समय मजदूरों को बताया जाए, ताकि उन्हें बार-बार अपने वार्षिक कार्य दिवसों का प्रमाण देने और कार्यालय के चक्कर लगाने की परेशानी न उठानी पड़े। किसान-मजदूर नेता नारायण चौहान, सीटू जिला सचिव चमन ठाकुर, रामचंद, धर्मपाल आदि ने कहा कि निर्माण मजदूर प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद सरकार मजदूरों को उनके अधिकारों और सुविधाओं से वंचित कर रही है। मजदूरों ने अपनी मेहनत की कमाई से श्रमिक कल्याण बोर्ड में अंशदान जमा करवाया है, इसलिए उन्हें मिलने वाली सुविधाएं उनका अधिकार हैं।प्रदर्शन के अंत में मजदूरों की मांगों को लेकर श्रम कल्याण अधिकारी कुल्लू को मांग पत्र भी सौंपा गया। यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि मजदूरों की मांगों को शीघ्र नहीं माना गया और लंबित सुविधाएं जारी नहीं की गईं, तो आने वाले समय में श्रमिक कल्याण अधिकारी का घेराव किया जाएगा। मजदूर यूनियन ने स्पष्ट किया कि मजदूरों के अधिकारों और उनकी सुविधाओं की बहाली के लिए संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर कुल्लू में संगोष्ठी आयोजित पत्रकारिता में जिम्मेदारी व निष्पक्षता पर हुआ मंथन

अनंत ज्ञान



ब्यूरो, कुल्लू। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर बहुउद्देशीय भवन कुल्लू में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त डॉ. अमित कुमार शर्मा ने की। इस अवसर पर भारतीय प्रेस परिषद की ओर से प्रस्तावित 'पत्रकारिता : सनसनी या जिम्मेदारी' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें जिला मुख्यालय के विभिन्न समाचार पत्रों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के वरिष्ठ पत्रकारों सहित प्रेस क्लब सैंज और बंजार के पत्रकारों ने भाग लिया तथा पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं पर विचार साझा किए।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए उपायुक्त डॉ. अमित कुमार शर्मा ने कहा कि प्रेस लोकतंत्र के चार स्तंभों में से एक है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर वर्तमान समय तक पत्रकारिता ने राष्ट्र के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारतीय मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्द्धन में भी मीडिया का योगदान सराहनीय रहा है। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए सभी पत्रकारों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दिवस पत्रकारिता के उच्च मूल्यों और सिद्धांतों पर चलते हुए जिम्मेदारी से कार्य करने की प्रेरणा देता है। वरिष्ठ पत्रकारों को अपने अनुभव युवा पत्रकारों के साथ साझा करने चाहिए, ताकि नई पीढ़ी पत्रकारिता की मूल्य आधारित विरासत से परिचित हो सके।

उपायुक्त ने कहा कि आधुनिक तकनीक के दौर में मिस-इन्फॉर्मेशन और डिस-इन्फॉर्मेशन के बीच सही एवं विश्वसनीय जानकारी लोगों तक पहुंचाना मीडिया की बड़ी जिम्मेदारी बन गई है। वास्तविकता एक ही होती है, लेकिन कई बार उसे समझना जटिल होता है। ऐसे में पत्रकारों को अधिक सजग और सतर्क रहकर तथ्यों की पुष्टि के बाद ही समाचार प्रकाशित करने चाहिए। संगोष्ठी में युवा पत्रकार अनुरंजनी गौतम, खेम चंद सोनी और राजीव ने समाचारों में संतुलन बनाए रखने तथा खबर प्रकाशित करते समय सभी पक्षों को समान अवसर देने के महत्व पर विचार रखे। वरिष्ठ पत्रकार शशिभूषण पंडित ने पत्रकारिता के सामाजिक सरोकारों पर प्रकाश डाला, जबकि अभिनव वशिष्ट ने पेशेवर मूल्यों और नैतिकता पर अपने विचार साझा किए। धनेश गौतम ने पत्रकारिता के दायित्वों के निर्वहन में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। वहीं, वयोवृद्ध पत्रकार एवं प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) से जुड़े रमेश पठानिया ने कहा कि किसी भी समाचार को प्रकाशित करने से पहले उसके स्रोत की विश्वसनीयता सुनिश्चित करना और तथ्यों की पूरी तरह पुष्टि करना बेहद जरूरी है। इस अवसर पर सहायक लोक संपर्क अधिकारी जय प्रकाश शर्मा ने उपायुक्त डॉ. अमित कुमार शर्मा तथा उपस्थित सभी मीडिया प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

संजय भारद्वाज बने भारतीय किसान संघ हिमाचल के प्रचार-प्रसार समिति के सदस्य

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। भारतीय किसान संघ हिमाचल प्रदेश की दो दिवसीय प्रतिनिधि बैठक में संजय भारद्वाज को भारतीय किसान संघ हिमाचल प्रदेश की प्रचार-प्रसार समिति का सदस्य नियुक्त किया गया। इस नियुक्ति की घोषणा भारतीय किसान संघ हिमाचल प्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश ठाकुर ने हमीरपुर जिला के बिझड़ी स्थित स्वप्न पैलेस में आयोजित प्रतिनिधि सभा की बैठक के दौरान की। इस नई जिम्मेदारी के लिए संजय भारद्वाज ने भारतीय किसान संघ के शीर्ष नेतृत्व एवं प्रदेशाध्यक्ष सुरेश ठाकुर और प्रदेश संगठन मंत्री हरिराम पंवार, महामंत्री उमेश सूद का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। हिमाचल प्रदेश में भारतीय किसान संघ की विचारधारा, किसान हितों से जुड़े मुद्दों, संगठनात्मक गतिविधियों और किसानों की आवाज को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण से कार्य करेंगे। किसानों का हित, राष्ट्र का हित।



6 लाख के जापानी फल गबन मामले में दो शातिर गिरफ्तार, वाहन और नकदी बरामद

- पुलिस ने बिलासपुर से दबोचे आरोपी
- कोलकाता भेजे जा रहे फल को जालंधर में बेचने का हुआ खुलासा

अनंत ज्ञान



भुंतर। कुल्लू पुलिस ने भुंतर थाना क्षेत्र के तहत 6 लाख मूल्य के जापानी फल (पर्सिमन) की कथित हेराफेरी और गबन के मामले में मात्र 24 घंटे के भीतर बड़ी सफलता हासिल की है।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को जिला बिलासपुर के पनोह से गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही वारदात में प्रयुक्त वाहन और 75,000 की नकद राशि भी बरामद कर ली है। पुलिस जानकारी के अनुसार 14 नवंबर को थाना भुंतर में एक स्थानीय व्यापारी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि लगभग 300 पेटियां जापानी फल, जिनका अनुमानित मूल्य 6 लाख है, जिस को कालका रेलवे स्टेशन के रास्ते कोलकाता भेजने के लिए रवाना किया गया था, लेकिन वाहन चालक और परिचालक ने निर्धारित गंतव्य पर माल पहुंचाने के बजाय उसे रास्ते में ही कहीं अन्यत्र ले जाकर बेच दिया। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2) के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। मामले की तह तक जाने के लिए कुल्लू पुलिस ने त्वरित और कड़ी कार्रवाई करते हुए 15 नवंबर को दोनों आरोपियों को बिलासपुर के पनोह से दबोच लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने फल से लदे उक्त वाहन को जालंधर में धोखाधड़ीपूर्वक बेच दिया था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटना में संलिप्त वाहन को कब्जे में ले लिया है और आरोपियों के कब्जे से अब तक 75,000 की नकदी भी बरामद कर ली है। पुलिस द्वारा इस मामले में शेष बिक्री की राशि की बरामदगी और अन्य सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच अभी भी जारी है। एसपी कुल्लू अभिषेक सेकर ने बताया कि जिला में किसी भी प्रकार के अपराध और धोखाधड़ी को बख्शा नहीं जाएगा तथा कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ निरंतर ऐसी ही कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाती रहेगी।

सरचू के पास ट्रक चालक की बिगड़ी तबीयत, अचेत

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। लेह-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग पर सरचू के समीप सेना का सामान लेकर जा रहे एक ट्रक चालक की अचानक तबीयत बिगड़ गई। सीने और हाथ में तेज दर्द उठने के बाद चालक अचेत अवस्था में पहुंच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे एंबुलेंस के माध्यम से क्षेत्रीय अस्पताल केलांग पहुंचाने की व्यवस्था की।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 16 नवंबर 2026 को सुबह करीब 4:30 बजे पुलिस थाना केलांग को सरचू के पास एक ट्रक चालक के गंभीर रूप से बीमार होने की सूचना मिली। इसके बाद केलांग से एंबुलेंस (एचपी 63-7089) और डीडीएमए वाहन (एचपी 42-1070) को मौके के लिए रवाना किया गया। बचाव दल में फायर सर्विस केलांग के चालक ललित कुमार और एसपीओ तंजिन थारपा शामिल थे। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, 15 नवंबर को सुबह करीब 11 बजे सेना का सामान लेकर दो ट्रक दर्चा से लेह की ओर रवाना हुए थे। इनमें से एक ट्रक (एचपी 93टी-6867) को 27 वर्षीय मुकेश कुमार पुत्र अनंत राम, निवासी गांव बालेद, डाकघर मुनाह कलां, तहसील रामशहर, जिला सोलन चला रहा था। दोनों ट्रक शाम करीब पांच बजे सरचू पहुंचे। यहां चालकों ने खाना खाने के बाद आराम किया। बताया जा रहा है कि 16 नवंबर की सुबह करीब 2:30 बजे मुकेश कुमार को अचानक सीने और हाथ में तेज दर्द हुआ। साथी अनिल कुमार ने उसे पानी पिलाया, लेकिन कुछ देर बाद वह बातचीत करने में असमर्थ हो गया और कोई प्रतिक्रिया नहीं देने लगा। इसके बाद उसे तत्काल अस्पताल भेजा गया। चिकित्सकों की जांच के बाद उसकी स्थिति और आगे की कार्रवाई को लेकर जानकारी सामने आएगी।

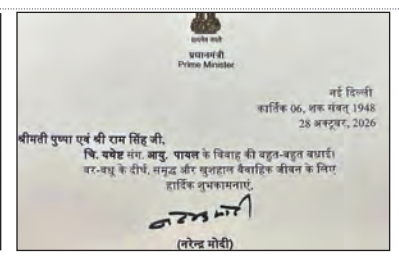
चर्चा तेज क्या 2027 के चुनाव से पहले होगी राम सिंह की घर वापसी?

पीएम मोदी के बधाई पत्र ने बढ़ाई कुल्लू भाजपा की धड़कनें

- निष्कासित नेता के बेटे की शादी पर पीएम का संदेश बना राजनीतिक सरगर्मी की वजह

अनंत ज्ञान





बिजली महादेव मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वरिष्ठ भाजपा नेता राम सिंह व प्रधानमंत्री की ओर से राम सिंह के बेटे के विवाह पर भेजा गया बधाई संदेश। अनंत ज्ञान

कमलेश वर्मा, कुल्लू। भाजपा से निष्कासित चल रहे कुल्लू के वरिष्ठ नेता राम सिंह के बेटे की शादी पर पीएम मोदी द्वारा भेजा गया शुभकामना संदेश प्रदेश की सियासत में चर्चा का केंद्र बन गया है।

इस पत्र ने जहां एक तरफ सियासी गलियारों में पुराने रिश्तों की गर्माहट को जिंदा कर दिया है, वहीं दूसरी तरफ 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले स्थानीय भाजपा नेताओं की मुश्किलें और धड़कनें दोनों बढ़ा दी हैं। वरिष्ठ नेता राम सिंह और प्रधानमंत्री मोदी का यह राजनीतिक रिश्ता उस दौर का है, जब मोदी हिमाचल भाजपा के प्रभारी हुआ करते थे। संगठन के उन दिनों में राम सिंह ने उनके साथ मिलकर काम किया था। वर्ष 2000 में जब प्रधानमंत्री मोदी ने बिजली महादेव की ऐतिहासिक यात्रा की थी, तब राम सिंह उनके प्रमुख सहयोगियों में शामिल थे। इसी पुरानी नजदीकी और सांगठनिक वफादारी के चलते उन्हें हिमाचल प्रदेश हॉर्टिकल्चर प्रोड्यूस मार्केटिंग एंड प्रोसेसिंग कॉर्पोरेशन (एचपीएमसी) का उपाध्यक्ष भी बनाया था। हालांकि, समय के साथ राजनीतिक समीकरण बदले। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान टिकट न मिलने से नाराज होकर राम सिंह ने बगावत कर दी थी और कुल्लू से निर्दलीय चुनाव लड़ा था। इस अनुशासनहीनता के चलते भाजपा ने उन्हें 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया था। वहीं, अक्तूबर 2022 में कुल्लू दशहरा उत्सव के दौरान पीएम मोदी ने सार्वजनिक रूप से अपने पुराने कार्यकर्ताओं और इस पुराने जुड़ाव को याद किया था। वर्तमान में राम सिंह आधिकारिक रूप से भाजपा से बाहर हैं। ऐसे में बेटे के विवाह पर प्रधानमंत्री कार्यालय से आया यह स्नेहिल बधाई पत्र कोई आम औपचारिकता नहीं, बल्कि एक बड़ा राजनीतिक संकेत माना जा रहा है। इस घटनाक्रम के बाद अब कुल्लू के राजनीतिक गलियारों में यह सवाल सबसे अहम हो गया है कि क्या 2027 के चुनावों से पहले राम सिंह की भाजपा में घर वापसी होगी या एक बार फिर निर्दलीय मैदान में उतरकर पार्टी का खेल बिगाड़ेंगे।

उपायुक्त अमित ने छात्राओं को दी करियर व जीवन मूल्यों की प्रेरणा



अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। उपायुक्त कुल्लू डॉ. अमित कुमार शर्मा ने सोमवार को पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (छात्रा), सुल्तानपुर का दौरा किया। 'अपना विद्यालय' कार्यक्रम के तहत गोद लिए गए इस विद्यालय के दौरे का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, करियर मार्गदर्शन और छात्राओं के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है।

इस दौरान उपायुक्त ने छात्राओं, अध्यापकों और स्कूल प्रशासन के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, जागरूकता, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक सोच का विकास भी जरूरी है। उन्होंने छात्राओं को पाठ्यपुस्तकों के अलावा प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

उपायुक्त ने विद्यालय में रीडिंग क्लब स्थापित करने का सुझाव देते हुए कहा कि इससे छात्राओं में पढ़ने की रुचि विकसित होगी और उनके ज्ञान का विस्तार होगा। उन्होंने प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ने की आदत डालने पर भी जोर दिया, ताकि छात्राएं समसामयिक घटनाओं से जुड़ी रहें और उनमें विश्लेषणात्मक सोच विकसित हो सके। उन्होंने आत्मचिंतन करने और अपने विचारों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने की आवश्यकता भी बताई। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य भावना तंवर सहित अध्यापकगण और बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

हिंदी माध्यम किताबों की उपलब्धता बारे मुख्य सचिव कार्यालय सक्रिय

◆ टीजीटी कला संघ का ज्ञापन शिक्षा सचिव को किया प्रेषित

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड अगले शैक्षणिक सत्र से विद्यार्थियों की पसंद के अनुसार हिंदी और अंग्रेजी माध्यम की पाठ्य पुस्तकें प्रकाशित करे। यह मांग राजकीय टीजीटी कला संघ के प्रदेश महासचिव विजय हीर ने प्रदेश सरकार से उठाई है।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में भेजे गए ज्ञापन पर प्रदेश मुख्य सचिव ने कार्रवाई करते हुए इसे शिक्षा सचिव को आगामी उचित कार्रवाई के लिए भेजा है। हीर ने कहा कि मुख्यमंत्री, शिक्षा सचिव, शिक्षा निदेशक और शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष को भी ज्ञापन भेजकर कक्षा छठी से दसवीं तक सामाजिक अध्ययन, योग, हिमाचल की संस्कृति और ड्राइंग विषयों में हिंदी माध्यम का विकल्प उपलब्ध करवाने की मांग की गई है। शिक्षा बोर्ड पुस्तकों के प्रकाशन से पहले स्कूलों से विद्यार्थियों की पसंद की जानकारी जुटाए। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 350(क) और राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप मातृभाषा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने कक्षा छठी में रामायण और सातवीं में महाभारत को पाठ्यक्रम में बनाए रखने तथा रामायण की पाठ्यपुस्तक जल्द उपलब्ध करवाने की मांग भी की। साथ ही 12 सितंबर 2025 को शिक्षा विभाग की बैठक में कक्षा छठी के सामाजिक अध्ययन में हिंदी माध्यम का विकल्प देने के संबंध में लिए गए निर्णय को लागू करने का आग्रह किया।

मिड-डे मील के लिए सिम रिचार्ज बजट दे विभाग

विजय हीर ने कहा कि गैस सिलेंडर बुकिंग के लिए स्कूलों को नई सिम लेकर गैस एजेंसी में पंजीकरण करवाना पड़ रहा है, क्योंकि शिक्षकों और मिड-डे मील कर्मचारियों के नंबर पहले से एलपीजी कनेक्शन से जुड़े हैं। नई सिम के रिचार्ज के लिए बजट नहीं है। उन्होंने विभाग से मिड-डे मील बजट में इसके लिए अलग राशि उपलब्ध करवाने की मांग की।

सनसनीखेज पत्रकारिता के दौर में आत्ममंथन की आवश्यकता : मुकेश

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर धर्मशाला में राज्यस्तरीय समारोह आयोजित

अनंत ज्ञान



ब्यूरो, धर्मशाला। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर राज्यस्तरीय समारोह सोमवार को धर्मशाला में आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने की। 'पत्रकारिता: सनसनी या जिम्मेदारी' विषय पर आयोजित इस समारोह में अपने संबोधन के दौरान राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर पत्रकारों को शुभकामनाएं देते हुए अग्निहोत्री ने कहा कि आज का दिन उन्हें यह आत्ममंथन करने का अवसर है कि पिछले कुछ सालों में पत्रकारिता के क्षेत्र में क्या-क्या बदलाव आए हैं तथा वर्तमान की चुनौतियों से किस प्रकार निपटा जा सकता है। उन्होंने कहा कि समाचार-पत्रों की विश्वसनीयता व प्रसांगिकता हमेशा कायम रहेगी भले ही कुछ समय के लिए उतार-चढ़ाव का दौर से ही क्यों न गुजरना पड़े, लेकिन जिम्मेदार और विश्वसनीय पत्रकारिता का महत्व हमेशा बना रहेगा। सोशल मीडिया के आने से सूचना का दायरा बहुत बढ़ा है, लेकिन पारम्परिक समाचार-पत्रों और सोशल मीडिया पत्रकारिता में बड़ा अंतर है क्योंकि अखबार में कई स्तरों पर समाचार का सत्यापन होता है और साथ ही पत्रकार की जिम्मेदारी और जवाबदेही भी बनी रहती है। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया और इन्फ्लयूसेंर आम तौर पर रातों-रात प्रसिद्धि प्राप्त करने के लिए सनसनी वाली खबरें अधिक फैला रहे है जबकि उनकी जिम्मेदारी तय नही है। लेकिन यह स्थिति ज्यादा देर नहीं चलती और समय के साथ इसमें भी बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि किस भी समाचार को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले सभी पक्षों और तथ्यों को सामने रखना पत्रकारिता का मूल धर्म है, जिसके बारे में सभी को सोचना होगा। अग्निहोत्री ने कहा कि मोबाइल और सोशल मीडिया के दौर में हर व्यक्ति के हाथ में सूचना प्रसारित करने का माध्यम पहुंच गया है। इसके साथ ही लोगों की निजी पसंद, गतिविधियों और डेटा पर भी कंपनियों की पहुंच बढ़ी है। ऐसे समय में पत्रकारिता के सामने नई चुनौतियां खड़ी हुई हैं। उन्होंने पत्रकारों से आह्वान किया कि वे अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए सच्चाई और तथ्यों पर आधारित पत्रकारिता करें।

शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य ठप: अरविंद

अनंत ज्ञान



शाहपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अरविंद सिंह चौधरी ने शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की धीमी गति और मूलभूत सुविधाओं की बदहाल स्थिति को लेकर कांग्रेस सरकार और स्थानीय विधायक पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए साढ़े तीन वर्ष से अधिक समय हो चुका है, लेकिन शाहपुर क्षेत्र में विकास की अपेक्षित तस्वीर नजर नहीं आ रही है। चुनाव के दौरान किए गए वादे और घोषणाएं धरातल पर उतरती दिखाई नहीं दे रही हैं।

उन्होंने कहा कि जनता आज भी बेहतर सड़कों, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है। विकास का दायरा छोटे-मोटे कार्यों और उद्घाटन पट्टिकाओं तक सीमित रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या विकास का मतलब केवल शिलान्यास और उद्घाटन करना रह गया है, जबकि जनता को धरातल पर परिणाम चाहिए। उन्होंने ग्रामीण संपर्क मार्गों की खराब स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि इसका सीधा असर विद्यार्थियों, किसानों, मरीजों और आम लोगों पर पड़ रहा है। वहीं, डिनोटिफाई किए गए विद्यालयों के भवनों की सुरक्षा, देखरेख और मरम्मत की भी उचित व्यवस्था होनी चाहिए। जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत और आवश्यक पुनर्निर्माण के लिए सरकार स्पष्ट कार्ययोजना बनाए। उन्होंने स्थानीय विधायक से सवाल किया कि चुनाव के दौरान किए गए विकास के वादे कब पूरे होंगे और लंबित कार्यों को कब गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि जनता को अब राजनीतिक बयानबाजी और आश्वासन नहीं, बल्कि जवाबदेही और धरातल पर विकास चाहिए।

पुराना कांगड़ा में चिट्टे और चरस के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, आशीष दमीर, कांगड़ा। पुलिस थाना कांगड़ा की टीम ने गश्त के दौरान पुराना कांगड़ा में एक व्यक्ति को चिट्टा और चरस सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान विक्की (45) पुत्र राज कुमार निवासी वार्ड नंबर-3, पुराना कांगड़ा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 5.68 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) और 133.89 ग्राम चरस बरामद की है। जानकारी के अनुसार पुलिस थाना कांगड़ा की टीम क्षेत्र में नियमित गश्त कर रही थी। इसी दौरान जब पुलिस टीम चिल्ड्रन पार्क के समीप स्थित खेल मैदान, पुराना कांगड़ा के प्रवेश द्वार के पास पहुंची तो वहां मौजूद एक व्यक्ति पुलिस को देखकर घबरा गया। उसने अपने पास मौजूद एक लिफाफे को कैरी बैग सहित फेंक दिया। व्यक्ति की इस संदिग्ध हरकत को देखकर पुलिस टीम को शक हुआ और मौके पर मौजूद गवाहों की उपस्थिति में कैरी बैग की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसमें से 5.68 ग्राम चिट्टा और चरस की तीन बत्तियां बरामद हुईं, जिनका कुल वजन 133.89 ग्राम पाया गया। पुलिस ने नशीले पदार्थों को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्वर्गीय हिंदवीर कोहली के घर पहुंचे नेता प्रतिपक्ष जयराम, परिजनों को बंधाया ढांढस



अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने गगल स्थित स्व. हिंदवीर कोहली (पूर्व जिला कांगड़ा भाजपा अध्यक्ष) के निवास स्थान पर पहुंचकर शोकाकुल परिवार से भेंट की और अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। जयराम ने कहा कि स्वर्गीय हिंदवीर कोहली संगठन के प्रति समर्पित, कर्मठ और सच्चे कार्यकर्ता थे। पार्टी के लिए उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल दें।

इस अवसर पर प्रदेश भाजपा संगठन महामंत्री सिद्धार्थन, प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल, पायल वैद्य, विधायक दीपराज, विधायक डीएस ठाकुर, पूर्व विधायक विशाल नेहरिया, प्रदेश प्रवक्ता राकेश शर्मा, प्रदेश भाजपा मीडिया सह-प्रभारी एडवोकेट विश्व चक्षु, जिला कांगड़ा भाजपा महामंत्री देवेंद्र कोहली सहित अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पेंशनर्स का ऐलान 19 को धर्मशाला में होगा बड़ा प्रदर्शन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। पेंशनर्स की संयुक्त संघर्ष समिति के जिला कांगड़ा संयोजक रविंद्र राणा ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के धर्मशाला पहुंचने पर उनका स्वागत किया, लेकिन साथ ही पेंशनर्स की लंबित मांगों को जल्द पूरा करने की मांग भी उठाई। रविंद्र राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए धर्मशाला में भारी भीड़ जुटी हुई है, ऐसे में फिलहाल उनसे सीधे बातचीत करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि अभी तक उन्हें वार्ता के लिए बुलाए जाने का कोई संकेत भी नहीं मिला है। यदि मुख्यमंत्री उन्हें बातचीत के लिए बुलाते हैं तो वे उनका आभार व्यक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पूरे प्रदेश के मुखिया और अभिभावक के समान हैं। ऐसे में पेंशनर्स को अपनी मांगें उनके समक्ष रखने का पूरा अधिकार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पेंशनर्स की लंबित मांगें और उनके हक जब तक पूरे नहीं होते, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। रविंद्र राणा ने ऐलान किया कि 19 तारीख को पेंशनर्स की ओर से बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अपनी मांगों को लेकर पेंशनर्स विधानसभा की ओर कूच करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

करुणामूलक आश्रितों ने बुलंद की आवाज, बिना शर्त नौकरी देने की मांग

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश करुणामूलक संघ ने अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदेश सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद कर दी है। लंबे समय से नौकरी की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे करुणामूलक आश्रित एक बार फिर सरकार से अपना वादा पूरा करने की मांग कर रहे हैं। संघ के प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र अत्री, उपाध्यक्ष सोनू ठाकुर, सचिव विशाल सिंह और मीडिया सलाहकार शिवांशु ने कहा कि कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए लगभग चार साल होने वाले हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव से पहले करुणामूलक आश्रितों से किया गया बिना शर्त नौकरी देने का वादा आज तक पूरा नहीं हुआ है। इससे प्रदेश के करुणामूलक परिवार खुद को ठगा हुआ और असहाय महसूस कर रहे हैं।

संघ पदाधिकारियों के अनुसार प्रदेश में अभी भी करीब 1650 ऐसे करुणामूलक परिवार हैं, जो वार्षिक आय तीन लाख रुपए से अधिक होने के कारण नौकरी से वंचित हैं। इन परिवारों को आज भी आर्थिक परेशानियों के बीच दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि संघ कई बार मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी समस्याएं रख चुका है, लेकिन हर बार आश्वासन मिलने के बावजूद कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है।

संघ ने कहा कि किसी परिवार की वार्षिक आय तीन लाख रुपए हो या इससे अधिक, सरकारी सेवाकाल के दौरान सभी ने अपने परिवार के कमाने वाले सदस्य को खोया है। ऐसे में सरकार को आय सीमा के आधार पर भेदभाव नहीं करना चाहिए।

संघ ने मांग की है कि सभी पात्र आश्रितों को एक समान दृष्टि से देखते हुए वन टाइम सेटलमेंट के तहत जल्द नौकरी प्रदान की जाए। इससे 20 से 25 वर्षों से नौकरी का इंतजार कर रहे परिवारों को राहत मिलेगी और वे सम्मानपूर्वक अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकेंगे।

धर्मशाला में गूंजा चंबा की बदहाल स्वास्थ्य-परिवहन व्यवस्था का मुद्दा

अनंत ज्ञान



चंबा। जिला चंबा की बदहाल स्वास्थ्य और परिवहन व्यवस्था का मुद्दा सोमवार को धर्मशाला में विधानसभा सत्र के पहले दिन गूंजा। भाजपा नेता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता जय सिंह ने धर्मशाला पहुंचकर चंबा की प्रमुख समस्याओं को उठाते हुए इनके शीघ्र समाधान की मांग की। उन्होंने मेडिकल कॉलेज चंबा में चिकित्सकों और मेडिकल स्टाफ की कमी, सरोल परिसर में अधूरी स्वास्थ्य सुविधाओं तथा एचआरटीसी की बिगड़ती व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा।

◆ भाजपा नेता जय सिंह ने सीएम से उठाईं मांगें

जय सिंह ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों की कमी के कारण मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने जुलाई माह में एक युवक और मासूम बच्ची की मौत के मामलों की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग भी उठाई। इसके अलावा सरोल परिसर में केवल तीन ओपीडी संचालित होने और ट्रामा सेंटर शुरू न होने पर सवाल उठाते हुए सभी ओपीडी एक ही परिसर में शुरू करने की मांग की। उन्होंने एचआरटीसी चंबा की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि पहले 202 रूटों पर बसें संचालित होती थीं, जबकि अब यह संख्या घटकर 115 से 120 रह गई है। वहीं, 222 मैकेनिकल कर्मचारियों की आवश्यकता के मुकाबले महज 49 कर्मचारी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने जिले की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप इलेक्ट्रिक और डीजल बसों की संख्या बढ़ाने तथा तकनीकी कर्मचारियों के रिक्त पद भरने की मांग की।

जय सिंह ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि चंबा की स्वास्थ्य और परिवहन व्यवस्था को राजनीतिक घोषणाओं तक सीमित न रखकर धरातल पर सुधार सुनिश्चित किया जाए, ताकि दूरदराज के क्षेत्रों के लोगों को भी बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

डॉ. करनैल सिंह को 'डलहौजी रत्न पुरस्कार'

डीएसपी मयंक शर्मा को मिला 'ऑफिसर ऑफ द ईयर' अवॉर्ड

अनंत ज्ञान



अजीत सिंह, डलहौजी। डलहौजी की पर्यावरण और सामाजिक सरोकार से जुड़ी संस्था रमणीय डलहौजी के द्वारा डलहौजी हिल टॉप स्कूल के प्रांगण में पेड़ लगा कर अपने नौवें पौधरोपण कार्यक्रम का रविवार को समापन किया गया। इस वार्षिक समारोह में मुख्यातिथि के रूप में एनएचपीसी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर मदन लाल शर्मा मौजूद रहे। डलहौजी के एसडीएम अनिल भारद्वाज और नगर परिषद डलहौजी की अध्यक्ष वंदना चड्ढा ने वशिष्ठ अतिथि के रूप में शिरकत की। मुख्यअतिथि और वशिष्ठ अतिथि सहित आये हुए गणमान्य व्यक्तियों ने डलहौजी हिल टॉप स्कूल के प्रांगण में पौध रोपित कर पर्यावरण के संरक्षण का संकल्प लिया।

इस मौके पर स्कूल परिसर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में रमणीय डलहौजी संस्था ने डॉक्टर करनैल सिंह को डलहौजी रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। वहीं डलहौजी के डीएसपी मयंक शर्मा को उनकी बेहतरीन सेवाओं के लिए 'ऑफिसर ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विशंबर सिंह उनकी ट्रैफिक पुलिस टीम को भी बेहतरीन सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। वहीं, डॉ योगिता को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित गया। इस अवसर पर संस्था की मुख्य संरक्षक पूनम धवन ने कहा कि रमणीय संस्था ने अभी तक डलहौजी उपमंडल में लगभग बीस हजार पौधे रापित किए हैं।

वहीं, मुख्यातिथि मदन शर्मा ने कहा कि रमणीय डलहौजी जैसी संस्थाओं जोकि पर्यावरण को संरक्षित करने का कार्य कर रही है उनकी मदद के लिए सभी को आगे आना चाहिए। नगर परिषद की अध्यक्ष वंदना चड्ढा ने कहा कि संस्था के द्वारा चलाया गया पौधरोपण कार्यक्रम काफी सराहनीय कदम है। मुख्यातिथि और विशिष्ट अतिथियों का स्वागत संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश्वर बहल और अन्य सदस्यों द्वारा किया गया। मंच का संचालन संस्था के प्रिया गंडोत्रा द्वारा बखूबी किया गया।

कार्यक्रम में डलहौजी हिलटॉप के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सुंदर नाटी ने सभी का मन मोह लिया। वहीं बच्चों द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर पेश की गई नृत्य नाटिका भी आकर्षण का केंद्र रही। संस्था के महासचिव ऋषभ घई द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित डलहौजी के आये हुए गणमान्य अतिथियों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर एसडीएम डलहौजी अनिल भारद्वाज, तहसीलदार रमेश चौहान, कबी राज नायक, डॉ नीरज वर्मा, श्वेता सिंह, जौहर सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

प्राकृतिक मक्की की सरकारी खरीद शुरू

अनंत ज्ञान, चंबा। प्राकृतिक खेती से उत्पादित मक्की की सरकारी खरीद प्रक्रिया आज चम्बा में शुरू हुई। इस अवसर पर एपीएमसी चम्बा के अध्यक्ष ललित ठाकुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। एपीएमसी अध्यक्ष ललित ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा मक्की का समर्थन मूल्य 50 रुपये प्रति किलोग्राम निर्धारित करना किसानों के हित में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि जिले में लगभग 21,850 किसान प्राकृतिक खेती के लिए पंजीकृत हैं तथा 4,529 हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की जा रही है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया। परियोजना निदेशक आत्मा नितिन कुमार शर्मा ने बताया कि प्राकृतिक उत्पाद खरीद केंद्र बालू में आज 37 किसानों से 35 क्विंटल मक्की की खरीद की गई। प्रथम चरण में चम्बा विकास खंड के किसानों से मक्की की खरीद की जा रही है। इसके लिए बालू, बनीखेत तथा चुवाड़ी (भटियात) में खरीद केंद्र निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि उपायुक्त मुकेश रेपसवाल के निर्देशानुसार चौगान नंबर-2 में प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 11 बजे प्राकृतिक उत्पादों की मंडी भी आयोजित की जा रही है।

निशुल्क कोचिंग के लिए 20 तक करें आवेदन

अनंत ज्ञान, चंबा। संघ लोक सेवा आयोग एवं हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे पात्र युवाओं के लिए निशुल्क कोचिंग प्राप्त करने का सुनहरा अवसर उपलब्ध हुआ है। अतिरिक्त उपायुक्त अमित मेहरा ने जानकारी देते हुए बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजना के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला स्थित डॉ. अंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा पीएम केयर्स बाल योजना के लाभार्थियों के लिए 1 वर्षीय निःशुल्क कोचिंग कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत संघ लोक सेवा आयोग तथा राज्य लोक सेवा आयोग की ग्रुप-ए एवं ग्रुप-बी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कुल 100 सीटें उपलब्ध हैं। चयनित अभ्यर्थियों को एक वर्ष की कोचिंग अवधि के दौरान प्रतिमाह 4,000 रुपये की छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। पीएम केयर्स बाल योजना के लाभार्थियों को प्रवेश परीक्षा से छूट रहेगी। इसके अतिरिक्त सशुल्क कोचिंग के लिए 25 सीटें भी उपलब्ध रहेंगी। इन सीटों के लिए एक वर्षीय पाठ्यक्रम का वार्षिक शुल्क 75,000 रुपये निर्धारित किया गया है। इस श्रेणी के अभ्यर्थियों को कोई मासिक छात्रवृत्ति नहीं मिलेगी। अमित मेहरा ने जिला चंबा के पात्र युवाओं से आह्वान किया कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व आवेदन सुनिश्चित करें। जिला कल्याण अधिकारी मंजुल ठाकुर ने इस संदर्भ में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 नवंबर निर्धारित की गई है।



छपने से पूर्व खबर की पुष्टि करना जिम्मेदार पत्रकार के लिए परम आवश्यक: एडीसी मेहरा

अनंत ज्ञान, चंबा। जिला मुख्यालय चंबा में जिला स्तरीय राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपायुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त अमित मेहरा बतौर मुख्यातिथि शामिल हुए। कार्यक्रम में जिला चंबा के वरिष्ठ संवाददाताओं के अलावा सभी प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक्स मीडिया के संवाददाताओं तथा सोशल मीडिया के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पत्रकारिता सनसनी या जिम्मेदारी के विषय में बोलते हुए अमित मेहरा ने कहा कि समाचारों को प्रसारित करने से पूर्व उनकी पुष्टि करना व समाचारों से संबंधित दूसरे पक्ष को समाचारों में स्थान देना एक जिम्मेदार पत्रकारिता के लिए परम आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह ठीक है कि मीडिया के आधुनिक दौर में आम व्यक्ति के लिए समाचारों का शीघ्र प्राप्त होना महत्वपूर्ण है इसे ध्यान में रखते हुए ब्रेकिंग न्यूज़ की प्रतिस्पर्धा के कारण अक्सर कुछ मीडियाकर्मी अपुष्ट समाचारों को दूसरे का पक्ष जाने बिना प्रसारित कर देते हैं जो कि प्रेस की विश्वसनीयता के लिए घातक है तथा ऐसा करने से न केवल उस मीडिया समूह की बल्कि समूचे प्रेस वर्ग व प्रेस से जुड़े लोगों की व्यक्तिगत विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचता है। जिला चंबा के प्रेस के संबंध में अपने अनुभव सांझा करते हुए अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि जिला चंबा की प्रेस की कार्यप्रणाली बेहद शालीन, जिम्मेदार व विश्वसनीय है उन्होंने कहा कि जिला चंबा की प्रेस की विश्वसनीय कार्यप्रणाली का ही परिणाम है कि उनके द्वारा समाचारों के माध्यम से उठाई गई जन समस्याओं व अन्य विषयों पर जिला प्रशासन तुरंत संज्ञान लेता है। उन्होंने जिला की प्रेस को जिला में आपदा सहित कई विभिन्न मौकों पर सरकार व प्रशासन को जनहित के दृष्टिगत सकारात्मक सहयोग प्रदान करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

चमेरा-3 परियोजना ने छीना सबकुछ, पुनर्वास और रोजगार के वादे अब भी अधूरे

मौखर के विस्थापितों को 14 साल से न्याय का इंतजार

अनंत ज्ञान

देशराज कश्यप, धरवाला। विकास की बड़ी परियोजनाएं जहां प्रदेश की आर्थिक प्रगति का आधार मानी जाती हैं, वहीं कई बार इनकी कीमत स्थानीय लोगों को अपना घर, जमीन और पुश्तैनी आजीविका गंवाकर चुकानी पड़ती है। ऐसा ही दर्द जल विद्युत परियोजना चमेरा-3 से प्रभावित गांव मौखर के विस्थापित परिवारों का है, जो पिछले 14 वर्ष से स्थायी पुनर्वास, उचित मुआवजे और रोजगार की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि परियोजना निर्माण के दौरान किए गए वादे आज तक पूरी तरह धरातल पर नहीं उतर पाए हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, वर्ष 2012 से पहले मौखर गांव में सब कुछ सामान्य था, लेकिन 9 अप्रैल 2012 को चमेरा-3 परियोजना के ठीक ऊपर स्थित सर साफ्ट नामक सुरंग से भारी मात्रा में पानी का रिसाव शुरू हो गया। इसके बाद गांव की जमीन अस्थिर होने लगी और बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ। देखते ही देखते गांव का काफी हिस्सा मिट्टी और मलबे की चपेट में आ गया। इस प्राकृतिक आपदा जैसी स्थिति ने ग्रामीणों के मकान, उपजाऊ खेत, चारागाह, पेयजल स्रोत, पशुधन और आजीविका के साधनों को बुरी तरह प्रभावित किया।

हालात इतने गंभीर हो गए कि अनेक परिवारों को अपने पुश्तैनी घर और जमीन छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करना पड़ा। प्रभावित ग्रामीणों का कहना है कि उस समय प्रशासन और परियोजना प्रबंधन की ओर से उन्हें सुरक्षित स्थानों पर बसाने, उचित मुआवजा देने, रोजगार उपलब्ध करवाने और स्थायी पुनर्वास सुनिश्चित करने के आश्वासन दिए गए थे। हालांकि, 14 वर्ष बीत जाने के बावजूद इन आश्वासनों का पूरा लाभ प्रभावित परिवारों तक नहीं पहुंच पाया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ परिवारों को ही सीमित मुआवजा मिला, जबकि अनेक परिवार आज भी अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

क्या कहना है विस्थापित परिवारों का?



राजेश शर्मा



नेक राम

स्थानीय निवासी राजेश शर्मा ने कहा कि परियोजना निर्माण के समय प्रभावित परिवारों को जमीन के बदले जमीन, स्थायी आवास, उचित मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को स्थायी रोजगार देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन 14 वर्ष बीत जाने के बाद भी ये वादे अधूरे हैं। जिन परिवारों ने प्रदेश और देश के विकास के लिए अपनी जमीन और घर छोड़े, उन्हें आज भी अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। वहीं, स्थानीय निवासी नेक राम ने कहा कि उपजाऊ जमीन और पुश्तैनी घर छिनने के बाद कई परिवार किराये के भवनों या असुरक्षित ढलानों पर रहने को मजबूर हैं। इससे प्रभावित परिवारों के सामने आर्थिक और सामाजिक संकट खड़ा हो गया है। उनका कहना है कि जिन परिवारों ने अपनी पूरी जिंदगी की पूंजी गंवाई, उन्हें आज तक न्यायसंगत राहत नहीं मिल पाई है।

पेंशनर्स ने लंबित डीए की पांच किस्तें जारी करने की उठाई मांग

अनंत ज्ञान

चंबा। हिमाचल प्रदेश पेंशनर संयुक्त संघर्ष समिति यूनिट चंबा का अपनी लंबित मांगों को लेकर क्रमिक धरना-प्रदर्शन सोमवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। प्रदेश अध्यक्ष सुरेश ठाकुर एवं प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर आयोजित इस धरने में विभिन्न विभागों, निगमों, बोर्डों, कॉरपोरेट सेक्टर और शहरी निकायों से जुड़े करीब 70 पेंशनर पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। इनमें से 11 पेंशनर साथियों ने धरने पर बैठकर आंदोलन के प्रति अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज करवाई। धरने के दौरान पेंशनर संगठनों ने प्रदेश सरकार से लंबित वित्तीय देनदारियों का जल्द भुगतान करने की मांग उठाई। उन्होंने विशेष रूप से महंगाई भत्ते (डीए) के एरियर तथा महंगाई भत्ते की लंबित पांच किस्तें, जो लगभग 10 प्रतिशत बनती हैं, जारी करने की मांग की। पेंशनर नेताओं का कहना है कि लंबे समय से लंबित वित्तीय लाभों के कारण सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा पेंशनरों की समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए संयुक्त सलाहकार समिति (जेसीसी) का गठन करने और प्रदेश स्तरीय पेंशनर नेतृत्व के साथ सरकार की शीघ्र वार्ता करवाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई।

◆ जेसीसी के गठन और प्रदेश नेतृत्व के साथ शीघ्र वार्ता की मांग

धरने में मियां चैन सिंह जरयाल, भगत राम ठाकुर, नारद राम ठाकुर, सुशील कुमार सलहोत्रा, राम लोक ठाकुर, बलदेव प्रसाद धीमान, चुनी लाल, चुहड़ राम, अमर सिंह रणसेटु, कस्तूरी लाल महाजन और भजन सिंह सहित 11 पेंशनर धरने पर बैठे। वहीं बैकअप टीम में डॉ. डीके सोनी, सुरिंदर कुमार गुप्ता, जर्म सिंह ठाकुर, उत्तम सिंह राणा, दीवान चंद ठाकुर, बजीर सिंह यादव, अशोक कुमार गौतम, केवल धीमान, ओम प्रकाश गोस्वामी, बुधिया राम भारद्वाज और बुशहरा राम भंडारी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। समिति के पदाधिकारियों ने प्रदेश सरकार से वरिष्ठ नागरिकों एवं पेंशनरों की जायज मांगों को गंभीरता से लेते हुए सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया। साथ ही सभी उपस्थित सदस्यों ने एकजुटता प्रदर्शित करते हुए संकल्प लिया कि जब तक मांगों का सम्मानजनक समाधान नहीं होता, तब तक उनका शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

शहीद सराभा की पुण्यतिथि पर किया नमन



अनंत ज्ञान, घनारी। शहीद भगत सिंह क्लब गगरेट ने महान क्रांतिकारी शहीद करतार सिंह सराभा की पुण्यतिथि पर शहीद स्मारक गगरेट में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान क्लब के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम में लंगर का आयोजन भी किया गया। क्लब प्रधान मुनीष ठाकुर ने कहा कि मात्र 19 वर्ष की आयु में करतार सिंह सराभा ने देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। वे गदर पार्टी के प्रमुख क्रांतिकारियों में शामिल थे और भगत सिंह भी उन्हें अपना आदर्श मानते थे। वहीं, बाबा राकेश शाह ने कहा कि सराभा जैसे क्रांतिकारियों का बलिदान देश हमेशा याद रखेगा। इस अवसर पर अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्वच्छता को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संदेश

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। नगर परिषद बिलासपुर के माध्यम से शहर के विभिन्न स्थानों एवं संस्थानों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत स्किल सेंटर में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता की अच्छी आदतें अपनाने, सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा-कचरा न फैलाने तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के प्रति जागरूक करना रहा। अभियान के दौरान विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को कचरे का उचित निस्तारण करने, खुले में कूड़ा न फेंकने तथा स्वच्छता को अपनी दैनिक जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया।

झंडूता की पंचायतों में हुईं विशेष ग्राम सभाएं

अनंत ज्ञान, झंडूता। झंडूता उपमंडल की 15 ग्राम पंचायतों में सोमवार को मुख्यमंत्री अपना परिवार सुखी परिवार योजना के तहत विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इन ग्राम सभाओं के दौरान योजना के तहत चिन्हित किए गए परिवारों एवं लोगों का सत्यापन किया गया तथा ग्रामीणों को सूची के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। ग्राम पंचायत बरठीं के सचिव राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री अपना परिवार सुखी परिवार योजना के तहत सरकार द्वारा पहले चरण से 9 चरणों में सर्वेक्षण करवाया गया था। इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए सोमवार को विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वेक्षण के आधार पर तैयार की गई सूची का सत्यापन किया गया। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत बरठीं में आयोजित विशेष ग्राम सभा के दौरान किसी भी व्यक्ति की ओर से कोई आपत्ति दर्ज नहीं करवाई गई। विकास खंड अधिकारी झंडूता संजीव पुरी ने बताया कि सोमवार को झंडूता विकास खंड की 15 पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इन सभाओं में लोगों को योजना के तहत तैयार की गई सूची की पूरी जानकारी दी गई।

एनकॉर्ड समिति की समीक्षा बैठक आयोजित

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। उपायुक्त किरण भड़ाना की अध्यक्षता में बचत भवन में जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में मादक पदार्थों की तस्करी, नशे के दुरुपयोग की रोकथाम, उपचार एवं पुनर्वास, जनजागरूकता तथा विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही कार्रवाइयों की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ नशा तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उपायुक्त किरण भड़ाना ने कहा कि युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए सरकार बहुआयामी रणनीति के तहत प्रभावी कदम उठा रही है। ऐसे में जिला प्रशासन भी पुलिस तथा सभी संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों से जहां नशा तस्करों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई कर रहा है, वहीं व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को जागरूक करने का भी प्रयास किया जा रहा है।

सनसनी की होड़ में न खोएं पत्रकारिता के मूल सिद्धांत, तथ्यों की पुष्टि जरूरी

मीडिया समस्याएं उजागर करने के साथ समाधान का रास्ता भी दिखाए : जतिन लाल

अनंत ज्ञान



ब्यूरो, ऊना। उपायुक्त जतिन लाल ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ है और समाज की प्रगति में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। पत्रकारिता की असली ताकत उसकी विश्वसनीयता और जिम्मेदारी में निहित है। मीडिया का काम केवल समस्याओं को उजागर करना नहीं, बल्कि उनके समाधान की दिशा भी दिखाना है।

वे सोमवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से ऊना में आयोजित जिला स्तरीय सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष राष्ट्रीय प्रेस दिवस की थीम 'पत्रकारिता : सनसनी या जिम्मेदारी' रही। कार्यक्रम में जिले के पत्रकारों ने पत्रकारिता की बदलती चुनौतियों और सामाजिक दायित्वों पर विचार साझा किए। उपायुक्त ने कहा कि किसी भी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए उसकी कमियों को सामने लाना जरूरी है। मीडिया के माध्यम से मिलने वाला फीडबैक प्रशासन को सुधार करने और जनहित के कार्यों को प्रभावी बनाने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन व मीडिया के बीच हर मुद्दे पर सहमति होना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में खबरों और सूचनाओं का सत्यापन बेहद जरूरी हो गया है। बिना पुष्टि के प्रसारित सूचनाएं भ्रामक साबित हो सकती हैं और लोगों के लिए परेशानी पैदा कर सकती हैं। पत्रकारिता में तथ्यों की पुष्टि, संतुलन और निष्पक्षता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

विचार गोष्ठी में प्रेस क्लब ऊना के अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि सोशल मीडिया के विस्तार के बाद मीडिया की विश्वसनीयता को लेकर नए सवाल खड़े हुए हैं। सनसनी कुछ समय के लिए होती है, लेकिन सत्य हमेशा टिकता है। सरोज मोदगिल, डॉ. रणधीर जसवाल, केएल बैंस और जीवन शर्मा ने भी जिम्मेदार एवं तथ्यपरक पत्रकारिता पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध गजल गायक सुनील डोगरा ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधा। वहीं, महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने के लिए अतिथियों को उनके द्वारा तैयार उत्पाद उपहार स्वरूप भेंट किए गए। इस पहल के माध्यम से स्थानीय उत्पादों और महिलाओं की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

एंटीबायोटिक दवाओं के गैरजरूरी इस्तेमाल से करें परहेज : धर्माणी

अनंत ज्ञान

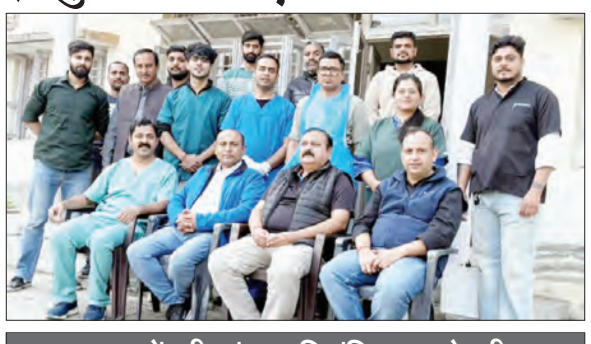
बिलासपुर। एंटीबायोटिक दवाओं का अनावश्यक और गलत इस्तेमाल स्वास्थ्य क्षेत्र के सामने गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। चिकित्सक की सलाह के बिना इनका सेवन करना, निर्धारित खुराक में बदलाव करना और उपचार बीच में छोड़ देना एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस को बढ़ावा दे सकता है। इससे भविष्य में सामान्य संक्रमण का उपचार भी मुश्किल हो सकता है। इसलिए लोगों को दवाओं के सुरक्षित एवं तर्कसंगत उपयोग के प्रति जागरूक करना आवश्यक है। यह विचार प्रदेश सरकार में तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी सोमवार को बिलासपुर के रौड़ा सेक्टर स्थित बहुउद्देशीय सांस्कृतिक परिसर में विश्व फार्मासिस्ट दिवस एवं राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह समारोह-2026 के राज्य स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए व्यक्त किये। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया एवं हिमाचल प्रदेश राज्य फार्मेसी काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समारोह की थीम 'स्वस्थ भारत : एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध का मुकाबला रखी गई थी। कार्यक्रम में प्रदेशभर से करीब 1400 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मंत्री ने खड्ड पुल से छलांग लगाने वाली बच्चियों के परिजनों को बंधाया ढांढस

घुमारवीं। नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने सोमवार को घुमारवीं अस्पताल पहुंचकर सीर खड्ड पुल से छलांग लगाने वाली दोनों नाबालिग लड़कियों के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं प्रकट कीं तथा उन्हें ढांढस बंधाया।

रायपुर मैदान में 30 पालतू और आवारा कुत्तों की नसबंदी की, मुफ्त लगाए रेबीज के टीके

अनंत ज्ञान



बंगाणा। उपमंडल बंगाणा के पशु चिकित्सालय रायपुर मैदान में पशुपालन विभाग की ओर से श्वानों की नसबंदी एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न ग्राम पंचायतों से लाए गए 30 पालतू और आवारा कुत्तों की नसबंदी की गई। इसके साथ ही सभी श्वानों को विभाग की ओर से निशुल्क एंटी रेबीज वैक्सीन भी लगाई गई।

शिविर का उद्देश्य आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के साथ रेबीज जैसी खतरनाक बीमारी से बचाव करना और लोगों को पशु कल्याण के प्रति जागरूक करना रहा। यह शिविर पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. वीरेंद्र पटियाल के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी बंगाणा डॉ. राजेश कुमार जंगा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। शिविर में जोनल पशु चिकित्सालय से आए विशेषज्ञ पशु चिकित्सक डॉ. अमित शर्मा, डॉ. हरीश जसवाल, डॉ. संदीप शर्मा और डॉ. अभिनव राणा ने नसबंदी की प्रक्रिया पूरी करवाई। वहीं स्थानीय पशु चिकित्सक डॉ. दीपशिखा भारती और डॉ. अभिनव सोनी ने भी महत्वपूर्ण सहयोग दिया। 1962 मोबाइल पशु एंबुलेंस के कर्मचारियों सहित विभागीय कर्मचारियों ने भी सेवाएं प्रदान कीं।

आवारा कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने की पहल

वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश कुमार जंगा ने कहा कि आवारा कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने और रेबीज से बचाव के लिए नसबंदी एवं टीकाकरण बेहद जरूरी है। उन्होंने शिविर को सफल बनाने के लिए सभी विशेषज्ञ चिकित्सकों, अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पशुओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण के लिए भविष्य में भी इस प्रकार के शिविर आयोजित किए जाएंगे।

नशे से दूर रहें युवा खिलाड़ी : सुरजीत सिंह

जूनियर वॉलीबॉल खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने पहुंचे भारतीय टीम के पूर्व कप्तान

अनंत ज्ञान



बंगाणा। कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के बंगाणा में आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भारतीय वॉलीबॉल टीम के पूर्व कप्तान, वर्तमान चयनकर्ता एवं बीएसएफ में कमांडर इन चीफ राणा सुरजीत सिंह कंवर ने विशेष रूप से शिरकत की। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए मेहनत, अनुशासन और समर्पण का संदेश दिया।

प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचने पर बीएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं हिमाचल प्रदेश वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र कंवर, महासचिव मदन राणा, जिला महासचिव राजेंद्र रिंकू और प्रतियोगिता संचालक चरणजीत शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

कंवर के नेतृत्व में बेहतर कार्य कर रहा वॉलीबॉल संघ

राणा सुरजीत सिंह कंवर ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र कंवर के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश वॉलीबॉल संघ खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध करवाने की दिशा में सराहनीय कार्य कर रहा है। बंगाणा में जूनियर खिलाड़ियों के लिए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने संघ के पदाधिकारियों और आयोजन टीम को शानदार प्रबंधन के लिए बधाई दी।

पूर्व कप्तान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है तो उन्हें उचित मार्गदर्शन और अवसर देने की। उन्होंने युवाओं को चिट्टे जैसे नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रखते हैं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना भी विकसित करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से अपनी ऊर्जा शिक्षा और खेलों में लगाने तथा मेहनत के दम पर प्रदेश और देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। राणा सुरजीत सिंह कंवर की उपस्थिति से जूनियर खिलाड़ियों में विशेष उत्साह देखने को मिला।





आभार

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र के प्रति अपना विश्वास, स्नेह और सहयोग बनाए रखने वाले सभी सम्मानित विज्ञापनदाताओं का हृदय की गहराइयों से आभार। आपका सहयोग हमारी पत्रकारिता की यात्रा को निरंतर मजबूती और नई ऊर्जा प्रदान करता है। आपके विश्वास के लिए हम सदैव कृतज्ञ रहेंगे।

आत्मा सिंह, विशेष संवाददाता
रामपुर बुशहर/कुमारसैन
मो. 9817603840



AVINASH EYE HOSPITAL

अंतरराष्ट्रीय लवी मेला -2026
की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

AVINASH EYE HOSPITAL

KNOW YOUR DOCTOR



Dr. Avinash Negi

Dr. Avinash Negi
has performed over 7000 successful cataract surgeries and treated over 65000 patients in past 6 years after completing his Masters of Surgery in Ophthalmology from prestigious Advance eye center PGIMER CHD. He has a vast and rich experience of 12 years in treating routine and emergency patients as a general physician Post MBBS in Department of health and family welfare Himachal Pradesh. He served in Regional Hospital Kinnaur at Peo for another 5 years and made entire District Cataract backlog free. With the intention and compassion of proving world-class quality and affordable eye care services to his patients in this region he decided to start his own eye hospital.

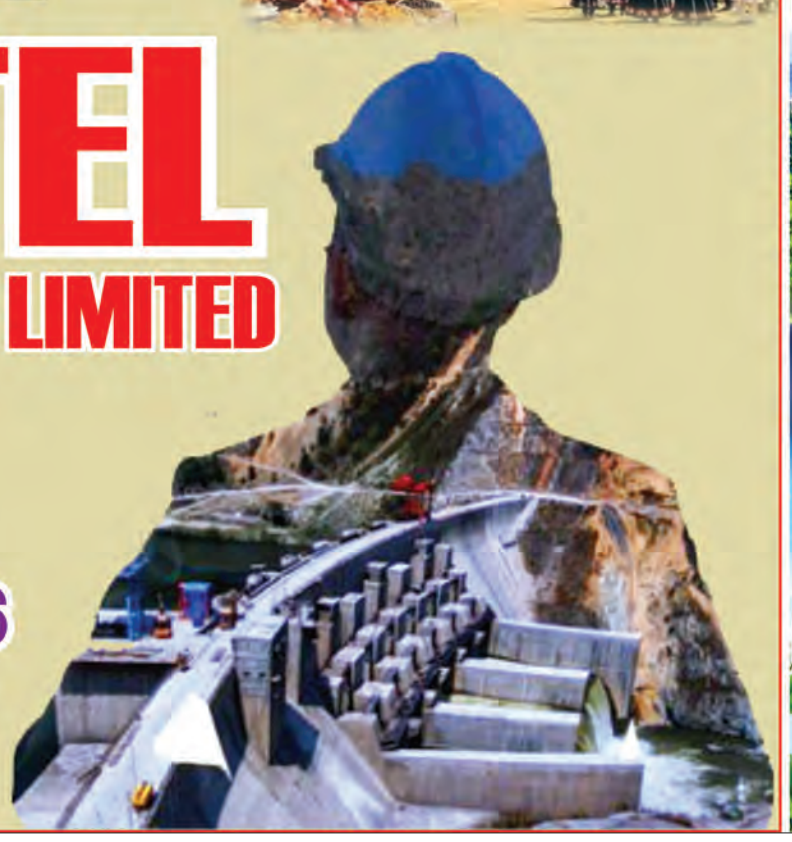
SPECIALITY INTEREST

❐ Topical Phacoemulsification surgery for cataract (painless cataract surgery) ❐ Fibrin glue (Baxter Switzerland) assisted (sutureless) pterigium autograft surgery with minimum recurrence rates with best cosmetic results. ❐ All kinds of eyelid injury/laceration repairs, open globe injury repair Intravitreal injections(ranibizumab, orzudex implant) for retinal diseases. ❐ Dry eye workup and treatment. ❐ Nd-Yag Laser capsulotomy for after cataracts and laser peripheral iridotomy forangle closure glaucoma. ❐ ROP screening of premature babies.

Patel®
Since 1949
PATEL ENGINEERING LIMITED



PATEL
ENGINEERING LIMITED



की तरफ से
अंतरराष्ट्रीय
लवी मेला -2026
की समस्त प्रदेशवासियों
को हार्दिक शुभकामनाएं

हिमाचल प्रदेश



न्यूज ब्रीफ

लखदाता मेले में बीडीसी ने की विकास कार्यों के लिए घोषणाएं

अश्वनी खड्ड में श्मशान घाट निर्माण को मिलेंगे तीन लाख रुपए : मनीष कुमार



कार्यक्रम को संबोधित करते बीडीसी। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान, सोलन। सोलन के गण की सेर में आयोजित लखदाता मेले में पंचायत समिति सलोगड़ा एवं मनसार के सदस्य मनीष कुमार ने विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की। मेला कमेटी ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने अश्वनी खड्ड में श्मशान घाट निर्माण के लिए पंचायत समिति की ओर से तीन लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिए जल शक्ति विभाग को पानी के टैंकों और पाइपों की व्यवस्था हेतु 2.50 लाख रुपए पहले ही दिए जा चुके हैं। मनीष कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता है। जनहित और विकास कार्यों के लिए उनका सहयोग जारी रहेगा।

अल्ट्राटेक सीमेंट के दाम 10 रुपए प्रति बोरी बढ़ने की तैयारी : अरुष गुप्ता

अनंत ज्ञान, सोलन। हिमाचल प्रदेश में महंगाई के बीच सीमेंट की कीमतों में बढ़ोतरी की तैयारी है। अल्ट्राटेक सीमेंट के दाम प्रति बोरी 10 रुपए तक बढ़ सकते हैं। इससे मकान निर्माण और मरम्मत कराने वाले लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं महासू जिला आईटी प्रभारी अरुष गुप्ता ने इस मुद्दे पर कांग्रेस सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि सरकार का बाजार और सीमेंट कंपनियों पर नियंत्रण नहीं है। प्रदेश में तीन बड़ी सीमेंट कंपनियां होने के बावजूद उपभोक्ताओं को सस्ती दरों का लाभ नहीं मिल रहा। पिछले तीन महीनों से कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने सरकार से मूल्यवृद्धि रोकने और जनता को राहत देने की मांग की।

सिरमौर में भाई की मौत के सदमे में बहन की भी हार्ट अटैक से मौत

अनंत ज्ञान, नाहन। सिरमौर जिले की ग्राम पंचायत धौलाकुआं के भारापुर गांव में भाई-बहन की कुछ घंटों के अंतराल में मौत से शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार, 70 वर्षीय दिलीप सिंह की शादी समारोह के दौरान हार्ट अटैक से मौत हो गई। भाई की मौत की खबर सुनकर उनकी 53 वर्षीय बहन कमलेश देवी मायके पहुंचीं। भाई का शव देखकर वह गहरे सदमे में आ गईं और उन्हें सीने में तेज दर्द हुआ। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार दोनों भाई-बहन में गहरा स्नेह था। दिलीप सिंह का अंतिम संस्कार 14 नवंबर और कमलेश देवी का 15 नवंबर को गांव के एक ही श्मशान घाट में किया गया।

पक्का टैंक के पास खुली नाली बनी जानलेवा

नई नाली ढकी; पुरानी खुली छोड़ी, विभाग पर दोहरे मापदंड अपनाने के आरोप



अनंत ज्ञान, नाहन। ऐतिहासिक पक्का टैंक के किनारे रानी झांसी पार्क के पास खुली बरसाती नाली लोगों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए खतरा बनी हुई है। आरोप है कि करीब चार साल पहले टाइलें उखाड़कर टारिंग के दौरान फुटपाथ तोड़ दिया गया था। पैदल चलने का रास्ता भी खत्म कर नाली खुली छोड़ दी गई। इससे लोग इसमें गिरकर चोटिल हो रहे हैं और दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। वहीं इसी क्षेत्र में यूनियन बैंक से लखदाता पीर होते हुए एमसी पार्क तक नई बरसाती नाली का निर्माण किया जा रहा है। इसे निर्माण के दौरान ही ढका जा रहा है। स्थानीय लोगों ने विभाग पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए पुरानी नाली को भी ढकने व फुटपाथ की मरम्मत की मांग की है।

बाबा दीप सिंह जी की शहादत पर नाहन में मानवता की सेवा के नाम सजा लंगर

अनंत ज्ञान, नाहन। महान योद्धा शहीद बाबा दीप सिंह जी के शहीदी दिवस पर नाहन स्थित डॉ. वाईएस परमार मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के बाहर समाजसेवी राम सिंह और उनके साथियों ने विशाल लंगर लगाया। इसमें सिस्टौल फार्मा कंपनी के प्रबंधक हैरी भाई ने भी विशेष रूप से भाग लिया। राम सिंह ने कहा कि बाबा दीप सिंह जी का जीवन वीरता, बलिदान और निस्वार्थ सेवा की प्रेरणा देता है। लंगर की परंपरा समाज में जाति, धर्म और आर्थिक भेदभाव मिटाकर भाईचारे का संदेश देती है। उन्होंने युवाओं से नशे और सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर सेवा, सद्भाव और मानवता के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

श्री भूरशिंग (भूरेश्वर) महादेव मेला 18 व 19 नवंबर को श्रद्धा व उल्लास से मनाया जाएगा

अनंत ज्ञान, सराहां। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दीपावली के दसवें और ग्यारहवें दिन आयोजित होने वाला श्री भूरशिंग (भूरेश्वर) महादेव मेला 18 और 19 नवंबर को बड़ी श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। मेले का शुभारंभ 18 नवंबर को प्रातः 11 बजे होगा। मेले के पहले दिन बुधवार, 18 नवंबर को दोपहर 12 बजे कबड्डी एवं वॉलीबाल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 2 बजे विशाल दंगल होगा, जिसमें दूर-दराज के क्षेत्रों से नामी पहलवान अपनी कुश्ती का दमखम दिखाएंगे। मेले के दूसरे दिन वीरवार, 19 नवंबर को ग्राम पंजेली से भूरशिंग महादेव की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय शिव भक्तों के शामिल होने की उम्मीद है।

सोलन में पेयजल संकट पर शहरी कांग्रेस ने जताया रोष, मटका फोड़ आंदोलन की चेतावनी

कई वार्डों में नियमित रूप से नहीं हो रही पानी की आपूर्ति, नगर निगम मेयर को सौंपा ज्ञापन

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। सोलन शहर में अनियमित पेयजल आपूर्ति को लेकर शहरी कांग्रेस ने नगर निगम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को शहरी कांग्रेस अध्यक्ष पुनीत शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में शहर के विभिन्न वार्डों में पानी के असमान वितरण पर रोष जताया गया।

बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने नगर निगम की मेयर सुषमा शर्मा को ज्ञापन सौंपकर सभी 17 वार्डों में नियमित और समान पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। शहरी कांग्रेस अध्यक्ष पुनीत शर्मा ने कहा कि 13 नवंबर को आयोजित प्रेस वार्ता में नगर निगम प्रशासन को पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिए चार दिन का अल्टीमेटम दिया गया था। इसके बाद आपूर्ति में कुछ सुधार हुआ है, लेकिन स्थिति अभी भी संतोषजनक नहीं है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि शहर को 80 लाख लीटर से अधिक पानी उपलब्ध होने के बावजूद कई वार्डों में एक सप्ताह के अंतराल पर सप्लाई की जा रही है। इसके चलते लोगों को अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए निजी टैंकरों का सहारा लेना पड़ रहा है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पेयजल संकट को जनहित का प्रमुख मुद्दा बनाकर नगर निगम प्रशासन पर दबाव बनाया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो पार्टी सड़क पर उतरकर धरना-प्रदर्शन करेगी और मटका फोड़ आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में पूरी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी।



विरोध प्रदर्शन के बाद मेयर से मिलते कांग्रेसी। अनंत ज्ञान

पूर्व पार्षद राजीव कौड़ा ने आरोप लगाया कि नगर निगम पेयजल वितरण में भेदभाव कर रहा है। बैठक में वार्डों के विकास कार्यों के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध नहीं करवाने और लंबित पेयजल पाइपलाइन बिछाने का मुद्दा भी उठाया गया। वहीं, मेयर सुषमा शर्मा ने पेयजल समस्या सामान्य होने का दावा किया और कहा कि वार्डों में विकास कार्यों के लिए जल्द बजट उपलब्ध करवाया जाएगा।

महासचिव (संगठन) विजय पुरी ने बताया कि बैठक में पार्षदों, पूर्व पार्षदों, पूर्व अध्यक्षों, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान संगठन को मजबूत करने और सभी 17 वार्डों में बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की रणनीति भी बनाई गई। बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नगर निगम कार्यालय पहुंचकर भाजपा शासित निगम की कार्यप्रणाली के खिलाफ नारेबाजी की।

राज्य शतरंज चैंपियनशिप में मयूर और द्वितिका बने विजेता

अनंत ज्ञान, सोलन। हिमाचल प्रदेश राज्य शौकिया शतरंज चैंपियनशिप-2026 का आयोजन 14 व 15 नवंबर को शूलिनी विवि के रतन टाटा हॉल में किया गया। सोलन जिला शतरंज संघ की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में प्रदेशभर के खिलाड़ियों ने भाग लिया। ओपन वर्ग में मयूर ने 6½ अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। संजीव ठाकुर छह अंकों के साथ दूसरे और अर्नव वेक्ता तीसरे स्थान पर रहे। लड़कियों के वर्ग में द्वितिका ने 4½ अंक लेकर पहला स्थान हासिल किया। भव्या शर्मा दूसरे और सृष्टि तीसरे स्थान पर रहीं। आयोजकों ने शीर्ष दस खिलाड़ियों के लिए नकद पुरस्कार व मेडल निर्धारित किए थे। पहले तीन स्थानों के लिए 5,000, 4,000 व 3,000 रुपए के पुरस्कार रखे गए। शीर्ष दो खिलाड़ियों को असम में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रदेश में शतरंज को बढ़ावा देना व नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना था।

प्री-स्कूल में दाखिले से पहले ईसीसीई पंजीकरण जांचें अभिभावक : रचना धालीवाल

अनंत ज्ञान, सोलन। हिमाचल प्रदेश प्री-स्कूल एसोसिएशन की प्रदेश अध्यक्ष रचना धालीवाल ने अभिभावकों से अपील की है कि तीन से छह वर्ष के बच्चों का प्ले स्कूल, नर्सरी या किंडरगार्टन में दाखिला करवाने से पहले संस्थान का वैध ईसीसीई पंजीकरण प्रमाणपत्र जरूर जांचें। सोलन में प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने 17 मार्च, 2026 को ईसीसीई नियम अधिसूचित किए हैं। इनके तहत 20 बच्चों पर एक वयस्क व शिक्षण कर्मचारियों के लिए न्यूनतम 10+2 योग्यता निर्धारित है। 20 बच्चों के लिए कम से कम 28 वर्ग मीटर कक्षा क्षेत्र भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में स्वच्छ पेयजल, सुरक्षित फर्नीचर, बाल-अनुकूल शौचालय, सीसीटीवी और प्राथमिक उपचार जैसी सुविधाएं होनी चाहिए। कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन भी अनिवार्य है। उन्होंने प्रशासन से प्री-स्कूलों का नियमित निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की मांग की।

डॉ. बलबीर ठाकुर बने हिमाचल प्रदेश यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट के प्रदेश अध्यक्ष

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर पत्रकारों ने मीडिया की भूमिका व चुनौतियों पर किया मंथन



हिमाचल प्रदेश यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट नवगठित कार्यकारिणी प्रदेश अध्यक्ष बलबीर ठाकुर के साथ। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

बीबीएन। हिमाचल प्रदेश यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट (एचपीयूजे) के चुनाव सोमवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर आईईसी विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में संपन्न हुए। इसमें डॉ. बलबीर ठाकुर को सर्वसम्मति से प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। निवर्तमान अध्यक्ष बीरबल शर्मा ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका महासचिव सुरेंद्र शर्मा ने समर्थन किया। चुनाव पर्यवेक्षक एवं एनयूजे इंडिया के राष्ट्रीय सचिव अदीप सोनी ने चुनाव प्रक्रिया पूरी करवाई।

कार्यक्रम में एनयूजे इंडिया की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कविता संघाइक ने मुख्य अतिथि के रूप में मीडिया की भूमिका और चुनौतियों पर विचार रखे। संगठन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक मलिक ने भी बदलते मीडिया परिदृश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम के साथ हुआ। इस अवसर पर हिमाचल ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के चेयरमैन सतीश सिंघल और बॉक्स मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष हेमराज चौधरी को वरिष्ठ उद्यमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। देवव्रत यादव, रविदत्त शर्मा और कपिल ठाकुर को भी सम्मान मिला।

नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. बलबीर ठाकुर ने संगठन का प्रदेशभर में विस्तार करने की बात कही। इस दौरान सतीश सिंघल ने फार्मा उद्योग की समस्याएं उठाईं और दवाओं के सैंपल फेल होने के मामलों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने पर चिंता जताई। हेमराज चौधरी ने गत्ता उद्योग की चुनौतियां साझा करते हुए समस्याओं को प्रमुखता से उठाने के लिए मीडिया का आभार जताया। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के पत्रकार संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

शिमला ग्रामीण खेल महाकुंभ

धरोगड़ा पंचायत का शानदार प्रदर्शन बैडमिंटन में हासिल किया प्रथम स्थान



अनंत ज्ञान, सोलन/शिमला। *शिमला ग्रामीण खेल महाकुंभ में धरोगड़ा पंचायत के खिलाड़ियों और प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन कर पंचायत का नाम रोशन किया। सुन्नी में आयोजित प्रतियोगिता में पंचायत की टीम ने बैडमिंटन में प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि लोक नृत्य (फोक डांस) में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा रस्साकशी प्रतियोगिता में पंचायत की सभी टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए खेल भावना और एकजुटता का परिचय दिया। वहीं फैशन शो में डिंपल और जया ठाकुर ने अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस उपलब्धि पर पंचायत प्रधान पुष्पा ठाकुर ने सभी खिलाड़ियों और प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता पंचायत के युवाओं की मेहनत, लगन और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियां युवाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन व आपसी भाईचारे की भावना को मजबूत करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए भविष्य में भी इसी तरह पंचायत का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं।*

सोलन में महिला सशक्तिकरण की पहल, जरूरतमंद परिवारों को बांटी राशन किट

लायंस क्लब के ट्विनिंग कार्यक्रम में 10 महिलाओं को मिली सिलाई मशीनें

अनंत ज्ञान

सोलन। लायंस क्लब सोलन वैली एवं लायंस क्लब अमृतसर सिविल लाइन्स के संयुक्त तत्वावधान में दुर्गा क्लब सोलन में ट्विनिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सामाजिक सेवा, भाईचारे और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट 321-डी के पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन परमजीत सिंह चावला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने लायंस क्लब सोलन वैली के अध्यक्ष लायन रामिंदर बावा और उनकी टीम को सम्मानित करते हुए सामाजिक कार्यों की सराहना की।

इस अवसर पर 10 जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सिलाई मशीनें वितरित की गईं। इनमें दयावंती, सरोज, नीलम, आशा, कनु मन्हास, निशा, सीमा, रंजू बाला, दुर्गा देवी और पदमा देवी शामिल रहीं। इसके अलावा जरूरतमंद परिवारों को राशन किट और एक वाटर कूलर भी भेंट किया गया। कार्यक्रम में लायंस क्लब सोलन वैली के अध्यक्ष रामिंदर बावा, सचिव डॉ. आरके सूद और कोषाध्यक्ष शक्ति अवस्थी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। वहीं अमृतसर सिविल लाइन्स क्लब की अध्यक्ष मनिंदर पाल कौर, सचिव राजेश सेठी, कोषाध्यक्ष प्रीतपाल सिंह और जनसंपर्क अधिकारी राजवंत कौर ने भी भाग लिया। परियोजना चेयरमैन लायन विनीत राय सूद और लायन सुमित डांग रहे। अध्यक्ष रामिंदर बावा ने अतिथियों और सदस्यों का आभार जताते हुए भविष्य में भी महिला सशक्तिकरण और जनकल्याण के कार्य जारी रखने की बात कही। कार्यक्रम का समापन सामूहिक दोपहर भोज के साथ हुआ।



जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से दी गई सिलाई मशीनें। अनंत ज्ञान

पत्रकारिता की विश्वसनीयता के लिए नैतिकता व तथ्यात्मकता जरूरी : एकता कापटा

अनंत ज्ञान, नाहन। राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस पर नाहन प्रेस क्लब में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त एकता कापटा ने की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। पत्रकारिता जनहित के मुद्दे उठाने, शासन और जनता के बीच संवाद स्थापित करने तथा समाज को जागरूक करने का सशक्त माध्यम है। भारतीय प्रेस परिषद के इस वर्ष के विषय 'पत्रकारिता : सनसनी या जिम्मेदारी' पर उन्होंने कहा कि मीडिया की विश्वसनीयता निष्पक्षता, तथ्यात्मकता व नैतिक मूल्यों पर निर्भर करती है। मुख्य वक्ता सूरत पुंडीर ने कहा कि पत्रकारिता का उद्देश्य समाज को सही और प्रमाणिक जानकारी देना है। जिला लोक संपर्क अधिकारी ममता नेगी ने भी डिजिटल मीडिया के दौर में भ्रामक सूचनाओं से बचने और खबरों की सत्यता जांचने पर जोर दिया।

निष्पक्ष पत्रकारिता लोकतंत्र की मजबूती का आधार : रमेश शर्मा

पत्रकारिता में सनसनी नहीं, तथ्यों और जिम्मेदारी को दें प्राथमिकता



कार्यक्रम को संबोधित करते एसपी रमेश शर्मा।

अनंत ज्ञान

सोलन। राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रमेश शर्मा ने पत्रकारों से तथ्यों की पुष्टि और नैतिक जिम्मेदारी के साथ पत्रकारिता करने का आह्वान किया। भारतीय प्रेस परिषद की ओर से निर्धारित विषय 'पत्रकारिता : सनसनी या जिम्मेदारी' पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। उन्होंने कहा कि टीआरपी और ब्रेकिंग न्यूज की दौड़ में खबरों की सत्यता से समझौता नहीं होना चाहिए। पत्रकारिता का उद्देश्य सनसनी फैलाना नहीं, बल्कि बिना दबाव जनता की समस्याओं को उठाना और समाज को सही दिशा दिखाना है। पत्रकार यशपाल कपूर, पवन ठाकुर, कीर्ति कौशल, मोहन चौहान, अमित डोभाल, तोमर ठाकुर, भूपेंद्र ठाकुर, रीता ठाकुर और मोहिनी सूद ने भी विचार रखे। उन्होंने खबरों के प्रकाशन से पहले तथ्यों की जांच, संतुलित शीर्षकों और निष्पक्ष रिपोर्टिंग को जरूरी बताया। वक्ताओं ने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में भ्रामक सूचनाओं से बचना व मीडिया की विश्वसनीयता बनाए रखना पत्रकारों की बड़ी जिम्मेदारी है।

'आप' ने 'तीर्थ यात्रा' को बनाया 'लूट यात्रा' : बलबीर सिंह सिद्धू



अनंत ज्ञान

साहिबजादा अजीत सिंह नगर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पंजाब के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने आम आदमी पार्टी सरकार पर मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक आस्था से जुड़ी इस योजना को सरकार ने जनता के पैसे की लूट का माध्यम बना दिया है। प्रेस बयान में सिद्धू ने आरोप लगाया कि पंजाब के ट्रांसपोर्टरों को नजरअंदाज कर बाहर की कंपनियों को महंगे दामों पर ठेके दिए गए। यात्रा के लिए पुरानी बसें इस्तेमाल की जा रही हैं, जिनकी तकनीकी जांच और चालकों के अनुभव पर भी सवाल हैं। उन्होंने तरनतारन के निकट दो बसों की टक्कर में चार श्रद्धालुओं की मौत के लिए सरकार और ठेकेदार की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया।

सिद्धू ने दावा किया कि बसों में करीब 20 यात्री होने के बावजूद 40 के हिसाब से बिल वसूले जा रहे हैं। भोजन, चाय, पानी और पीतल के गिलासों के भुगतान में भी अनियमितताओं का आरोप लगाया। उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग की।

श्री गुरु हरिकृष्ण मॉडल स्कूल में वार्षिक समारोह 'बबली ट्यून्स' की धूम

अनंत ज्ञान, राकेश मलकानिया, चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-38 डी स्थित श्री गुरु हरिकृष्ण मॉडल स्कूल के प्राइमरी विंग का वार्षिक समारोह 'बबली ट्यून्स' उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नन्हे विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। समारोह का शुभारंभ यूकेजी के विद्यार्थियों ने मधुर स्वागत गीत से किया। इसके बाद रंगारंग हरियाणवी नृत्य की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. हरप्रीत कौर ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों और उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की। उन्होंने बच्चों और उनके मार्गदर्शकों को कड़ी मेहनत व सामूहिक प्रयासों के लिए बधाई दी। साथ ही विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने और उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। समारोह का समापन उल्लासपूर्ण माहौल में हुआ।

जनगणना 2027 के दूसरे चरण के तहत स्व-गणना की प्रक्रिया शुरू

विधायक कुलवंत सिंह ने परिवार सहित ऑनलाइन स्व-गणना की



अनंत ज्ञान

साहिबजादा अजीत सिंह नगर। जनगणना 2027 के दूसरे चरण के तहत सोमवार से पंजाब में ऑनलाइन स्व-गणना की प्रक्रिया शुरू हो गई। मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह ने परिवार सहित ऑनलाइन विवरण दर्ज करवाकर जिले के लोगों से इसमें भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना में भागीदारी राष्ट्रीय कर्तव्य है। मोबाइल या कंप्यूटर के माध्यम से घर बैठे स्व-गणना करने से गणनाकारों का काम आसान होगा और प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी हो सकेगी। जनगणना के सटीक आंकड़े सरकार को जनकल्याणकारी योजनाएं बनाने और विकास कार्यों की योजना तैयार करने में मदद करते हैं। जनगणना कार्यों की उप निदेशक रुचि गुप्ता ने बताया कि नागरिक 16 से 30 नवंबर 2026 तक आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से स्व-गणना कर सकते हैं। इसके बाद एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक गणनाकार घर-घर जाकर जनसंख्या गणना करेंगे। अधिकारियों ने लोगों से समय पर विवरण भरने और गणनाकारों को सहयोग देने की अपील की।

पठानकोट में पिस्तौल की नोक पर एक्सयूवी-500 लूटी, हाईवे पर अलर्ट

वाहन लूट के बाद पठानकोट से जम्मू तक हाईवे पर नाकाबंदी

अनंत ज्ञान

अशोक ठाकुर, पठानकोट। पठानकोट-जम्मू नेशनल हाईवे के डाउनटाउन इलाके में पिस्तौल की नोक पर सफेद महिंद्रा एक्सयूवी-500 लूट ली गई। आरोपी ने ड्राइवर को धमकाकर गाड़ी से नीचे उतारा और माधोपुर की ओर फरार हो गया। शुरुआती सूचना में ड्राइवर के अपहरण की बात कही गई थी, लेकिन जांच में यह गलत निकली। ड्राइवर प्रवीण सिंह (40), निवासी बमियाल, ने बताया कि वह सनी वर्मा के परिवार को लेकर घूमने आया था। परिवार के जाने के बाद वह पुल नंबर-पांच के पास गाड़ी में बैठा था। तभी काला परना बांधे युवक ने उसकी छाती पर पिस्तौल तानकर थप्पड़ मारा और गाड़ी से उतरने को कहा। लूटी गई गाड़ी का नंबर पीबी-35-जीजी-9902 है। वारदात के बाद पठानकोट से जम्मू तक नाकाबंदी बढ़ा दी गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। एसएसपी मनप्रीत सिंह के अनुसार बीएनएस की धारा 304(2) और आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत केस दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।



लूटी गई गाड़ियों से पहले भी हुए हैं दो आतंकी हमले

घटना के बाद पंजाब व जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। इसकी एक वजह पंजाब में पहले लूटी गई गाड़ियों का आतंकी हमलों में इस्तेमाल होना भी है।

27 जुलाई, 2015: दीनानगर पुलिस थाने पर हमले में आतंकियों ने छीनी गई मारुति कार का इस्तेमाल किया था।

जनवरी 2016: पठानकोट एयरबेस हमले से पहले टैक्सी ड्राइवर की हत्या कर इनोवा व पंजाब पुलिस के एसपी सलविंदर सिंह की गाड़ी छीनी थी। इन हमलों में सात-सात लोगों की मौत हुई थी।

खूबसूरत एथलीट अलिका शिमट

अलिका शिमट जर्मनी की एक प्रसिद्ध ट्रैक और फील्ड एथलीट हैं, जिन्हें अक्सर मीडिया द्वारा 'दुनिया की सबसे सेक्सी एथलीट' के रूप में जाना जाता है। वह 400 मीटर और रिले रेस में विशेषज्ञ हैं। अपनी फिटनेस, मॉडलिंग और 50 लाख से अधिक इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के लिए मशहूर, शिमट ने 2024 पेरिस ओलंपिक में भी भाग लिया था।



जय शाह दूसरी बार आईसीसी के बॉस

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध चेयरमैन चुना

एजेंसी, बाली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को घोषणा की कि जय शाह को दो साल के दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से निर्विरोध चेयरमैन नियुक्त किया गया है। आईसीसी ने कहा कि इससे खेल के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ पर निरंतरता सुनिश्चित होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव रह चुके 38 वर्षीय शाह ने दिसंबर 2024 में आईसीसी अध्यक्ष का पद संभाला था। उन्हें रविवार को संपन्न हुई वैश्विक संस्था की बोर्ड बैठकों के दौरान दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से नियुक्त किया गया।

आईसीसी ने एक बयान में कहा, यह फैसला शाह के नेतृत्व में बोर्ड के विश्वास को दर्शाता है और खेल के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ पर निरंतरता सुनिश्चित करता है। वैश्विक विस्तार, प्रशंसकों की संख्या में वृद्धि और व्यावसायिक विकास हमारी रणनीतिक योजना के प्रमुख केंद्र में हैं। क्रिकेट 2028 में लॉस एंजिलिस खेलों के जरिए ओलंपिक में वापसी की तैयारी भी कर रहा है।

उधर, भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने जय शाह को लगातार दूसरी बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद चेयरमैन नियुक्त होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। बीसीसीआई ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया एक्स प्लेटफार्म पर पोस्ट शेयर किया है।

बीसीसीआई ने पोस्ट में लिखा कि जय शाह को बधाई, जिन्हें बाली में आयोजित वैश्विक शासी निकाय की बोर्ड बैठकों में आईसीसी चेयरमैन के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध फिर से नियुक्त किया गया है। आप अपने प्रयासों में लगातार सफलता प्राप्त करते रहें और क्रिकेट को हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाएं।

दुनियाभर में क्रिकेट की बेहतरी के लिए हूं प्रतिबद्ध : शाह

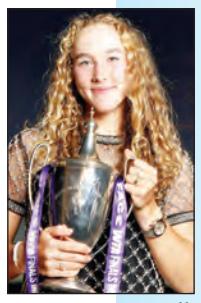


लगातार दूसरी बार चेयरमैन बनने पर जय शाह ने कहा, आईसीसी बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं सभी डायरेक्टर्स का उनके निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए तहे दिल से आभारी हूं। आईसीसी चेयरमैन के रूप में काम करना एक सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट के हितों को आगे बढ़ाने के लिए अपने सदस्यों के साथ मिलकर काम करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। शाह ने आगे कहा कि हम अपने खेल के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण और रोमांचक दौर में प्रवेश कर रहे हैं। लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी हमारे खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाने और खिलाड़ियों तथा प्रशंसकों की नई पीढ़ी को प्रेरित करने का एक शानदार अवसर है। हमारी जिम्मेदारी केवल सफल इवेंट्स आयोजित करने तक ही सीमित नहीं है। हमें प्रशंसकों, खिलाड़ियों, कमर्शियल पार्टनर्स और अन्य प्रमुख हितधारकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, इस खेल के लिए एक मजबूत और टिकाऊ भविष्य का निर्माण करना होगा। जय शाह ने कहा कि मेरा हमेशा से मानना रहा है कि क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकत लोगों को एक साथ लाने की इसकी क्षमता है। बोर्ड और अपने सदस्यों के समर्थन से हमारा पूरा ध्यान अपने लक्ष्यों को हकीकत में बदलने पर होगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारी प्रगति आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी विरासत छोड़कर जाए।

टेनिस खिलाड़ी एंड्रीवा ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब

एजेंसी, इंडियन वेल्स

रूस की 19 साल की टेनिस खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने रविवार को डब्ल्यूटीए (विमेंस टेनिस एसोसिएशन) फाइनल्स का खिताब जीत लिया। अमेरिका के इंडियन वेल्स में खेले गए फाइनल में उन्होंने यूक्रेन की 32 साल की एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ एंड्रीवा करियर की सर्वश्रेष्ठ वर्ल्ड नंबर-2 रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। चैंपियन बनने पर उन्हें 33.7 लाख डॉलर (करीब 28.4 करोड़ रुपए) की इनामी राशि और अल्ट्रावॉयलेट पर्पल रंग की मर्सिडीज-बेंज कन्वर्टिबल कार मिली। फाइनल मैच के दौरान मीरा एंड्रीवा। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया। मैच के बाद मर्सिडीज-बेंज कार को कोर्ट पर लाया गया। एंड्रीवा खुशी-खुशी उसकी ड्राइविंग सीट पर बैठ गईं। एंड्रीवा ने कहा, 'यह मेरे लिए जल्द से जल्द ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने का शानदार मोटिवेशन है। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो मेरी टीम में पांच लोग हैं। मैं हमेशा के लिए पैसेंजर प्रिंसेस बनकर रह सकती हूं। यह भी एक विकल्प है।'



बिना सेट गंवाए खिताब जीतने वाली 11वीं खिलाड़ी

एंड्रीवा बिना कोई सेट गंवाए फाइनल्स का खिताब जीतने वाली 11वीं खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले क्रिस एवर्ट, मार्टिना नवरातिलोवा और सेरेना विलियम्स जैसी दिग्गज खिलाड़ी भी यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। इस उपलब्धि पर एंड्रीवा ने कहा, 'इस खास ग्रुप में अपना नाम शामिल कर मैं खुद को बेहद खुशकिस्मत मानती हूं।' अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान एंड्रीवा ने एक खास जैकेट पहनी थी, जिस पर लिखा था- 'आई वांट टू थैंक माईसेल्फ' यानी मैं खुद को धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि वे कड़ी मेहनत करने, कभी हार नहीं मानने, खुद पर भरोसा रखने और हर दिन अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए मेहनत करने पर खुद को धन्यवाद देना चाहती हैं।

स्पोर्ट्स विंडो

सैफ चैंपियन बनने के लिए ढाका में आज भिड़ेंगे भारत और पाकिस्तान

एजेंसी, ढाका। गत चैंपियन भारतीय फुटबॉल टीम मंगलवार को यहां राष्ट्रीय स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में उतरेगी। भारतीय टीम की नजरें लगातार तीसरी बार खिताब जीतकर इतिहास रचने और अपना 10वां खिताब हासिल करने पर होंगी। भारत ने अब तक रिकॉर्ड नौ बार सैफ चैंपियनशिप का खिताब जीता है। टीम ने 1993, 1997, 1999, 2005, 2009, 2011, 2015, 2021 और 2023 में यह उपलब्धि हासिल की है। हालांकि, भारतीय टीम अब तक लगातार तीन संस्करणों में खिताब नहीं जीत सकी है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की वेबसाइट के अनुसार, भारत ने 15 संस्करणों में से 14 में शीर्ष दो में जगह बनाई है। केवल 2003 में टीम फाइनल तक नहीं पहुंच सकी थी। दूसरी ओर, पाकिस्तान पहली बार सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। टीम इससे पहले चार बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी, जिसमें पिछला मौका 2018 में आया था। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने मेजबान बांग्लादेश को 1-0 से हराकर पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। अब्दुल समद ने 86वें मिनट में निर्णायक गोल किया।

मैंने खिलाड़ियों संग हुए अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई, पैसे की जरूरत नहीं : ख्वाजा

एजेंसी, सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने 2018 के सैंडपेपरगेट (रेगमाल से गेंद की स्थिति बदलने से जुड़ा मामला) विवाद को लेकर किए गए खुलासों पर सफाई देते हुए कहा है कि उनका मकसद इससे आर्थिक लाभ कमाना नहीं था और वह सिर्फ यह चाहते थे कि पूरी टीम उस घटना की जिम्मेदारी ले जिसके कारण डेविड वार्नर, स्टीव स्मिथ और कैमरन बेनक्रॉफ्ट को 'बेहद कठोर' सजा झेलनी पड़ी। वर्ष 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच के दौरान गेंद से छेड़छाड़ की कोशिश में भूमिका के लिए वार्नर, स्मिथ और बेनक्रॉफ्ट पर अलग-अलग अवधि का प्रतिबंध लगाया गया था। स्मिथ और वार्नर को नेतृत्व की भूमिकाओं से भी प्रतिबंधित कर दिया गया था। हालांकि ख्वाजा ने अपनी किताब 'सब्र' में दावा किया है कि पूरी टीम को इस साजिश की जानकारी थी। मौजूदा कप्तान पैट कमिंस ने इस दावे को ''पूरी तरह बकवास'' बताते हुए खारिज किया है। एंटोनेट लट्रूफ के पॉडकास्ट 'वी यूज्ड टू बी...' में बातचीत के दौरान ख्वाजा ने कहा कि उन्होंने इस घटना का जिक्र वार्नर से किए गए वादे को पूरा करने के लिए किया। उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे काफी समय पहले वादा किया था क्योंकि उन्हें पिछले आठ साल से इसका बोझ उठाना पड़ा है। अपनी किताब में क्या लिखा है यह मैंने डेविड वार्नर को दो महीने पहले तक नहीं बताया था।'



मुश्ताक अली ट्रॉफी में तायड़े और मलावर की फिफ्टी से जीता विदर्भ

एजेंसी, कोलकाता। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दूसरे राउंड में 19 मुकाबले खेले जा रहे हैं। अथर्व तायडे और दानिश मलावर की फिफ्टी की बदौलत विदर्भ ने ओडिशा को 8 विकेट से हराया। विदर्भ की यह लगातार दूसरी जीत है। वहीं, राजस्थान ने डिफेंडिंग चैंपियन झारखंड को 55 रन से हरा दिया। कोलकाता में खेले गए इस मुकाबले में ओडिशा ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 161 रन बनाए। जवाब में विदर्भ ने 17.4 ओवर में 2 विकेट खोकर 162 रन बनाकर मैच जीत लिया। तायडे ने 48 गेंदों पर 11 चौके समेत 74 रन बनाए। जबकि, मलावर ने 42 गेंदों पर नाबाद 67 रन बनाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 125 रन की साझेदारी की। ओडिशा से गौरव चौधरी ने 53 रन बनाए, लेकिन अपनी टीम को जिता नहीं सके। विदर्भ के नचिकेत भूटे ने 22 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि यश कदम को 2 विकेट मिले। मुंबई के बीकेसी ग्राउंड पर दीपक चाहर और मानव सुथार ने झारखंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की। इससे 166 रन डिफेंड कर रही राजस्थान ने झारखंड को 111 रन पर ऑलआउट कर दिया।

दो टेस्ट की शृंखला में परिस्थितियां एक जैसी रहने की उम्मीद : वॉल्टर

एजेंसी, वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर को उम्मीद है कि भारत के खिलाफ टेस्ट शृंखला के पहले मुकाबले के आयोजन स्थल बेसिन रिजर्व की परिस्थितियां इस मैदान के पारंपरिक मिजाज के अनुरूप रहेंगी। हालांकि वह भारतीय टीम के मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण को लेकर सतर्क भी हैं। तेज गेंदबाजों के अनुकूल परिस्थितियों की संभावना के बीच भारत ने दो टेस्ट मैच की शृंखला के लिए स्पिनर कुलदीप यादव की जगह तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को टीम में शामिल किया है। भारतीय टीम में अन्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप हैं। टेस्ट से पहले खेली गई एकदिवसीय शृंखला में बल्लेबाजों को काफी मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा था। हालांकि भारत ने यह शृंखला 3-1 से अपने नाम की। टेस्ट शृंखला का पहला मुकाबला यहां 19 नवंबर से शुरू होगा। वॉल्टर ने संवाददाताओं से कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो हमारा ध्यान अपनी तैयारियों और न्यूजीलैंड में अपने क्रिकेट खेलने के तरीके पर होना चाहिए। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि सामने कौन सी टीम आती है। हमें ऐसी परिस्थितियों के लिए तैयारी करनी होगी जिनमें हमें जीत हासिल करने के सबसे अच्छा मौका मिले।'

रोहित की खराब लय ने बढ़ाई चयन समिति के प्रमुख ओझा की मुश्किलें

एजेंसी, ऑकलैंड



जूनियर क्रिकेट के दिनों में पनपी दोस्ती इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और तत्कालीन राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रशिक्षण शिविरों के दौरान और गहरी हुई लेकिन आज रोहित शर्मा और प्रज्ञान ओझा एक ऐसी पेचीदा परिस्थिति में खड़े हैं, जिसका समाधान भारत को अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले तलाशना होगा। राष्ट्रीय चयन समिति के प्रमुख ओझा भारतीय टीम के अलावा आईपीएल में डेक्कन चार्जर्स और फिर मुंबई इंडियन्स के लिए रोहित साथ खेल चुके है।

ओझा के सामने यह मुश्किल स्थिति रोहित शर्मा का बल्ले से लगातार गिरता प्रदर्शन और इसके बावजूद खेलते रहने का उनका दृढ़ संकल्प है। ओझा के सामने अब यह कठिन सवाल है कि क्या केवल रोहित का खेलने का जज्बा ही उन्हें दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एकदिवसीय क्रिकेट के इस सबसे बड़े आयोजन के लिए भारतीय टीम में जगह दिलाने के लिए पर्याप्त होगा? न्यूजीलैंड की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने चार वनडे पारियों में महज 30 रन बना पाये।

इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला से पहले तत्कालीन मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के कहने पर रोहित से मुलाकात करने वाले ओझा ही थे। इस मुलाकात का मकसद यह जानना था कि क्या रोहित लॉर्ड्स में संन्यास लेने के प्रस्ताव पर विचार करने को तैयार हैं। रोहित को हालांकि यह प्रस्ताव रास नहीं आया। उन्होंने भारतीय क्रिकेट के शीर्ष अधिकारियों तक अपनी नाराजगी भी पहुंचा दी। इसका नतीजा अगरकर के साथ बेहद तल्ख विदाई के रूप में सामने आया। अगरकर के जाने के बाद अब पूरी जिम्मेदारी ओझा के कंधों पर आ गई है।

फुटबॉल: स्पेन का अजेय रहने का सफर थमा

लगातार 43 मैच जीतने के बाद 44वें मैच में इंग्लैंड से 2-3 से हारा

एजेंसी, मैड्रिड

इंग्लैंड ने रविवार को मैड्रिड में खेले गए नेशंस लीग के मुकाबले में वर्ल्ड चैंपियन स्पेन को 3-2 से हरा दिया। इस हार के साथ स्पेन का लगातार 43 कॉम्पिटिटिव मैचों में नहीं हारने का रिकॉर्ड टूट गया। टीम को आखिरी बार मार्च 2023 में किसी कॉम्पिटिटिव मैच में हार मिली थी। फ्रेंडली मुकाबलों को शामिल करें तो स्पेन लगातार 43 मैचों में नहीं हारा था। ग्रुप-ए3 के इस मुकाबले में इंग्लैंड की ओर से हैरी केन, एजरी कोंसा और बेन व्हाइट ने गोल किए।

वहीं, स्पेन के लिए मिकाएल ओयारजबाल और निको विलियम्स ने गोल दागे। इस जीत के साथ इंग्लैंड ग्रुप में टॉप पर पहुंच गया और मार्च में होने वाले क्वार्टर फाइनल के लिए सीडेड टीम बन गया। दोनों टीमें पहले ही अगले राउंड के लिए क्वालिफाई कर चुकी थीं।



पहले हाफ में केन ने पेनल्टी से किया गोल

एटलेटिको मैड्रिड के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में इंग्लैंड ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। गोलकीपर उनाई सिमोन ने जूड बेलिंगहैम का शानदार शॉट रोककर स्पेन को शुरुआती झटका लगने से बचाया। पहले हाफ के आखिरी मिनट में स्पेन के डिफेंडर पाउ कुबार्सी ने पेनल्टी एरिया में हैरी केन को गिरा दिया। रेफरी ने इंग्लैंड को पेनल्टी दी। केन ने इसे गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

दूसरे हाफ में इंग्लैंड ने 4 मिनट में दागे 2 गोल

स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने हाफ टाइम में तीन बदलाव किए। उन्होंने पेड्री और फर्मिन लोपेज को मैदान पर उतारा, लेकिन इंग्लैंड ने दूसरे हाफ में तेजी से दो गोल कर दिए। 53वां मिनट में डेक्लन राइस के कॉर्नर पर एजरी कोंसा ने हेडर से गोल किया। इंग्लैंड की बढ़त 2-0 हो गई। वहीं, 57वां मिनट में हैरी केन और जूड बेलिंगहैम के तालमेल के बाद बेन व्हाइट ने तीसरा गोल दागा। इंग्लैंड 3-0 से आगे हो गया।

रेड कार्ड मिलने के बाद स्पेन ने 2 गोल किए

तीन गोल से पिछड़ने के बाद स्पेन ने वापसी की कोशिश की। इसी दौरान इंग्लैंड के मिडफील्डर इलियट एंडरसन ने पेनल्टी एरिया में लामिन यामल को फाउल कर दिया। रेफरी ने एंडरसन को रेड कार्ड दिखाया। इसके बाद इंग्लैंड को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। मिकाएल ओयारजबाल ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्पेन का खाता खोला। इसके बाद एंथनी गॉर्डन की गलती का फायदा उठाते हुए यामल ने निको विलियम्स को पास दिया। विलियम्स का शॉट पोस्ट से टकराकर गोल में चला गया। स्कोर 3-2 हो गया। स्पेन ने बराबरी के लिए लगातार हमले किए, लेकिन इंग्लैंड के गोलकीपर जेम्स ट्रैफर्ड ने यामल और मार्क कुकुरेला के शॉट रोक दिए। इस मैच में ट्रैफर्ड को जॉर्डन पिकफोर्ड की जगह मौका मिला था।

पुंछ में एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधि देख सेना की गोलीबारी



एजेंसी, पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सोमवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास जंगली इलाके में संदिग्ध गतिविधि दिखने के बाद सेना के जवानों ने गोलीबारी की। अधिकारियों के अनुसार, सवजियन सेक्टर के कनारी इलाके में सीमा पर तैनात जवानों ने रात करीब 1:30 बजे कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी। उन्होंने बताया कि जवानों ने छोटे हथियारों से करीब दो दर्जन गोलियां चलाईं और इसके बाद पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी ताकि सीमा पार से आतंकवादियों की किसी भी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि दिन की पहली रोशनी के साथ ही एक तलाशी अभियान शुरू किया गया जो आखिरी रिपोर्ट मिलने तक जारी था।

नॉर्थ जोन सॉफ्ट टेनिस लीग में चमकी चंबा की बेटी ट्विंकल

लुधियाना में हुई लीग में कांस्य पदक जीत बढ़ाया हिमाचल का मान

अनंत ज्ञान

राहुलसहगल, चंबा। खेल के मैदान में अपनी प्रतिभा और मेहनत का लोहा मनवाते हुए जिला चंबा की बेटी ट्विंकल महाजन ने एक और उपलब्धि अपने नाम की है। लुधियाना में 14 से 16 नवंबर तक आयोजित अस्मिता सॉफ्ट टेनिस लीग नॉर्थ जोन इंडिया में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए ट्विंकल महाजन और शिमला की काव्या ने डबल्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर कांस्य पदक हासिल किया। हिमाचल की इस जोड़ी ने जम्मू-कश्मीर की टीम को शिकस्त देकर तीसरा स्थान प्राप्त किया और प्रदेश के साथ जिला चंबा का गौरव बढ़ाया। कड़े मुकाबलों के बीच हिमाचल की खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, तकनीक और खेल कौशल का परिचय देते हुए पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के लिए दोनों खिलाड़ियों को 4,000 रुपए की नकद पुरस्कार राशि भी प्रदान की गई। नॉर्थ जोन में शानदार प्रदर्शन का परिणाम यह रहा कि ट्विंकल महाजन और काव्या का चयन आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भी हुआ है, जिसका आयोजन अहमदाबाद में किया जाएगा। ट्विंकल महाजन ने अपनी सफलता का श्रेय स्कूल प्रबंधन, कोच और नवीन मेहता के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने उत्तर प्रदेश सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी प्रशांत शर्मा का भी विशेष आभार व्यक्त किया ट्विंकल की इस उपलब्धि से चंबा के खेल जगत में खुशी की लहर है। अब जिलेवासियों की निगाहें अहमदाबाद में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता पर टिकी हैं, जहां चंबा की यह बेटी एक बार फिर अपनी प्रतिभा का परचम लहराने के इरादे से उतरेगी।



अब अहमदाबाद में राष्ट्रीय स्पर्धा में दिखाएंगी दम

ब्रिटिश प्रिंस विलियम ने मुंबई में खेला गली क्रिकेट

एजेंसी, मुंबई

ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी केट मिडलटन तीन दिन के भारत दौरे पर सोमवार को मुंबई पहुंचे। दोनों का स्वागत सचिन तेंदुलकर ने किया। विलियम और केट ने मुंबई के बल्लार्ड एस्टेट में गली क्रिकेट भी खेला। इस दौरान सचिन तेंदुलकर ने फील्डिंग की, जबकि एक छोटी बच्ची ने गेंदबाजी करते हुए विलियम को बोल्ड कर दिया। दोनों 17 नवंबर को होने वाले अर्थशॉट प्राइज समारोह में शामिल होंगे। इसके अगले दिन यानी 18 नवंबर को वे दिल्ली जाएंगे, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। विलियम और केट का यह दूसरा आधिकारिक भारत दौरा है। इससे पहले दोनों अप्रैल 2016 में भारत आए थे।

प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट ने मुंबई दौरे के दौरान विधान भवन मेट्रो स्टेशन से मेट्रो में सफर किया। केट एक अस्पताल भी जाएंगी। दोनों मुंबई के लोगों से मिलेंगे और शहर में पर्यावरण बचाने और नई तकनीक से जुड़े कामों के बारे में जानेंगे।



सचिन ने फील्डिंग की, तो छोटी बच्ची ने किया बोल्ड

सेंसेक्स 512 अंक चढ़कर 82,105 के स्तर पर पहुंचा

एजेंसी, मुंबई

शेयर बाजार में 16 नवंबर को बढ़त रही। सेंसेक्स 512 अंक चढ़कर 82,105 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 147 अंक की बढ़त रही, ये 25,291 पर बंद हुआ। बैंकिंग और FMCG शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही। वहीं ऑटो, फार्मा और मेटल शेयर्स में ज्यादा बिकवाली रही।

निफ्टी भी 147 अंक चढ़कर 25,291 पर पहुंचा



सोना भी 1429 रुपए गिरकर 1.34 लाख पर आया

एजेंसी, नई दिल्ली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 1,429 गिरकर 1.34 लाख रुपए पर आ गए हैं। पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी 13 नवंबर को सोना 1.36 लाख रुपए और चांदी 1.78 लाख रुपए पर थी। वहीं, चांदी की कीमत 8,720 रुपए गिरकर 1.69 लाख रुपए पर आ गई है। चांदी के दाम 11 महीने बाद 1.70 लाख रुपए के नीचे आए हैं। इससे पहले 1 दिसंबर 2025 को 1.64 लाख रुपए थे। 2 दिसंबर 2025 को चांदी के रेट 1.73 लाख थे।

तैयारी वित्त मंत्री सीतारमण ने देश के बड़े अर्थशास्त्रियों संग बैठक कर लिए सुझाव

सरकार ने शुरू की बजट 2027-28 की तैयारी

एजेंसी, नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2027-28 की तैयारी 16 नवंबर से शुरू कर दी है। उन्होंने नई दिल्ली में देश के बड़े अर्थशास्त्रियों के साथ पहली बैठक की। आसान भाषा में समझें तो, सरकार बजट तैयार करने से पहले हर साल अलग-अलग क्षेत्र के जानकारों से राय लेती है, ताकि यह समझा जा सके कि देश की अर्थव्यवस्था के लिए क्या जरूरी है और आम लोगों को किस तरह की राहत दी जा सकती है। बैठक में वित्त मंत्री के साथ मुख्य आर्थिक सलाहकार और वित्त मंत्रालय के बड़े अधिकारी भी मौजूद रहे।

बजट से ठीक पहले 29 या 31 जनवरी 2027 को 'इकोनॉमिक सर्वे' पेश किया जा सकता है। यह एक तरह से देश की अर्थव्यवस्था का 'रिपोर्ट कार्ड' होता है, जो बताता है कि बीते साल देश ने कैसी तरक्की की और आगे क्या उम्मीदें हैं। पहली बैठक के साथ ही अब वित्त मंत्रालय में बजट की तैयारियां तेज हो गई हैं। अर्थशास्त्रियों के साथ बैठक बजट का पहला चरण है। वित्त मंत्रालय की इस प्री-बजट सीरीज के तहत आने वाले दिनों में कई अन्य समूहों के साथ भी बैठकें होंगी। इन बैठकों के जरिए सरकार अलग-अलग क्षेत्रों की जरूरतों और नजरिए को समझती है। यह एक ऐसा मंच है जहां जानकार सीधे वित्त मंत्रालय के बड़े अधिकारियों को अपनी उम्मीदें और सुझाव बता सकते हैं। सभी की राय जानने के बाद ही मंत्रालय बजट को अंतिम रूप देने का काम शुरू करता है।

हर साल की तरह इस बार भी आम बजट 1 फरवरी को पेश होने की उम्मीद है। इस दिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में देश की कमाई और खर्च का पूरा हिसाब-किताब पेश करेंगी।

बजट से पहले इन बैठकों की जरूरत क्यों ?



जैसे हम घर का बजट बनाने से पहले परिवार के सदस्यों से उनकी जरूरतें पूछते हैं, ठीक वैसे ही सरकार भी देश का बजट तैयार करने से पहले अलग-अलग क्षेत्रों के जानकारों से सलाह लेती है। इसका सीधा मकसद यह जानना होता है कि देश की अर्थव्यवस्था का हाल कैसा है और किन चीजों पर सबसे पहले ध्यान देने की जरूरत है। बैठक में अर्थशास्त्रियों ने महंगाई को काबू करने, नई नौकरियां पैदा करने और देश की तरक्की की रफ्तार बढ़ाने जैसे आम आदमी से जुड़े मुद्दों पर अपनी राय दी। इन्हीं सुझावों के आधार पर वित्त मंत्रालय तय करता है कि आने वाले बजट में किस सेक्टर को कितना पैसा देना है और जनता के लिए क्या नई योजनाएं लानी हैं।